{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 27 अक्टूबर 2026
अश्विन शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 36
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	73,606.75
निफ्टी	-	22,753.20
सोना	-	1,50,949
चांदी	-	2,20,000
डॉलर	-	95.14

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

राहुल गांधी मानहानि केस में बरी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में बड़ी राहत मिली है। सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए अदालत ने राहुल गांधी को मामले में दोषमुक्त करार दिया। फैसले के बाद अदालत परिसर के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

राहुल गांधी खुद अदालत में पेश होने के लिए सुल्तानपुर पहुंचे थे। यह मामला वर्ष 2018 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर की गई टिप्पणी से जुड़ा है। इस टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया गया था। फैसला सुनाए जाने के समय राहुल गांधी अदालत में मौजूद थे। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि राहुल गांधी की ओर से की गई टिप्पणी मानहानिकारक प्रकृति की नहीं थी।

पांच करोड़ की फिरौती मांगने के आरोप में अभिनेत्री उर्मिला सनावर गिरफ्तार

हरिद्वार। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी मामले को लेकर चर्चा में आई अभिनेत्री उर्मिला सनावर को हरिद्वार पुलिस ने पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगने और धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पूर्व विधायक सुरेश राठौर की बेटी दीपिका राठौर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, आरोपी को सहारनपुर स्थित उनके घर से पकड़ा गया और घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।

दीपिका ने 24 अक्टूबर की रात रानीपुर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि उर्मिला ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ अश्लील और मानहानिकारक टिप्पणियां कीं तथा व्हाट्सएप कॉल के जरिए रविदास धाम की संपत्ति अपने नाम करने और इसके बदले पांच करोड़ रुपये की मांग की। शिकायत में जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है।

पांच करोड़ की फिरौती मांगने के आरोप में अभिनेत्री उर्मिला सनावर गिरफ्तार

हरिद्वार। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी मामले को लेकर चर्चा में आई अभिनेत्री उर्मिला सनावर को हरिद्वार पुलिस ने पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगने और धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पूर्व विधायक सुरेश राठौर की बेटी दीपिका राठौर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, आरोपी को सहारनपुर स्थित उनके घर से पकड़ा गया और घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।

कुछ ना कहना

ई-100 ईंधन को सरकार ने दी मंजूरी, कच्चे तेल का आयात और प्रदूषण घटेगा

अब 100 प्रतिशत एथेनॉल से चलेंगी गाड़ियां

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 100 प्रतिशत एथेनॉल (ई-100) ईंधन से चलने वाले वाहनों के इस्तेमाल का रास्ता साफ कर दिया है। इसके लिए सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स में संशोधन कर ई-100 को उत्सर्जन संबंधी प्रावधानों में शामिल किया गया है। हालांकि, इस ईंधन का इस्तेमाल केवल उन्हीं वाहनों में किया जा सकेगा, जिन्हें निर्माता कंपनियां खास तौर पर इसके अनुकूल डिजाइन और प्रमाणित करेंगी। सरकार का दावा है कि ई-100 ईंधन के इस्तेमाल से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने और प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। यह कदम फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में अहम माना जा रहा है। हालांकि, इससे मौजूदा पेट्रोल कारों के मालिकों को तत्काल कोई बदलाव नहीं करना होगा। न सामान्य पेट्रोल कारें बंद होंगी और न ही उनमें ई-100 इस्तेमाल करने के लिए बदलाव कराना जरूरी है।

केंद्र सरकार ने सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स में संशोधन कर ई85 के साथ ई100 ईंधन को भी उत्सर्जन संबंधी प्रावधानों में शामिल किया है। इससे ई100 पर चलने वाले वाहनों के लिए नियामकीय रास्ता खुला है। हालांकि, वाहन का डिजाइन और प्रमाणन इस ईंधन के अनुकूल होना जरूरी है। ई100 ऐसा ईंधन है, जिसमें लगभग पूरा हिस्सा एथेनॉल का होता है। एथेनॉल एक प्रकार का अल्कोहल है, जिसे गन्ना, मक्का और अन्य जैविक स्रोतों से तैयार किया जा सकता है। सामान्य पेट्रोल की तरह इसमें पेट्रोल मिलाना जरूरी नहीं होता। इसका इस्तेमाल करने के लिए इंजन और फ्यूल सिस्टम का उपयुक्त होना आवश्यक है।

मौजूदा पेट्रोल कारों में इस्तेमाल नहीं

ई20 या सामान्य पेट्रोल पर चलने वाली गाड़ियों में सीधे ई85 या ई100 इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इसके लिए इंजन, ईंधन प्रणाली और अन्य जरूरी पुर्जों का संबंधित ईंधन के अनुकूल होना आवश्यक है। केवल निर्माता की ओर से प्रमाणित वाहन ही इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। फिलहाल मौजूदा वाहन मालिकों को अपनी गाड़ियों में किसी बदलाव की जरूरत नहीं है। वे निर्माता की ओर से निर्धारित ईंधन का इस्तेमाल जारी रख सकते हैं। ई100 की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि पुरानी कारों को एथेनॉल पर चलाना अनिवार्य हो जाएगा। यह वैकल्पिक ईंधन और वाहन तकनीक को बढ़ावा देने की पहल है। पेट्रोल से चलने वाले वाहन भी उपलब्ध रहेंगे।

ई100 से होंगे कई फायदा

घरेलू स्तर पर गन्ने, मक्का और अन्य जैविक स्रोतों से एथेनॉल उत्पादन बढ़ने पर पेट्रोल की मांग का कुछ हिस्सा पूरा किया जा सकता है। इससे कच्चे तेल के आयात और विदेशी मुद्रा खर्च को कम करने में मदद मिल सकती है। एथेनॉल में जीवाश्म कार्बन का हिस्सा पेट्रोल की तुलना में कम होता है। इसके इस्तेमाल से कुछ प्रदूषकों के उत्सर्जन में कमी आ सकती है। हालांकि, वास्तविक लाभ इंजन की तकनीक, ईंधन उत्पादन की प्रक्रिया और पूरे जीवनचक्र के कार्बन उत्सर्जन पर निर्भर करेगा। एथेनॉल की मांग बढ़ने से कृषि आधारित उद्योगों और जैव ईंधन उत्पादन को प्रोत्साहन मिल सकता है। इससे किसानों और संबंधित उद्योगों के लिए नए अवसर बनने की संभावना है।

एसआईआर विवाद पर चुनाव आयोग का सुप्रीम कोर्ट में जवाब, कहा-

सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद के बीच चुनाव आयोग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर अपनी निर्णय प्रक्रिया का बचाव किया। आयोग ने स्पष्ट किया कि एसआईआर से संबंधित सभी महत्वपूर्ण फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं। आयोग ने इस मामले में दायर याचिकाओं को समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों पर आधारित बताते हुए खारिज करने की मांग की।

आयोग के अनुसार, जून 2025, अक्टूबर 2025 और मई 2026 में एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े जारी किए गए तीनों आदेश सर्वसम्मति से पारित हुए थे। आयोग ने कहा कि निर्णय लेने के दौरान अधिकारियों और चुनाव आयुक्तों के सुझावों, सवालों तथा अलग-अलग विचारों पर विचार किया जाता है। किसी फाइल पर की गई टिप्पणी या सवाल को आयोग का अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता।

हलफनामे में आयोग ने प्रपत्र-6 को लेकर उठे सवालों पर भी सफाई दी। आयोग के मुताबिक, एसआईआर से जुड़े तीनों आदेशों के कारण नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले वैधानिक प्रपत्र-6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके साथ इस्तेमाल होने वाला घोषणा-पत्र अलग दस्तावेज है, जिसे एसआईआर प्रक्रिया के तहत लागू किया गया।

यह विवाद उन खबरों के बाद बढ़ा, जिनमें चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की निर्णय प्रक्रिया पर असहमति की बात कही गई थी। आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए अपनी प्रक्रिया का बचाव किया है।

आज से मिलेगा 45 पैसे में 10 लाख का बीमा

नई दिल्ली। अब रेलवे के रिजर्वेशन काउंटर से टिकट लेने वाले यात्री भी 45 पैसे के प्रीमियम पर 10 लाख रुपए तक का यात्रा बीमा ले सकेंगे। मंगलवार से देशभर के सभी आरक्षण काउंटरों पर यह विकल्प मिलेगा। अभी तक यह सुविधा केवल आईआरसीटीसी से ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले यात्रियों को मिलती थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद रेलवे ने ऑफलाइन टिकट लेने वाले यात्रियों के लिए भी बीमा का विकल्प उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। यह सुविधा भोपाल रेल मंडल के आरक्षण काउंटरों पर भी मिलेगी। बीमा लेना वैकल्पिक होगा।

जून 2023 में ओडिशा में हुए रेल हादसे के बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसमें रेल हादसों को रोकने के लिए सुरक्षा प्रणाली लागू करने और हादसों की जांच के लिए कमेटी बनाने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी ध्यान दिया। इनमें स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज, पटरियों के आसपास जाली लगाने और काउंटर से टिकट लेने वाले यात्रियों को बीमा का विकल्प नहीं मिलने जैसे मुद्दे शामिल थे।

आज से देना होगा बीमा का विकल्प

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़ी संख्या में यात्री स्टेशन काउंटरों से टिकट लेते हैं। रेलवे को इन यात्रियों के लिए बीमा की सुविधा उपलब्ध कराने का पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए। इसलिए 27 अक्टूबर से काउंटर से आरक्षित टिकट लेने वालों को भी बीमा का विकल्प देना अनिवार्य किया गया है।

इंडिया ब्लॉक की रैली टालने की मांग पर राहुल गांधी बोले

सीईसी को हटाएं पीएम मोदी, रुक जाएगा आंदोलन

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली के हर व्यापारी से- हम आपसे प्यार करते हैं, आपकी बात सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेट्रो सरकार ने बंद की, सड़कें सरकार ने सील की, राजधानी पर ताला सरकार ने लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि जब वोट ही चोरी हो जाए, तो कुछ भी सुरक्षित नहीं - न आपकी दुकान, न आपकी बचत, न आपके बच्चों का भविष्य। उन्होंने आगे लिखा कि मोदी जी से कहिए - आरोपी नंबर 4, ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा।

दिल्ली के व्यापारियों ने रामलीला मैदान में एक नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस की रैली को स्थगित करने की मांग दोहराई है। उन्होंने निर्णय पर विचार करने के संबंध में दिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान

का स्वागत किया। साथ ही, व्यापारियों ने कहा कि हमारा निवेदन है कि व्यापार के हित में रैली को दिवाली के बाद आयोजित किया जाए। व्यापारियों को दिवाली के त्योहार से पहले कांग्रेस की रैली के कारण भारी नुकसान की आशंका है। मल्लिकार्जुन खरगे ने इस पर बयान दिया कि वे कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के साथ चर्चा करके ही कोई अंतिम निर्णय लेंगे। हालांकि, राहुल गांधी के हालिया बयान से संकेत मिल रहा है कि विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक की रैली रद्द नहीं होगी।

व्यापारियों में खरगे के बयान से जगी थी उम्मीद

इस संबंध में व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे के इस बयान से दिल्ली के व्यापारियों में आशा की किरण जगी है। हम उनके इस संवेदनशील रवैये का दिल से स्वागत करते हैं। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि व्यापारी संगठन ने मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि आपकी अगली मीटिंग में आप दिवाली के पीक सीजन को देखते हुए दिल्ली के लाखों व्यापारियों की रोजी-रोटी का ख्याल रखते हुए रैली को दिवाली के बाद करने का अंतिम निर्णय लेंगे। व्यापारियों का कहना है कि इस साल धनतेरस 6 नवंबर (शुक्रवार) को है। धनतेरस को लेकर ही दिल्ली में सभी सेक्टरों में लगभग 25 हजार करोड़ का कारोबार होता है। इसके बाद 8 नवंबर को दीपावली और 10-11 नवंबर को भैया दूज तक ये पीक सीजन रहता है।

बाइक-टैक्सी मामला

कर्नाटक सरकार की ओर से तुषार मेहता तो सिंघवी कंपनी के पक्ष में

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बाइक-टैक्सी से जुड़े मामले में नया कानूनी मोड़ आया है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें राज्य में बाइक-टैक्सी संचालन की अनुमति दी गई थी। इस मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कर्नाटक सरकार की ओर से पैरवी करेंगे। वहीं, कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी बाइक-टैक्सी कंपनी की ओर से पेश हो रहे हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल पहले ही इस मामले से हट चुके हैं।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ के सामने तुषार मेहता वर्चुअल माध्यम से पेश हुए। पीठ ने मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की अनुमति देते हुए अगली तारीख 16 नवंबर तय की।

सॉलिसिटर जनरल केंद्र सरकार के प्रमुख विधि अधिकारियों में शामिल होते हैं। ऐसे में इस मामले में तुषार मेहता का कर्नाटक सरकार की ओर से पेश होना चर्चा का विषय बना है। सुनवाई के दौरान बाइक टैक्सी राइडर्स एसोसिएशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शशांक गर्ग ने दलील दी कि केंद्र सरकार की ओर से जारी एक सर्कुलर उनकी स्थिति का समर्थन करता है। इस पर पीठ ने कहा कि तुषार मेहता कर्नाटक सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार की ओर से भी पेश हो सकते हैं और अदालत के सामने सही स्थिति रख सकते हैं।

मुंबई में दमघोंटू हुई हवा, बीएमसी के 28 सख्त नियम लागू

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में वायु प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। समुद्र तट पर बसे शहर के कई इलाकों में धुंध छाई हुई है और इमारतें धुंधली दिखाई दे रही हैं। जानकारी के अनुसार, मुंबई का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) करीब 166 दर्ज हुआ, जो हवा की खराब होती स्थिति को दिखाता है। बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने निर्माण परियोजनाओं के लिए 28 बिंदुओं वाली सख्त गाइडलाइन लागू की है।

शहर में प्रदूषण के प्रमुख कारणों में निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, वाहनों का धुआं, खुले में कचरा जलाना और हवा की धीमी गति शामिल हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए नगर निगम ने बिल्डरों और ठेकेदारों को निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। श्रमिकों के लिए इलेक्ट्रिक हीटर उपलब्ध करने को कहा गया है, ताकि खुले में आग जलाने की घटनाओं को कम किया जा सके।

नई गाइडलाइन के तहत निर्माणाधीन इमारतों को चारों ओर से हरे कपड़े, जूट की चादर या तिरपाल से ढकना अनिवार्य है। 70 मीटर से अधिक ऊंची या एक एकड़ से बड़े क्षेत्र में फैली परियोजनाओं के चारों तरफ कम से कम 35 फीट ऊंचे मेटल शीट बैरिकेड लगाने के निर्देश भी दिए हैं।

जामिया में 20 साल बाद छात्रसंघ चुनाव का आदेश

संविधान मंजूर होने के 15 दिन के भीतर वोटिंग; दो हफ्ते से भूख हड़ताल पर छात्र

नई दिल्ली। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में करीब 20 साल बाद छात्रसंघ चुनाव कराने का आदेश जारी किया गया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सोमवार को कहा कि छात्रसंघ के संविधान को मंजूरी मिलने के 15 दिन के भीतर चुनाव कराए जाएंगे। प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान छात्रों को जारी सस्पेंशन और कारण बताओ नोटिस रद्द करने का फैसला लिया है। साथ ही, आंदोलन के दौरान सुरक्षाकर्मियों के व्यवहार की जांच के लिए कमेटी बनाने का भी आश्वासन दिया। हालांकि, प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आदेश को अस्पष्ट बताते हुए कहा है कि लिखित भरोसा मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ बहाल करने और चुनाव की मांग को लेकर 12 अक्टूबर से प्रदर्शन जारी है। 5 छात्र पिछले 14 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। यूनिवर्सिटी कैंपस बंद कर दिया गया है क्लासेस ऑनलाइन कर दी थीं।

ज म्म् - क श्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिजवी सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे कैंपस पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों से बातचीत की और प्रशासन का आदेश साझा किया। रजिस्ट्रार ने छात्रों से आंदोलन खत्म करने की अपील करते हुए कहा कि उनकी मांगें मान ली गई हैं। हालांकि, छात्र संगठन ने कहा कि संविधान को मंजूरी देने की तारीख स्पष्ट नहीं है। छात्रों ने चीफ प्रॉक्टर के इस्तीफे की मांग पर भी जवाब मांगा है। उनका कहना है कि बिना स्पष्ट समयसीमा और लिखित आश्वासन के आंदोलन खत्म नहीं किया जाएगा।

2006 में भंग हुआ था छात्रसंघ

जामिया में 2006 में छात्रसंघ भंग किए जाने के बाद से चुनाव नहीं हुए हैं। छात्रों की मांग है कि निर्वाचित छात्रसंघ बहाल किया जाए और उन्हें कैंपस से जुड़े मुद्दे उठाने के लिए प्रतिनिधित्व मिले। प्रशासन ने छात्रों से बातचीत के लिए सात प्रोफेसरों की कमेटी बनाई थी।

खेत में बैठी महिला को उठा ले गया बाघ, मौत

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में बाघ के हमलों से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। पिछले 24 घंटे के भीतर बाघ के हमले में दो लोगों की मौत हो गई। ताजा घटना भेंडारा गांव की है, जहां रविवार को खेत में काम करने गई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रमिला महाडोरे पर बाघ ने हमला कर दिया। बाद में उनका शव धान की फसल के बीच मिला।

जानकारी के अनुसार, रविवार को छुट्टी होने के कारण प्रमिला अपने पति के साथ खेत में तिल और सब्जियों की कटाई करने गई थीं। उनके पति खेत के दूसरे हिस्से में फसल को पानी दे रहे थे। इसी दौरान बाघ ने प्रमिला पर हमला कर दिया और उन्हें खींचकर ले गया। काफी देर तक पत्नी दिखाई नहीं देने पर पति ने उनकी तलाश शुरू की। आसपास के ग्रामीण भी खोजबीन में जुटे। इस दौरान धान की फसल में उनका शव मिला।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इससे पहले पळसगाव में किसान नानाजी नारायण कामडी की भी बाघ के हमले में मौत हुई थी। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले तीन-चार दिनों से पळसगाव जाट, भेंडारा और खातगांव क्षेत्र में बाघ की गतिविधियां देखी जा रही हैं। उन्होंने बाघ को पकड़ने और इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

जिला न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 62 साल करने पर 14 राज्य सहमत

नई दिल्ली। जिला न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने के मुद्दे पर 14 राज्यों की सहमति मिलने पर सुप्रीम कोर्ट ने संतोष जाहिर किया है। सोमवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उम्मीद जाहिर की कि अन्य राज्य भी प्रस्ताव को स्वीकार कर सकते है। हालांकि, अदालत ने सेवानिवृत्त होने वाले या हाल ही में सेवानिवृत्त हुए न्यायिक अधिकारियों की अलग-अलग याचिकाओं को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इंकार किया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि यह मामला न्यायालय और राज्य सरकारों के बीच है। अदालत राज्यों को सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने के अपने सुझाव पर विचार करने के लिए राजी करने का प्रयास कर रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार ने अलग-अलग याचिकाओं पर जल्द सुनवाई का अनुरोध कर कहा कि हर दिन न्यायिक अधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है और फिलहाल अलग-अलग याचिकाओं को शामिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने चार सितंबर को राज्यों को जिला न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने के प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा था कि जिन राज्यों ने इस पर सहमति जाहिर की है, उन्हें अपने सेवा नियमों में संशोधन करना होगा। संबंधित उच्च न्यायालय द्वारा अधिकारियों की उपयुक्तता और कार्य प्रदर्शन का आकलन भी किया जाएगा।

अदालत ने पहले सात राज्यों छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 31 मार्च 2026 या उसके बाद 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके न्यायिक अधिकारियों को दोबारा सेवा में शामिल होने का विकल्प देने की बात कही थी। यह सुविधा उन अधिकारियों को मिल सकती है, जिन्होंने इस बीच कोई दूसरी नौकरी नहीं की है। इसके लिए संबंधित उच्च न्यायालय की ओर से उपयुक्तता का आकलन जरूरी होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को सेवा नियमों में यथासंभव दो महीने के भीतर संशोधन करने को कहा था। साथ ही स्पष्ट किया था कि नियमों में संशोधन लंबित रहने के दौरान संबंधित अधिकारियों को 62 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले सेवानिवृत्त नहीं किया जाए, बशर्ते वे उच्च न्यायालय के आकलन में उपयुक्त पाए जाएं।

राहुल गांधी के काफिले की गाड़ियों के हादसे की जांच के लिए एसआईटी गठित

सुल्तानपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के काफिले में शामिल वाहनों के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। हादसा सोमवार सुबह सुल्तानपुर के हलियापुर क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के 89.5 किलोमीटर माइलस्टोन के पास हुआ था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सुल्तानपुर की विशेष एमपी-एमएलए अदालत में पेशी के लिए जा रहे राहुल गांधी के काफिले के पीछे चल रही गाड़ियां आपस में टकरा गई थीं। हादसे में कुछ लोगों को हल्की चोटें आने की सूचना थी, जबकि राहुल गांधी सुरक्षित रहे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एसआईटी दुर्घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच करेगी। शुरुआती जानकारी में तेज रफ्तार को हादसे की संभावित वजह बताया गया था, लेकिन दुर्घटना के वास्तविक कारणों का निर्धारण जांच के बाद ही हो सकेगा। मामले में विस्तृत जानकारी और जांच दल के निष्कर्षों का इंतजार है।

बैहर-बिरसा में आदिवासी बच्चों की मौत पर फिर गरमा रहा मामला, विधायक संजय उईके का दावा आंकड़ा 55 तक पहुंचा

बच्चों की मौत के मामलों में स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग, विधायक बोले जल्द सार्वजनिक करेंगे मृत बच्चों के नाम

पद्‌मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर और बिरसा विकासखंड के आदिवासी अंचलों में बच्चों की मौत का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, बच्चों की स्क्रीनिंग, टीकाकरण और स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लगातार काम किए जाने की बात कही जा रही है। विभाग का दावा है कि प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर की गयी हैं, लेकिन दूसरी ओर बच्चों की मौत के मामलों को लेकर सवाल लगातार उठ रहे हैं। इसी बीच 26 अक्टूबर को बैहर विधायक संजय उईके ने दावा किया कि आदिवासी बच्चों की मौत का आंकड़ा अब तक 55 तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही मृत बच्चों के नाम सार्वजनिक करेंगे। हालांकि, विधायक द्वारा बताए गए आंकड़े की स्वतंत्र पुष्टि और स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक आंकड़ों से उसका मिलान होना अभी बाकी है। उनके इस बयान के बाद आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों की मौत के मामलों को लेकर प्रशासनिक दावों और जमीनी स्थिति पर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। विधायक संजय उईके ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि प्रभावित क्षेत्रों में लगातार स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं, बच्चों की स्क्रीनिंग और टीकाकरण किया जा रहा है तथा मूलभूत सुविधाओं में सुधार के प्रयास हो रहे हैं, तो फिर बच्चों की मौत के मामलों पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लग पा रही है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए, ताकि बच्चों की मौत के वास्तविक कारण सामने आ सकें और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय हो सके।

विधायक का कहना है कि केवल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के दावे करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि प्रभावित गांवों में बच्चों को समय पर उपचार मिल रहा है या नहीं और मौतों के पीछे किन परिस्थितियों की भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि जांच के आधार पर यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। संजय उईके ने यह भी कहा कि वह इस मुद्दे को जल्द ही विधानसभा में उठाएंगे और आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाएंगे। उन्होंने मृत बच्चों के नाम सार्वजनिक करने की बात दोहराते हुए कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए वास्तविक स्थिति सामने आना जरूरी है। दूसरी ओर, स्वास्थ्य विभाग प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हवाला दे रहा है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों की मौत से संबंधित सभी मामलों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार किया जाए, प्रत्येक मामले में मृत्यु के कारणों की जांच हो और आधिकारिक आंकड़ों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया जाए। विधायक के 55 मौतों के दावे की पुष्टि, विभागीय आंकड़ों से उसका मिलान और स्वतंत्र जांच की मांग पर प्रशासन का पक्ष इस मामले में महत्वपूर्ण रहेगा। आदिवासी अंचलों में बच्चों की मौत का मुद्दा केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, समय पर उपचार, पोषण, स्वच्छता और ग्रामीण परिवारों को उपलब्ध सुविधाओं से भी जुड़ा है। इसलिए इस मामले में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर तथ्यों के आधार पर जांच और ठोस कार्रवाई की जरूरत है। यदि स्वास्थ्य विभाग के दावों के बावजूद बच्चों की मौत के मामले सामने आ रहे हैं, तो उनके कारणों की गहन समीक्षा कर कमियों को दूर करना आवश्यक है। वहीं, मौतों की संख्या को लेकर अलग-अलग दावे सामने आने पर प्रशासन को प्रमाणित आंकड़े और जांच की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए ।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के बाद वैनगंगा घाट पर किया सामूहिक श्रमदान

पद्‌मेश न्यूज। बालाघाट। मां दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा वैनगंगा घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक श्रमदान कर घाट परिसर की साफ-सफाई की

तथा विसर्जन के बाद एकत्रित अपशिष्ट को हटाकर परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया। इस अभियान में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, स्वच्छता सभापति श्रीमती संगीता खगेश कावरे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की। सभी ने श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान वैनगंगा घाट पर श्रद्धालुओं की आवाजाही और धार्मिक गतिविधियों के चलते एकत्रित हुए अपशिष्ट को हटाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। इसके तहत घाट परिसर और आसपास के क्षेत्रों की सफाई कर सार्वजनिक स्थल को स्वच्छ एवं बनाया गया। अभियान का उद्देश्य धार्मिक आयोजनों के बाद घाट की स्वच्छता सुनिश्चित करने के साथ ही वैनगंगा नदी एवं उसके आसपास के पर्यावरण का संरक्षण करना भी रहा। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सहभागिता के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने तथा सार्वजनिक स्थलों के रखरखाव में सहयोग करने का संदेश दिया गया। नगर पालिका परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि धार्मिक आयोजनों के दौरान और उनके बाद नदी एवं घाट परिसर में कचरा न डालें। अपशिष्ट का उचित निस्तारण करें तथा वैनगंगा नदी और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग दें।

ग्राम कायदी में शरद पूर्णिमा पर हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

ढाई हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

पद्‌मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 25 अक्टूबर को धार्मिक आयोजन के तहत हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। डोंगरगढ़ पदयात्रा समिति एवं बब्बर सेना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम स्थानीय शीतला माता मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत विधि-विधान के साथ हवन-पूजन किया गया। वहीं शाम 5 बजे से विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। इस दौरान क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।आयोजन के संबंध में अभिषेक दमाहे ने बताया कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के धर्मप्रेमी नागरिकों में खासा उत्साह रहा। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, भक्तजनों एवं श्रद्धालुओं ने पहुंचकर हवन-पूजन में भाग लिया तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। देर रात तक चले भंडारे में करीब ढाई हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रुद्रसिंह लिल्हारे, संदीप नगरगढ़े, अंकुश जामने, संजय माहुले, महेश शेंद्र, भुरू लिल्हारे, गिरजाशंकर उपराड़े, वीरेंद्र लिल्हारे, संतोष नेवारे, राजेश भादरी, कुश लिल्हारे, रंजीत वराड़े, गोविंद मसखरे, प्रहलाद माहुले, सुनील नेवारे, त्रिवेंद्र नागपुरे, राहुल बसेने, संदीप कोचड़े सहित अन्य भक्तगणों एवं ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत वाल्मीकि जयंती ,विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पद्‌मेश न्यूज। बालाघाट। पवित्र ग्रंथ रामायण के रचयिता आदि कवि महर्षि संत वाल्मीकि की जयंती सोमवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।इसी कड़ी में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी नगर के वार्ड नंबर 3 बैहर रोड स्थित अंबेडकर भवन में महर्षि संत वाल्मीकि जयंती का आयोजन किया गया जहां मध्य प्रदेश सुदर्शन कुमार समाज के पदाधिकारियों सदस्यों व अन्य सामाजिक बंधुओं ने संत वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विशेष पूजा-अर्चना की।वहीं प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उद्बोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां सुदर्शन समाज के पदाधिकारियों ने अपने उद्बोधन में समाज की एकता अखंडता व आपसी भाईचारे की प्रेरणा देते हुए सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने लेने की समझाइश दी। वहीं पदाधिकारियों ने महर्षि संत वाल्मीकि की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने प्रशासन ने तेज किए प्रयास

14 दिन तक गांवों का भ्रमण करेंगे अधिकारी, ग्रामीणों की जरूरत के अनुसार तैयार होंगे विकास कार्यों के प्रस्ताव, अधिकारियों ने गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से किया संवाद

पद्‌मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में इन गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। युवाओं और जनजातीय समुदाय के लोगों के लिए स्वरोजगार की संभावनाएं विकसित करना भी इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को चार क्लस्टर में विभाजित किया गया है। सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आगामी 14 दिनों तक इन गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद करने और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान गांवों में उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति का आकलन कर आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है।

बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर जोर

अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, सिंचाई, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी भवन और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की जरूरतों का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी प्राथमिकताएं जानी जा रही हैं, ताकि प्रस्तावित विकास कार्य स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए जा सकें। इसके साथ ही कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्योद्योग, डेयरी और उद्योग विभाग के अधिकारियों को गांवों में आजीविका के अवसर तलाशने की जिम्मेदारी दी गई है। जनजातीय कार्य विभाग सहित संबंधित विभाग शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहे हैं। अभियान में

स्वास्थ्य, पोषण और जनजागरूकता से जुड़े विषयों को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

अधिकारियों ने गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से किया संवाद

26 अक्टूबर को लांजी एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने कट्टीपार, सतोना, बरगुड़ और देवरबेली गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से चर्चा की। वहीं बैहर एसडीएम अनिकेत शांडिल्य के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने दड़ेकसा, बिलालकसा, सोनगुड्डा, लूद, हिर्री, भर्री, सोनपुरी और बिठरी गांवों का दौरा किया। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री श्री मनोज धुर्वे ने किरनापुर क्षेत्र के सीतापार और बोरवन गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से चर्चा की। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने उकवा-बिठली क्षेत्र के छात्रावासों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसी प्रकार उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. घनश्याम परते, उप संचालक मत्स्योद्योग श्रीमती पूजा रोडगे और सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जी.पी. बर्मन भी अपनी टीमों के साथ संबंधित गांवों में पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों की आवश्यकताओं और क्षेत्र में विकास की संभावनाओं की जानकारी जुटाई। कलेक्टर आदित्य सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित 14 दिनों की अवधि में आवंटित गांवों का भ्रमण पूरा कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। इस रिपोर्ट के आधार पर गांवों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के विकास, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। जिला प्रशासन का प्रयास है कि नक्सल प्रभावित रहे इन गांवों में विकास कार्यों को गति देकर ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और युवाओं को शिक्षा, रोजगार तथा आजीविका के नए अवसरों से जोड़कर उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जाए।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मीरन बाई येडे पति श्री छन्नुलाल येडे, आयु 69 वर्ष, निवासी- वार्ड नं 03 ग्राम लोहारा, पोस्ट लिंगा तहसील- बालाघाट जिला बालाघाट, म.प्र. की निवासी हूँ।

यह कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश मिरा एडे पति श्री छन्नुलाल एडे (MEERA YEDE W/O CHHANNULAL YEDE) अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरा वास्तविक सही नाम मीरन बाई येडे पति श्री छन्नुलाल येडे (MEERAN BAI YEDE W/O CHHANNULAL YEDE) है जो कि मेरे अन्य समस्त दस्तावेजों में दर्ज होने से प्रमाणित है। जो कि मैं अपने आधार कार्ड में वास्तविक नाम दर्ज करवाना चाहती हूँ। प्रकाशन उपरांत - मेरा नाम मीरन बाई येडे पति श्री छन्नुलाल येडे (MEERAN BAI YEDE W/O CHHANNULAL YEDE) के नाम से जाना पहचाना व पढ़ा जावे।

शपथकर्ता
मीरन बाई येडे पति श्री छन्नुमलाल येडे
ग्राम लोहारा, पोस्ट लिंगा तहसील बालाघाट
जिला बालाघाट(म.प्र.)

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट
भवन हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि वैनगंगा कॉलोनी सिकंदरा वारासिवनी स्थित भवन क्रमांक एल.आई.जी.-13 श्री विक्की जैन पिता श्री स्व. शरद जैन को इस कार्यालय के आदेश क्रं. 90 दिनांक 30/04/2024 के द्वारा आवंटित किया गया है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 27/11/2024 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है, उक्त भवन श्री विक्की जैन ने पंजीकृत विक्रय-विलेख दिनांक 07/09/2026 के माध्यम से श्रीमती रूचि खैरवार पति श्री विक्की खैरवार को विक्रय किया है। अतः श्रीमती रूचि खैरवार द्वारा उक्त भवन की लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज आवेदन/इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है, यदि व्यक्ति संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन-भूखण्ड/) बाबत आपत्ति हो, तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

संपदा अधिकरी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना
विकास मंडल संभाग बालाघाट

बैहर में तीन दिवसीय जननायक समारोह का शुभारंभ

राजा पेमलशाह की गाथा पर आधारित नृत्य-नाटक ने मोहा मन

पद्‌मेश न्यूज। बैहर। गोंडवाना सभ्यता के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और महान जननायकों के जीवन से नई पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जननायक समारोह का शुभारंभ 25 अक्टूबर 2026 को जनजातीय विकासखंड बैहर में हुआ। खेल परिसर बैहर के मैदान में आयोजित इस सांस्कृतिक समारोह के प्रथम दिन गोंडवाना वंश के राजा पेमलशाह के जीवन चरित्र पर आधारित नृत्य-नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। भोपाल से आए लगभग 40 कलाकारों ने अभिनय, नृत्य और संगीत के माध्यम से ऐतिहासिक गाथा को मंच पर जीवंत कर दिया। कलाकारों की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा।

राजा पेमलशाह की गाथा के माध्यम से दिखाई गोंडवाना की सांस्कृतिक विरासत

गोंडवाना का इतिहास यहां के जनजीवन, सामाजिक पहचान, परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत से गहराई से जुड़ा हुआ है। समारोह में राजा पेमलशाह के जीवन पर आधारित नृत्य-नाटक के माध्यम से गोंडवाना की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने पारंपरिक कला, नृत्य, संगीत और सशक्त अभिनय के जरिए दर्शकों के सामने ऐतिहासिक गाथा को आकर्षक अंदाज में पेश किया।इस प्रस्तुति के माध्यम से जनजातीय समाज के इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का संदेश दिया गया। साथ ही नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों, ऐतिहासिक नायकों और सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराने का प्रयास किया गया।

दीप प्रज्वलन कर किया समारोह का शुभारंभ

कार्यक्रम के प्रथम दिन राजा पेमलशाह के जीवन पर आधारित नृत्य-नाटक की प्रस्तुति से पूर्व मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा मंडल बैहर अध्यक्ष संकेत राठौर, अतिथि पार्षद शिवा रामटेके, शिवनाथ यादव, नोडल अधिकारी एवं विकासखंड अधिकारी बैहर नरेंद्र वैद्य, प्रभारी प्राचार्य मोयाला बलवंत धुर्वे, बाबा भाईजान तथा महेंद्र उयके सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

27 अक्टूबर तक चलेगा सांस्कृतिक आयोजन

बालाघाट जिले के जनजातीय विकासखंड बैहर में 25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस तीन दिवसीय जननायक समारोह का उद्देश्य जनजातीय समाज की ऐतिहासिक विरासत, लोककला और सांस्कृतिक परंपराओं को व्यापक मंच प्रदान करना है। समारोह के माध्यम से स्थानीय लोगों और नई पीढ़ी को जनजातीय महापुरुषों के जीवन एवं योगदान से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है।प्रथम दिन की प्रस्तुति ने दर्शकों के बीच विशेष आकर्षण पैदा किया। भोपाल से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य-नाटक की उपस्थित लोगों ने सराहना की। इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन जनजातीय विरासत के संरक्षण, संवर्धन और भावी पीढ़ियों तक उसके हस्तांतरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आंचलिक
छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
चुनभुनिया
आकर्षक झांकी के साथ
दामाद बाबू
राजनांदगांव के द्वारा
अनुपम प्रस्तुती
8085493332
7440787959

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस का एक को आंदोलन, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

दिल्ली में जुटेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता, बालाघाट पहुंचे एआईसीसी पर्यवेक्षक विमल शाह ली प्रेसवार्ता, खड़गे के बयान को शाह ने बताया नेचुरल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपना आंदोलन तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में 26 अक्टूबर को बालाघाट के सर्किट हाउस में एआईसीसी पर्यवेक्षक विमल शाह ने कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ प्रेसवार्ता ली। उन्होंने बताया कि कांग्रेस 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी के मुद्दे पर बड़ा प्रदर्शन करेगी। पार्टी की मांग है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें। शाह ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर लड़ाई जारी रखेगी और जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक आंदोलन अलग-अलग स्तरों पर जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन में देशभर के ब्लॉक और बूथ स्तर से कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। कांग्रेस पहले भी जंतर-मंतर और मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय तक प्रदर्शन कर चुकी है। अब पार्टी जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति बना रही है।

प्रेसवार्ता के दौरान शाह ने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता के वोट की सुरक्षा महत्वपूर्ण है और मतदाता सूची में किसी भी तरह की कथित गड़बड़ी की जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मामलों में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं और इसी वजह से पार्टी उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। शाह ने बताया कि 1 नवंबर के प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाता सूची लेकर पहुंचेंगे और मतदाताओं के नामों का मिलान करेंगे। पार्टी का उद्देश्य यह पता लगाना होगा कि मतदाता सूची में नाम सही तरीके से दर्ज हैं या नहीं और कहीं किसी पात्र मतदाता का नाम छूटा तो नहीं है। उन्होंने फार्म-6 में बदलाव और संविधान में परिवर्तन की कथित मंशा को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। शाह के अनुसार, कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर विभिन्न जिलों में प्रेसवार्ताएं कर रही है और कार्यकर्ताओं को आंदोलन की तैयारियों में जुटाया जा रहा है। उनके मुताबिक, आने वाले दिनों में बालाघाट सहित अन्य जिलों में भी प्रदर्शन किए जाएंगे और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे को जनता के बीच उठाया जाएगा। दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर व्यापारियों की चिंताओं पर भी विमल शाह ने अपनी बात रखी। दीपावली के आसपास बड़े प्रदर्शन से व्यापार प्रभावित होने की आशंका जताए जाने पर उन्होंने कहा कि आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा। उनका दावा था कि रामलीला मैदान में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने से व्यापारियों को भी लाभ हो सकता है, इसलिए उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। वहीं, प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक गुरमीत सिंह मंगू और विधायक संजय उईके सहित कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। विमल शाह ने कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के शामिल होने की तैयारी है। इसके बाद भी आंदोलन की गतिविधियां जारी रहेंगी और कांग्रेस मतदाता सूची के सत्यापन के लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाएगी। पार्टी का कहना है कि हर मतदाता का नाम सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सवालों का जवाब संबंधित संस्थाओं को देना चाहिए। अब दिल्ली के प्रदर्शन के बाद कांग्रेस की आगे की रणनीति और मतदाता सूची के मिलान अभियान पर राजनीतिक तथा प्रशासनिक हलकों की नजर रहेगी।

खड़गे के बयान का विमल शाह ने किया बचाव

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके पिता को लेकर दिए गए बयान पर कांग्रेस के एआईसीसी पर्यवेक्षक विमल शाह ने खड़गे के बयान का बचाव करते हुए उसे नेचुरल बयान बताया। शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस बयान को बेवजह राजनीतिक मुद्दा बना रही है, जबकि उसके पास जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि खड़गे के बयान को लेकर भाजपा जिस तरह आपत्ति जता रही है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि वह इस विषय को राजनीतिक बहस का केंद्र बनाना चाहती है। विमल शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो कहा, वह उनके मुताबिक नेचुरल बयान है और इस पर भाजपा को इतनी आपत्ति नहीं होनी चाहिए। शाह ने आरोप लगाया कि भाजपा इस बयान को लेकर विवाद खड़ा कर रही है और इसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है। यदि भाजपा के पास जनता के सामने रखने के लिए ठोस मुद्दे हैं, तो उसे उन पर बात करनी चाहिए, न कि किसी बयान को लेकर विवाद को बढ़ाना चाहिए।

देवीगीतों की गूंज, चांदनी रात में अमृतमयी खीर का प्रसाद

बूढ़ी में परासिया जागरण ग्रुप ने बांधा समां, मोतीनगर-प्रेमनगर सहित शहरभर में मनी शरद पूर्णिमा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांदनी रात, भक्ति गीतों की मधुर स्वर लहरियां और मां दुर्गा के जयकारों से रविवार की रात शहर का माहौल भक्तिमय हो गया। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर बालाघाट में जगह-जगह धार्मिक आयोजन किए गए। कहीं देवी जागरण में भजनों की गूंज रही तो कहीं चंद्रमा की रोशनी में रखी खीर का प्रसाद ग्रहण कर लोगों ने परंपरा का निर्वहन किया। शहर के बूढ़ी क्षेत्र में आयोजित देवी जागरण में परासिया जागरण ग्रुप ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में डूबे रहे। वहीं मोतीनगर, बूढ़ी और प्रेमनगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में खोजा-गिरी के आयोजन हुए, जहां लोगों ने सामूहिक रूप से शरद पूर्णिमा का उत्सव मनाया।

भक्ति गीतों ने बांधा समां, झांकियों के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

बूढ़ी में आयोजित देवी जागरण में परासिया जागरण ग्रुप के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक देवी गीतों की प्रस्तुति दी। महिला गायिका ने 'मैया की चुनर उड़ जाए', 'पवन जरा धीरे चलो जी', 'सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे सरकार आए हैं' और 'भक्तों को दर्शन दे रही रे एक छोटी सी कन्या' जैसे भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों की मधुर धुनों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। जागरण के दौरान मातारानी की आकर्षक सजीव झांकियां भी सजाई गईं, जिनका श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया।

शहरभर में खोजा-गिरी, अर्धरात्रि तक चला उत्सव

शरद पूर्णिमा को लेकर शहर के मोतीनगर, बूढ़ी, प्रेमनगर सहित अन्य क्षेत्रों में भी धार्मिक आयोजन हुए। लोगों ने परंपरानुसार रात में जागरण किया और चंद्रमा की रोशनी में रखी खीर का प्रसाद ग्रहण किया। परिवारों और मोहल्लों में सामूहिक रूप से आयोजित खोजा-गिरी के दौरान उत्साह का माहौल रहा। देर रात तक लोग पर्व की खुशियां साझा करते नजर आए। धार्मिक आस्था के साथ आपसी मेल-मिलाप और सामूहिक सहभागिता ने शरद पूर्णिमा के उत्सव को खास बना दिया।

चंद्रमा की किरणों से अमृत वर्षा की मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अश्विन माह की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है इस दिन मां दुर्गा और भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी पूर्ण आभा के साथ अमृतमयी किरणें बिखेरता है। इसी विश्वास के चलते रात में खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखी जाती है और मध्यरात्रि के बाद उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। भगवान विष्णु की आराधना को सुख-समृद्धि, सौभाग्य और जीवन में शुभ फल प्राप्ति से जोड़कर देखा जाता है। इसी धार्मिक आस्था और परंपरा के चलते शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।

खेत से लौट रही 16 वर्षीय किशोरी की सर्पदंश से मौत

माता-पिता की इकलौत बेटी थी जिज्ञासा, कक्षा ग्यारहवीं की कर रही थी पढ़ाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नोनसा में माता पिता के साथ खेत गई 16 वर्षीय जिज्ञासा टेम्भरे को क्या पता था कि घर लौटते समय यह सफर उसकी जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा। खेत की मेड़ पर नाग के डसने से उसकी मौत हो गई। कक्षा 11वीं में पढ़ने वाली जिज्ञासा अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी। बेटी को बचाने के लिए परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उसे नहीं बचाया जा सका। घटना से परिवार में मातम पसरा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नोनसा निवासी रविंद्र टेम्भरे खेती-किसानी करते हैं। परिवार में पत्नी कल्पना, बेटी जिज्ञासा और बेटा जिगर 14 हैं। जिज्ञासा कक्षा 11वीं की छात्रा थी जबकि उसका छोटा भाई कक्षा दसवीं का छात्र है दोनों भाई बहन शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला आरंभा में पढ़ाई करते हैं. 2 दिन की अवकाश होने के कारण जिज्ञासा घर में ही थी।26 अक्टूबर को भी स्कूल में अवकाश होने के कारण जिज्ञासा सुबह करीब 10 बजे अपने माता-पिता के साथ खेत गई थी। वहां उसके माता-पिता धान के बोझे बांध रहे थे जबकि जिज्ञासा मेहंदी की पत्तियां तोड़ रही थी।दोपहर करीब एक बजे तीनों खेत से घर लौट रहे थे। रविंद्र आगे चल रहे थे उनके पीछे जिज्ञासा और सबसे पीछे उसकी मां थी। खेत की मेड़ से गुजरते समय अचानक एक नाग जिज्ञासा के पैर में लिपट गया और उसने तीन-चार जगह डस लिया। सांप के काटने का एहसास होते ही जिज्ञासा ने पैर झटका जिससे सांप वहां से निकल गया।बेटी को सांप के काटने का पता चलते ही रविंद्र उसे उठाकर तत्काल घर लेकर पहुंचे और करीब 10 मिनट के भीतर खैरलांजी के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया। कुछ समय बाद जिज्ञासा बेहोश हो गई। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी।

पांच माह से वेतन नहीं मिलने से वन सुरक्षा श्रमिक परेशान, दीपावली से पहले भुगतान की मांग

किरनापुर, बैहर, सोनेवानी और लालबर्रा सहित विभिन्न रेंजों के श्रमिकों का मानदेय अटका, भुगतान नहीं होने पर मुख्य वन संरक्षक कार्यालय के घेराव की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वन विभाग में जंगलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाले वन सुरक्षा श्रमिकों को पिछले पांच माह से वेतन नहीं मिलने का मामला सामने आया है। जिले की विभिन्न रेंजों में बीट स्तर पर कार्यरत श्रमिकों का मानदेय लंबित होने से उनके सामने आर्थिक संकट की स्थिति बन रही है। मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस बालाघाट के जिला अध्यक्ष सजल मस्की ने बताया कि किरनापुर, बैहर, सोनेवानी और लालबर्रा सहित अन्य रेंजों के वन सुरक्षा श्रमिकों को वेतन नहीं मिलने की जानकारी संगठन को मिली थी। इसके बाद संगठन के पदाधिकारी और श्रमिक किरनापुर रेंज कार्यालय पहुंचे, जहां रेंजर प्रदीप वाडिवा से चर्चा कर भुगतान में हो रही देरी की जानकारी ली गई। श्रमिकों की मांग है कि उनसे नियमित रूप से काम लेने के बावजूद वेतन का भुगतान समय पर नहीं होना उचित नहीं है। दीपावली जैसे त्योहार से पहले मानदेय नहीं मिलने से उनकी घरेलू जरूरतों और त्योहार की तैयारियों पर असर पड़ रहा है। संगठन ने विभागीय अधिकारियों से लंबित भुगतान शीघ्र कराने की मांग की है।

जिला अध्यक्ष सजल मस्की के अनुसार, किरनापुर रेंज कार्यालय से जानकारी मिली कि वेतन भुगतान से संबंधित आवश्यक कार्रवाई पूरी कर प्रकरण वनमंडलाधिकारी, दक्षिण सामान्य वनमंडल, बालाघाट के कार्यालय को भेज दिया गया है। इसके बाद वनमंडलाधिकारी से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन मोबाइल बंद होने के कारण चर्चा नहीं हो सकी। बाद में मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी से दूरभाष पर बातचीत हुई। मस्की के मुताबिक, मुख्य वन संरक्षक ने संबंधित वनमंडलाधिकारी से चर्चा कर प्रकरण की समीक्षा करने और भुगतान की कार्रवाई शीघ्र कराने का आश्वासन दिया है। वहीं, किरनापुर रेंज कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, जिला कोषालय बालाघाट से बार-बार आपत्तियां आने के कारण भुगतान की प्रक्रिया में विलंब हो रहा है। ऐसे में श्रमिकों को यह इंतजार है कि विभागीय और कोषालय स्तर की अड़चनें दूर कर उनका लंबित मानदेय कब तक जारी किया जाएगा। मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस ने विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि दीपावली के पूर्व जिले के सभी वन सुरक्षा श्रमिकों का लंबित मानदेय भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही रेंजों में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों के महंगाई भत्ते का एरियर भी शीघ्र उनके खातों में जारी किया जाए। संगठन ने किरनापुर में वन विभाग की विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक तत्काल आयोजित करने की मांग भी रखी है, ताकि कर्मचारियों की लंबित समस्याओं पर चर्चा कर उनका निराकरण किया जा सके। सजल मस्की ने चेतावनी दी है कि यदि श्रमिकों के भुगतान और अन्य मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन मुख्य वन संरक्षक कार्यालय का घेराव करेगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन की स्थिति बनने पर इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सजल मस्की, जिला कोषाध्यक्ष मतेष यादव, किरनापुर वन विभाग प्रभारी इन्द्रपाल सिंह चौहान सहित वन सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे।

योग के महासंग्राम में इंदौर का डंका, चैम्पियन बनकर ले गया बाजी

राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन, चारों विधाओं में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को राज्यस्तरीय टीम में मिलेगा मौका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर में तीन दिनों तक चले योग के महासंग्राम में इंदौर संभाग ने अपना दबदबा कायम करते हुए चैम्पियन का खिताब अपने नाम कर लिया। प्रदेश के 10 संभागों से पहुंचे 350 से अधिक खिलाड़ियों ने योग की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा, लचीलापन, संतुलन और शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। सोमवार को विभिन्न योग विधाओं की प्रस्तुतियों के साथ 3 दिवसीय राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन एवं योग आयोग के अध्यक्ष तपेश असाटी ने विजेता खिलाड़ियों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।बताया गया कि प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों को राज्यस्तरीय टीम में चयन का अवसर मिलेगा।ऐसे में यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए केवल पदक जीतने का मंच नहीं, बल्कि राज्यस्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर भी साबित हुई।

10 संभागों के खिलाड़ियों के बीच दिखा कड़ा मुकाबला

बालाघाट को तीन साल बाद राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला। प्रतियोगिता में भोपाल, रीवा, जबलपुर, इंदौर, नर्मदापुरम, सागर, शहडोल, ग्वालियर, उज्जैन और जनजातीय स्कूल संभाग के करीब 350 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं के बीच ट्रेडिशनल, आर्टिस्टिक, आर्टिस्टिक पेयर और रिदमिक पेयर विधाओं में मुकाबले आयोजित किए गए। हर विधा में खिलाड़ियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए पदकों के लिए जोरदार प्रतिस्पर्धा की।पूरे आयोजन में इंदौर संभाग के खिलाड़ियों का प्रदर्शन सबसे प्रभावशाली रहा, जबकि जबलपुर और उज्जैन संभाग के खिलाड़ियों ने भी कई वर्गों में स्वर्ण पदक हासिल किए।

बालक वर्ग में इन खिलाडियों ने जीते गोल्ड

ट्रेडिशनल योग के 14 वर्ष बालक वर्ग में इंदौर के प्रिंस डोलिया, 17 वर्ष में जबलपुर के शिवा पटेल और 19 वर्ष में जबलपुर के आकाश महोबे ने स्वर्ण पदक हासिल किया। आर्टिस्टिक विधा में 14 वर्ष वर्ग में इंदौर के स्वयं सिंह बघेल, 17 वर्ष में जबलपुर के प्रीत हांडा और 19 वर्ष में इंदौर के राज रजोले ने गोल्ड मेडल जीता।आर्टिस्टिक पेयर में 14 वर्ष वर्ग में उज्जैन के पृथ्वीराज एवं कृष्णा, 17 वर्ष में जबलपुर के प्रीत हांडा एवं सिद्धेश और 19 वर्ष में जबलपुर के आकाश एवं प्रेम ने बाजी मारी। वहीं रिदमिक पेयर में 14 वर्ष वर्ग में ग्वालियर के हर्षवर्धन एवं कृतार्थ जाट, 17 वर्ष में जबलपुर के हर्ष सिंह एवं शिवा पटेल और 19 वर्ष में उज्जैन के स्वास्तिक राठौर एवं मानव राठौर ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बालिका वर्ग में भी इंदौर और जबलपुर का जलवा

बालिका वर्ग की ट्रेडिशनल एकल स्पर्धा में 14 वर्ष में इंदौर की कनिष्का, 17 वर्ष में जबलपुर की तृप्ति और 19 वर्ष में रीवा की कृपा मिश्रा ने गोल्ड मेडल हासिल किया। आर्टिस्टिक एकल में 14 वर्ष वर्ग में जबलपुर की आरुषी, 17 वर्ष में इंदौर की दीपिका और 19 वर्ष में इंदौर की पल्लवी शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता।आर्टिस्टिक पेयर में 14 वर्ष वर्ग में इंदौर की श्रेया त्रिपाठी एवं उन्नति, 17 वर्ष में अवनी एवं पर्णिका और 19 वर्ष में पल्लवी शर्मा एवं अंजली साय ने पहला स्थान हासिल किया। रिदमिक पेयर में 14 वर्ष वर्ग में इंदौर की तनवी कशेरा एवं तानसी कशेरा, 17 वर्ष में दीपिका साई एवं पर्णिका दीक्षित और 19 वर्ष में अंजली साई एवं रैनी धारीवाल ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

मेडल के साथ खिलाड़ियों को मिला आगे बढ़ने का मंच

समापन समारोह में विजेता खिलाडियों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता ने प्रदेश के उभरते योग खिलाडियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया। स्वर्ण पदक विजेताओं के राज्यस्तरीय टीम में चयन की उम्मीद के साथ आयोजन का समापन हुआ। बालाघाट में आयोजित इस प्रतियोगिता ने योग खेल को प्रोत्साहित करने के साथ ही खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा और खेल भावना को भी मजबूती दी।

गोल्ड जीतते वालो को राज्यस्तरीय टीम में चयन का मिलेगा अवसर-गोवस्वामी

जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी ने बताया कि प्रतियोगिता में इंदौर संभाग चैम्पियन रहा। इंदौर के खिलाड़ियों ने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों को राज्यस्तरीय टीम में चयन का अवसर मिलेगा।

आस-पास की खबरें

पांढरवानी में भक्तिभाव और उत्साह के साथ मनाई गई शरद पूर्णिमा

अमृत वर्षा के बीच रात 12 बजे हुआ महाप्रसाद (खीर) का वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पांढरवानी के प्राचीन दुर्गा मंदिर परिसर में 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा का पर्व अत्यंत श्रध्दा, उल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर

परिसर में श्रध्दालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा गांव भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। वहीं शरद पूर्णिमा के इस विशेष पर्व पर ग्राम की महिला मंडल द्वारा विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिलाओं ने एक से बढ़कर एक पारंपरिक और मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा दुर्गा मंदिर परिसर भक्तिरस से सराबोर हो उठा। उपस्थित ग्रामीणों ने भी भजनों का भरपूर आनंद लिया और वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया। वहीं हिन्दु धर्म में मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होकर आकाश से अमृत वर्षा करता है। इसी धार्मिक मान्यता के तहत रात ठीक 12 बजे जब आसमान से चांदनी छिटक रही थी, तब विशेष रूप से तैयार की गई पारंपरिक खीर का भोग भगवान को लगाया गया। जिसके पश्चात उपस्थित सभी श्रध्दालुओं में प्रसाद के रूप में खीर का वितरण किया गया। ऐसी मान्यता है कि इस रात्रि में रखी गई खीर औषधीय गुणों से भरपूर होती है और कई रोगों का नाश करती है, इसलिए ग्रामीणों ने इसे बड़े ही भाव के साथ ग्रहण किया। साथ ही यह आयोजन ने आपसी प्रेम, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति और ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा।

पनबिहरी से साल्हे ला.-चिचगांव मार्ग पर हादसे को न्योता दे रही सर्राटी नदी की कटाव

स्टेडियम के पास बह चुका है सड़क का किनारा, शासन-प्रशासन बेखबर, बड़ी दुर्घटना की आशंका, जिम्मेदार मौन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

पनबिहरी से साल्हे ला.-चिचगांव पहुंच मार्ग स्थित खेल स्टेडियम के समीप सर्राटी नदी के किनारे हुआ भू-कटाव अब एक गंभीर खतरे का रूप ले चुका है। पिछले वर्ष सर्राटी नदी में बाढ़ आने एवं पानी के तेज बहाव के चलते सड़क का एक बड़ा हिस्सा बह गया था, जो देख-रेख और मरम्मत के अभाव में दिनों-दिन कटाव के साथ आगे बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में यह कटाव मुख्य सड़क के बेहद करीब पहुंच चुका है, जिससे हर समय किसी बड़े हादसे का अंदेशा बना हुआ है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि लंबे समय से मिट्टी कटाव को रोकने एवं क्षतिग्रस्त सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की जा रही है और पूर्व में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों ने भी निरीक्षण किया था, लेकिन अब तक धरातल पर कुछ भी काम नही हुआ है। जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। इस तरह से प्रशासन की उदासीनता के चलते सर्राटी नदी की मिट्टी कटाव एवं सड़क का आधा हिस्सा कट जाने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने प्रशासन से सड़क का मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवॉल का निर्माण, सड़क का मरम्मत कार्य एवं उक्त स्थान पर संकेतक बोर्ड लगाने की मांग की है।

प्रशासन की उदासीनता के चलते रोष व्याप्त

आपकों बता दे कि पनबिहरी से साल्हे ला.-चिचगांव पहुंच मार्ग खेल स्टेडियम के समीप सड़क के मोड़ाई में सर्राटी नदी किनारे से सड़क की नीचे की मिट्टी कटकर बह चुकी है और सड़क के आधे हिस्से तक पहुंच चुकी है। लेकिन अब तक उसका मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जबकि इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन, स्कूली बच्चें एवं राहगीर आवागमन करते है। साथ ही सोनेवानी वन्य अनुभव क्षेत्र का भ्रमण करने के लिए पर्यटक भी इसी मार्ग से आना-जाना करते है। लेकिन सड़क का कटाव होने एवं गहरा गड्ढा बन जाने के कारण हर समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। वहीं उक्त स्थान पर अंधा मोड़ाई है और वर्तमान में सड़क खराब हो जाने से दोनों ओर से आवागमन करने वाले लोग एक साइड से ही आना-जाना कर रहे है। अगर तेज गति से वाहन से गुजरते है और दुसरे साइड से आने वाले वाहन चालक दिखाई नही देने पर वे दुर्घटना का शिकार हो सकते है और नदी साइड में करीब 10 से 15 फीट गहरे गड्ढे में गिर सकते है। जिससे बड़ा हादसा घटित हो सकता है, जबकि इस मार्ग से स्थानीय जनप्रतिनिधि भी आवागमन करते है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जो समझ से परे लग रहा है। इस तरह से प्रशासन की उदासीनता रवैया के चलते सभी में रोष व्याप्त है।

वनांचल का मुख्य मार्ग, रात में अंधेरा, बढ़ाता है खतरा, शीघ्र मरम्मत की उठी मांग

राहगीर एवं ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की यह समस्या पिछले वर्ष से लगातार बनी हुई है। इस संबंध में कई बार जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाया गया तथा समाचार पत्रों के माध्यम से भी शासन-प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट करने का प्रयास किया गया। इसके बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारियों की नींद नहीं खुली है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। आगे बताया कि यह मार्ग क्षेत्र के आधा दर्जन वनांचल ग्रामों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण, स्कूली बच्चें और राहगीर आवागमन करते हैं। इस मार्ग पर रात के समय प्रकाश (स्ट्रीट लाइट) की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण स्थिति और भी भयावह हो जाती है। अंधेरे में सर्राटी नदी किनारे से जो सड़क का कटाव हुआ है वह दिखाई न देने से दुपहिया और चौपहिया वाहनों के नदी में गिरने का खतरा बना रहता है और पूर्व में दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। लेकिन जिम्मेदार इस समस्या को दुर करने का कोई प्रयास नही कर रहे है। वहीं आगामी समय में मंडई-मेले का आयोजन होना है एवं सोनेवानी वन्य अनुभव क्षेत्र में वन्यप्राणियों के दीदार के लिए पर्यटक भी आवागमन करेगें। इस दौरान इस मार्ग से आवागमन अधिक होने लगेगी। यदि समय रहते कटाव स्थल की मरम्मत और मजबूतीकरण का कार्य नहीं करवाया गया, बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए शासन-प्रशासन तथा संबंधित विभाग से मांग है कि सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत बैरिकेडिंग की जाये और सड़क के किनारे का स्थाई मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू करवाये, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

देवी जागरण का हुआ आयोजन, सुचित्रा भगवाधारी के भजनों पर झूमा जनसैलाब

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता के प्रतीक बन चुके 13 दिवसीय माँ सरस्वती महोत्सव का समापन हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ 27 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न होगा। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित इन धार्मिक अनुष्ठानों ने पूरे लालबर्रा क्षेत्र को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में लालबर्रा सहित दूर-दराज से पधारे हजारों श्रध्दालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं शरद पूर्णिमा के अवसर पर रात 10 बजे से विशाल देवी जागरण का आगाज हुआ। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के मुख्य आतिथ्य एवं समाजसेवी व संरक्षक कैलाश अग्रवाल के विशेष आतिथ्य एवं अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'चलित कर माल्यार्पण किया, जिसके बाद देवी जागरण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रसिध्द भजन गायिका सुचित्रा भगवाधारी ने मंच संभालते हुए एक से बढ़कर एक पारंपरिक और आधुनिक देवी गीतों की प्रस्तुतियां दीं। उनके सुमधुर भजनों और एक से बढ़कर एक मनमोहक झाँकियों ने उपस्थित हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों की ताल पर युवा और बुजुर्ग सभी झूम उठे। वहीं पंडाल में मौजूद जनसैलाब की उपस्थिति यह बयां कर रही थी कि माँ सरस्वती के प्रति क्षेत्रवासियों में कितनी गहरी आस्था है। आपकों बता दे कि गत 15 अक्टूबर से शुरू हुए इस 13 दिवसीय भव्य महोत्सव का समापन 27 अक्टूबर को माँ वीणा वादिनी की प्रतिमा विसर्जन के साथ होगा। माँ सरस्वती महोत्सव समिति के इन सेवाभावी और सांस्कृतिक प्रयासों ने लालबर्रा क्षेत्र में एक नई अलख जगाई है, जिसकी सराहना पूरे जिले में हो रही है। इस सफल आयोजन ने यह साबित कर दिया है कि धार्मिक आस्था के साथ जब सामाजिक उत्तरदायित्व जुड़ जाते हैं, तो समाज में सकारात्मक बदलाव अवश्य आता है।

माँ सरस्वती महोत्सव समिति के उद्देश्य -

1. सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन एवं प्रोत्साहन देना!
2. नि:शुल्क रोग निदान शिविरों का आयोजन करना!
3. छात्र हित मे स्वास्थ्य लाभ हेतु खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करना!
4. राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता बनाये रखने हेतु प्रचार प्रसार करना एवं विचार गोष्टियों का आयोजन करना!
5. परम्पगरात त्यौहारो एवं कला प्रदर्शनीय व महोत्सव का आयोजन करना!
6. समग्र स्वच्छता अभियान हेतु प्रचार प्रसार करना!
7. वृक्षारोपण करना, वानिकी संरक्षण के संबध में आम जनता को चेतना पहुंचना!
8. साक्षरता अभियान के अंतर्गत आम लोगो को शिक्षित करना!

25 वर्षों का इंतजार खत्म, गारापुरी पंचायत में जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे ने दी स्ट्रीट लाइट की सौगात

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गारापुरी में लगभग 25 वर्षों से स्ट्रीट लाइट की मांग लंबित थी। प्रकाश व्यवस्था के अभाव में रात्रि के समय गली-मोहल्लों में अंधेरा छाया रहता था, जिससे ग्रामीणों को आवागमन और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का अब आखिरकार समाधान हो गया है। ग्राम पंचायत गारापुरी के सरपंच रविन्द्र मानकर द्वारा जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे से ग्राम में विद्युत पोल लगवाने और स्ट्रीट लाइट उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। सरपंच और ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से लेते हुए जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे ने अपनी निधि से गारापुरी पंचायत को स्ट्रीट लाइट की सौगात दी है। इसके तहत गारापुरी और खुरसोड़ी दोनों ग्रामों में नये विद्युत पोल लगाने के साथ ही स्ट्रीट लाइट स्थापित की गई हैं।

शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर हुआ शुभारंभ

रविवार की शाम शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के मुख्य आतिथ्य एवं कर कमलों द्वारा स्ट्रीट लाइट का औपचारिक शुभारंभ किया गया। स्विच ऑन होते ही पूरा गांव दूधिया रोशनी से जगमगा उठा, जिसे देखकर ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। वही लंबे समय से लंबित पड़ी मांग के पूरी होने पर ग्राम पंचायत गारापुरी के सरपंच रविन्द्र मानकर सहित समस्त ग्रामीणजनों ने जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे का ह्रदय से आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने जिला पंचायत सभापति श्री ठाकरे से उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी इसी प्रकार ग्रामीण विकास के कार्यों में उनका निरंतर सहयोग मिलता रहेगा। चर्चा में जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे ने बताया कि गारापुरी पंचायत में स्ट्रीट लाइट नही होने से ग्रामीणजनों को रात्रि के समय अंधेरा रहने पर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और उनके द्वारा लंबे समय से शासन-प्रशासन से स्ट्रीट लाइट एवं खंबे लगाने की मांग की जा रही थी। इसी मांग को लेकर मुझे भी अवगत करवाया गया था, जिस समय उन्हे मैंने आश्वस्त किया था कि आपकी मांगे प्रमुखता से पुरी की जायेगी। श्री ठाकरे ने बताया कि जिला पंचायत की निधि से गारापुरी एवं खुरखोड़ी दोनों ग्रामों में विद्युत पोल एवं स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य किया गया है, जिसका कार्य पूर्ण होने के बाद शरद पुर्णिमा के पावन अवसर पर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर स्विच ऑन कर स्ट्रीट लाइट का शुभारंभ किया गया है, जिसके साथ ही ग्रामीणों की लंबित मांगे पूरी हो चुकी है। आगे बताया कि शाम के बाद स्ट्रीट लाइट (प्रकाश की व्यवस्था) हो जाने पर अब उन्हे रात्रि के समय अंधेरा का सामना नही करना पड़ेगा और इस सौगात से ग्रामीणजन खासा उत्साहित है। इसी तरह अन्य पंचायतों में भी विकास कार्य किये जायेगें। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, जनपद सदस्य इंद्रकला रहांगडाले, सरपंच रविन्द्र मानकर, सचिव लकेश खरे सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जाम समिति संयोजक राजेश नगपुरे के निधन से शोक व्याप्त, इस वर्ष नही होगा विशाल रामचरित मानस सम्मेलन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत जाम में पिछले दो दशकों से चली आ रही एक अत्यंत महत्वपूर्ण और भव्य धार्मिक परंपरा पर इस वर्ष विराम लग गया है। ग्राम में हर वर्ष धनतेरस के पावन अवसर पर आयोजित होने वाला विशाल रामचरित मानस सम्मेलन इस बार अपरिहार्य कारणों और गहरी शोक संवेदनाओं के चलते स्थगित कर दिया गया है। कार्यक्रम के मुख्य स्तंभ, रामचरित मानस सम्मेलन के समर्पित संयोजक एवं मंच संचालक स्व. राजेश नगपुरे का गत 22 अक्टूबर को अचानक आकस्मिक निधन हो गया है। इस अचानक हुई दु:खद घटना से न केवल उनके परिजनों पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा है, बल्कि पूरा ग्राम जाम और आसपास का क्षेत्र शोक में डूबा हुआ है। श्री नगपुरे लंबे समय से इस धार्मिक आयोजन को अपनी निष्ठा, ऊर्जा और कुशल मंच संचालन के माध्यम से सफल बनाते आ रहे थे। जिससे उनका जाना क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत दिवस विशाल रामचरित मानस सम्मेलन के आयोजन समिति और ग्रामवासियों की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि ऐसे आहत और शोकपूर्ण माहौल में इस वर्ष उत्सव या सम्मेलन का आयोजन करना संभव नहीं है। इसलिए आगामी 6 नवंबर को धनतेरस के पावन अवसर पर आयोजित होने वाला यह विशाल रामचरित मानस सम्मेलन कार्यक्रम इस वर्ष स्थगित रहेगा। यानि की इस वर्ष नही होगा जाम में विशाल रामचरित मानस सम्मेलन कार्यक्रम। आगे बताया कि समिति द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि इस धार्मिक अनुष्ठान की परंपरा को खंडित नहीं होने दिया जायेगा, आगामी वर्ष में ठीक इसी निर्धारित समय धनतेरस के पावन पर्व पर पूरे हर्षोल्लास और भव्यता के साथ रामचरित मानस सम्मेलन का आयोजन पुन: पूर्ववत किया जायेगा। वहीं दु:खद घड़ी में ग्रामवासियों को ढांढस बंधाते हुए और कार्यक्रम के स्थगन की आधिकारिक सूचना जारी करते हुए अध्यक्ष नंदकिशोर चुरहे, सचिव योगेश लिल्हारे सहित आयोजन समिति ने अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है।

हिन्दी फिल्म गायक विनोद राठौर ,चांदनी मुखर्जी सारेगामापा स्टार अब्दुल शेख ने दी शानदार प्रस्तुति

मैगा बॉलीवुड नाइट के साथ लक्की कुपन ड्रा संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिले में भव्य पण्डाल साज सज्जा के साथ होने वाले कार्यक्रमों को लेकर ख्याति प्राप्त कर चुकी नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब वारासिवनी के द्वारा शरद पूर्णिमा महोत्सव पर लक्की कूपन ड्रा खोला गया। यह कार्यक्रम नगर के वीरांगना रानी अवंतीबाई स्टेडियम में २६ अक्टूबर को मैगा बॉलीवुड नाईट के आयोजन के साथ किया गया। यह कार्यक्रम विधायक विवेक पटेल ,बालाघाट रेंज पुलिस महानिरीक्षक ललित शाक्यवार ,पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिर्रा ,समाज सेवी राजेश पाठक ,नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजयसिंह कछवाहा ,कन्हैया पात्रे अजय मिश्रा सहित अन्य अतिथियों के आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें हिंदी फिल्म गायक एवं सारेगामापा कलाकार सहित अन्य कलाकारों ने संगीत की एक से बढकर एक प्रस्तुती दी। उक्त कार्यक्रम के बीच में पूरी पारदर्शिता के साथ लक्की कूपन ड्रा खोला गया। इस दौरान उपस्थित जनता काफी उत्साहित नजर आई यह क्रम बहुत देर रात्रि तक चलता रहा। जिसके बाद हिन्दी फिल्म के गायक विनोद राठौर ,चांदनी मुखर्जी ,सारेगामापा स्टार अब्दुल शेख के द्वारा एक से बढकर एक नए पुराने गीतों की प्रस्तुति दी गई। जिस पर उपस्थित दर्शक झुम उठे और उक्त कार्यक्रम देर रात्रि तक चला जिसका लोगों ने जमकर लुत्त भी उठाये कार्यक्रम की जमकर सराहना की गई।

विनोद राठौर की एंट्री ने लोगो को उत्साहित किया

नवदुर्गा उत्सव समिति लकी कूपन ड्रॉ कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा के गायक विनोद राठौर का आगमन हुआ। जिनके द्वारा अपनी हिंदी फिल्म सहित अन्य पुराने गायको के गीत के माध्यम से लोगों का मनोरंजन किया गया। तो वहीं उनकी एंट्री ने लोगों को उत्साहित कर दिया इस दौरान वह सीधे स्टेज में नहीं आए। गाड़ी से वह बीच पब्लिक में आया और वहां से पैदल स्टेज तक पहुंचे इसके बाद मोटरसाइकिल से एंट्री कर स्टेज के पास भ्रमण कर लोगों के पास तक पहुंचे। इसके बाद खलनायक फिल्म के आईकॉनिक गीत नायक नहीं खलनायक हूं मैं ,जुल्मी बड़ा दुखदायक हूं मैं ,से अपनी फिल्म के गीतों की प्रस्तुति देना प्रारंभ किया। जिले में हिन्दी फिल्म गायक विनोद राठौर का यह पहला आगमन वारासिवनी में था जहां हर कोई उन्हें देखने के लिए उत्साहित नजर आया और उनकी एंट्री से एग्जिट तक लोगों में दुगना उत्साह देखने को मिला।

गायको ने बांधा समा दी शानदार प्रस्तुति

नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा लकी कूपन ड्रा में इस वर्ष हिंदी फिल्म गायक विनोद राठौड़ ,चांदनी मुखर्जी एवं सारेगामापा स्टार अब्दुल शेख को बुलाया गया। जिनके द्वारा लगातार नए पुराने अनेकों गानों की प्रस्तुति दी गई। जिसका दर्शक दीर्घा में उपस्थित हजारों दर्शकों के द्वारा जमकर आनंद लिया गया। तो वहीं अपने स्थान पर नृत्य भी किया जाता रहा।

इन अंको पर माता की बरसी कृपा

नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब बस स्टैंड के लकी कूपन ड्रॉ समस्त प्रदर्शित का ध्यान रखते हुए खोला गया। जिसमें जनप्रतिनिधियों कलाकारों एवं बालक बालिकाओं के द्वारा लकी कूपन ड्रॉ के विभिन्न इनाम के लिए नंबर निकल गए। जिसमें प्रथम पुरस्कार हीरो एक्सट्रीम १२५ सीसी मोटरसाइकिल के लिए ६८३४८ ,दूसरा पुरस्कार न्यू हीरो डेस्टिनी ११० सीसी के लिए ३८३७८,तीसरा पुरस्कार हायर फ्रिज १८० लीटर के लिए ५७९७८ ,चौथे पुरस्कार एलइडी टीवी के लिए ३८६५८ ,पांचवा पुरस्कार वाशिंग मशीन के लिए १२२९३ एवं सांत्वना पुरस्कार के लिए अंतिम के तीन अंक ६५९ के नंबर वाले कूपन खरीदने वाले भाग्यशाली भक्तों पर माता ने कृपा बरसायी।

माता रानी के आशीर्वाद से जबलपुर संभाग और महाराष्ट्र के कई जिलों में चर्चा का विषय बना रहता है-राजेश पाठक

समाजसेवी राजेश पाठक ने कहा कि माता रानी के आशीर्वाद से यह कार्यक्रम बालाघाट जिला ही नहीं जबलपुर संभाग और महाराष्ट्र के कई जिलों में चर्चा का विषय बना रहता है। हर वर्ष इसे ऊंचा उठाने का प्रयास किया जाता है ३८ वर्ष पूर्व यह परंपरा प्रारंभ हुई थी। दुर्गा मंदिर में पंचमी की पूजा का संकल्प लिया गया था जो निरंतर जारी है और उसी के तहत २३ वर्षों से नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा और उनकी टीम मिलकर यह उत्सव मना रही है। यह एक अच्छा कार्यक्रम होता है हमारे संरक्षक कन्हैयालाल पात्रे ,पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल और पूरे नवरात्र के समय ९ दिन गरबा आयोजित होता है, जिसमें हमारी बहू श्रीमती स्मिता जायसवाल की मेहनत रहती है। कुल मिलाकर यह जो नवदुर्गा उत्सव परिवार है यह लगातार पिछले २३ वर्षों से माता रानी की सेवा में लगा हुआ है और शहर को कुछ नया देने का प्रयास किया जा रहा है।

इस आयोजन की परंपरा है कि यहां पर मुंबई के कलाकार उपस्थित होते है-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हमारे वारासिवनी में शानदार नवरात्र पर्व और दशहरा पर्व मनाया गया। नवदुर्गा उत्सव समिति ने अपनी परंपरा के अनुरूप शरद महोत्सव का आयोजन किया और इसकी परंपरा है कि यहां पर मुंबई के कलाकार उपस्थित होते हैं। वह इस बार भी आये हैं यह उत्सव क्षेत्र वासियों के लिए होता है और कहा जाता है कि आज अमृत बरसता है तो वह अमृत आज हमारे क्षेत्र में बरसे सभी स्वस्थ रहे दीर्घायु हो और ऐसे ही निरंतर यह दुर्गा उत्सव की परंपरा चलती रहे।

सभी के सहयोग से इस वर्ष के नवरात्र में हमने इतिहास बनाया-संजय सिंह कछवाहा

नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने कहा कि आप सभी लोगों को बधाई कि आपका सहयोग से इस वर्ष के नवरात्र में हमने इतिहास बनाया। अच्छा नवरात्र रहा इसका समापन शरद पूर्णिमा को होता है ,नवदुर्गा उत्सव समिति के सभी सहयोगियों का आभार और आशा है कि भविष्य में ऐसा ही सहयोग बनाए रखेंगे। हमारा प्रयास रहता है शहर को एक अच्छा कार्यक्रम दिया जा सके उस प्रयास में आपके सहयोग के लिए हम आभारी है और यह जो आपका उत्साह है, वह हमें आगे और अच्छा कार्यक्रम तैयार करने के लिए प्रेरित करता है। इस पूरे नवरात्र में हमें भरपूर सहयोग देने वाले सभी शासकीय विभाग पुलिस, नगर पालिका ,विद्युत ,पीएचई ,पीडब्लूडी ,दानदाता एवं सभी नगरवासी के हम आभारी है।

ग्राम भेंडारा , घोटी में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुये आयोजित

एक वोट की ताकत से हम क्षेत्र की हर समस्या विधानसभा में रखते है- विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। लोकतंत्र में सबसे बड़ी जनता है और मैं क्षेत्र की जनता को भगवान स्वरूप मानता हूं। आप लोगों की ताकत ने मुझे आशीर्वाद देकर विधानसभा तक पहुंचाया है। अब मेरी जवाबदेही है कि अंतिम सांस तक पूरी कर्त्तव्यपरायणता के साथ आपके द्वारा बताए गए कार्य को पूरा करूं। मैं विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव गांव पहुँचकर आमजन की समस्याओं को सुन रहा हुं और कुछ समस्याओं का तत्काल समाधान भी कर रहा हुं। मुझसे मिलने के लिए आपको कोई रोकने वाला नहीं है आप मुझसे सीधे आकर मिल सकते हो। आपका जो भी काम होए मुझे बता सकते है। ताकि मैं आपके द्वारा बताए गए कार्य को पूरा करूं। यह उद्बोधन क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल ने ग्राम पंचायत भेंड़ारा,घोटी और सालेटेका में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से कही। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत, राजकुमार चौधरी, संदेश बिसेन, संगम नगपुरे, सूरज नगपुरे, टीकाराम सूलाखे, अरविंद बंसोड़,टिकेंद्र पटले, ईश्वरी दामनकर, कोमल भाऊ लिल्हारे, महेंद्र बिसेन, संजू भगत मौजूद रहे।

फिल्मी गायक विनोद राठौड़ की प्रेसवार्ता आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ५ रेलवे स्टेशन रोड़ स्थित नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब के अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा के निवास पर प्रसिद्ध बॉलीवुड पार्श्व गायक विनोद राठौड़ की एक विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा, गायक विनोद राठौड़ और चांदनी मुखर्जी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रेसवार्ता की शुरुआत में हिंदी फिल्म जगत के जाने माने गायक विनोद राठौड़ ने आयोजन के लिए अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे नई जगहों पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहते हैं और जनता के लिए गीत गाते हैं।

संगीत यात्रा और अपने अनुभव साझा किए

विनोद राठौड़ ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्होंने बचपन से ही गायकी शुरू कर दी थी। उनके पिता भी गायक थे और उनका संबंध आदित्य घराने से है। वे हर दिन नियमित रूप से रियाज करते हैं। संगीत के बदलते स्वरूप पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आज कई प्रकार का म्यूजिक आ गया है, लेकिन मूल रूप से संगीत सात सुरों में ही बंधा रहता है। हालांकि गाने का तरीका बदला है और लोगों के टेस्ट भी अलग अलग हैं लेकिन वे हर तरह के संगीत के साथ सहज रहे हैं। गायन के क्षेत्र में सफलता के समीकरण को समझाते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी गाने में ७० प्रतिशत योगदान म्यूजिक कंपोजर, लेखक और गायक का होता है । जबकि बाकी १०-१० प्रतिशत सभी के अपने प्रयास होते हैं। अपने करियर के शुरुआती सफर के बारे में उन्होंने बताया कि उनकी शुरुआत फिल्म बेदाग से हुई थी। जिसमें उन्हें मोहम्मद अजीज के साथ कव्वाली गाने का अवसर मिला था और इसके बाद उन्हें फिल्म खिजय से बड़ा प्रोजेक्ट मिला।

युवाओं और नए कलाकारों को दी सलाह

गायन क्षेत्र में उतरने वाले नए युवाओं को संदेश देते हुए विनोद राठौड़ ने कहा कि जो भी इस क्षेत्र में आना चाहते हैं उन्हें रोजाना ४ घंटे रियाज करना चाहिए जिससे उनका गला साफ हो। उन्होंने कहा कि कलाकार अपनी मेहनत से खुद बनते हैं और जो लोग बिना संघर्ष के आसानी से आ जाते हैं वे उतनी ही जल्दी साइडलाइन भी हो जाते हैं। गायकी में टिके रहने के लिए समय निकालना और कड़ा रियाज करना बेहद जरूरी है तभी सुर सही बैठते हैं और गाना निखरता है।

मौजूदा प्रोजेक्ट्स और आधुनिक संगीत पर रखे विचार

वर्तमान में अपने कार्यों के बारे में विनोद राठौड़ ने बताया कि वे अभी कुछ एल्बम कर रहे हैं और रवींद्र संगीत के साथ भी काम कर रहे हैं। फिल्म गायकी से थोड़ा दूर होकर अब वे दूसरे जोन में अपना काम कर रहे हैं। आज के डिस्को और रैप संगीत के बढ़ते चलन पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह सब शब्दों का खेल है लेकिन गीत सभी हैं इसलिए लोग इन्हें पसंद भी कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि गाना बजाना माता सरस्वती की पूजा है इसे हमेशा एक जिम्मेदारी के रूप में लेना चाहिए।

टाइगर श्रॉफ की घटना पर दी प्रतिक्रिया

हाल ही में अभिनेता टाइगर श्रॉफपर हुए हमले के संबंध में पूछे जाने पर विनोद राठौड़ ने कहा कि उन्हें इस घटना की सीधी जानकारी नहीं थी । उन्होंने इसे मीडिया में देखा जिसके बाद उन्होंने तुरंत जैकी दादा से फोन पर बात की थी। ऐसे हादसे कभी भी हो सकते हैं और इनसे कोई नहीं बच सकता। साथ ही उन्होंने अनूप जलोटा के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था कि सलमान खान को माफी मांग लेनी चाहिए।

वारासिवनी में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का पथ संचलन संपन्न

भगवा ध्वज के साथ कदमताल करते निकले स्वयंसेवक

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस एवं विजयादशमी के अवसर पर २६ अक्टूबर को नगर में पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। व्यवहार न्यायालय परिसर से प्रारंभ हुए इस पथ संचलन में संघ के स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में हाथों में दंड लेकर बैंड की धुन पर अनुशासित कदमताल करते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरे। इस दौरान नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पथ संचलन में शामिल नन्हे मुन्ने बालक विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता रितेश अग्रवाल सिवनी विभाग सेवा प्रमुख तथा मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आर्मी अधिकारी सुरेन्द्र बिसेन की उपस्थिति में हुआ। सर्वप्रथम भगवा ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात भारत माता, डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार एवं गुरुजी माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।इसके बाद संबोधन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्य वक्ता रितेश अग्रवाल ने देश की एकता एवं अखंडता, सामाजिक सद्भाव, भारतीय इतिहास और वर्तमान शिक्षा व्यवस्था जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। उन्होंने स्वयंसेवकों को देश, धर्म और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का बोध कराते हुए कहा कि सामाजिक जीवन में व्यक्ति का आचरण, व्यवहार और अनुशासन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समाज के प्रति समर्पण, आपसी सहयोग और राष्ट्रहित की भावना के साथ कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने स्वयंसेवकों को अपने दैनिक जीवन में अनुशासन, सेवा और संगठन के मूल्यों को अपनाने तथा समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों ने संबोधन को सुना जिसके बाद नगर में पथ संचलन निकाला गया।

प्रमुख मार्गों से गुजरा पथ संचलन

कार्यक्रम के अगले चरण में स्वयं सेवक चार चार की पंक्तियों में व्यवस्थित होकर पथ संचलन के लिए रवाना हुए। बैंड की धुन पर एकरूपता और अनुशासन के साथ कदमताल करते स्वयंसेवकों का संचलन व्यवहार न्यायालय परिसर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग पहुंचा। यहां से बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक, नेहरू चौक और आंबेडकर चौक सहित नगर के विभिन्न प्रमुख चौक,चौराहों एवं गलियों से होते हुए पुन: व्यवहार न्यायालय परिसर पहुंचा जहां कार्यक्रम का समापन किया गया। पथ संचलन के दौरान मार्ग में जगह जगह लोगों ने स्वयंसेवकों का स्वागत किया। अनेक स्थानों पर नागरिक अपने घरों के सामने एकत्रित हुए और पुष्पों की पंखुड़ियां बरसाकर संचलन के प्रति सम्मान प्रकट किया। नगर के प्रमुख मार्गों पर पथ संचलन को देखने के लिए लोगों की मौजूदगी रही। अनुशासित पंक्तियों में आगे बढ़ते स्वयंसेवकों और बैंड की धुन ने पूरे आयोजन को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया।

नन्हे स्वयंसेवकों ने खींचा लोगों का ध्यान

पथ संचलन में शामिल नन्हे मुन्ने बालकों ने विशेष रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। संघ की वेशभूषा धारण किए ये बाल स्वयंसेवक अपने छोटे छोटे हाथों में दंड लेकर बड़े स्वयंसेवकों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते नजर आए। उनकी अनुशासित कदमताल को देखने के लिए सड़क किनारे लोग खड़े रहे। बाल स्वयंसेवकों की सहभागिता ने आयोजन में विशेष आकर्षण जोड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस एवं विजयादशमी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से नगर में संगठनात्मक एकजुटता, अनुशासन और सामाजिक सहभागिता का दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी,सदस्य तथा नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

च्शीतला माता मंदिर में मनाया गया शरद पूर्णिमा पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर व क्षेत्र में अमृत महोत्सव शरद पूर्णिमा पर्व 25 अक्टूबर को रात्रि में आस्था पूर्वक मनाया गया। नगर के मां शीतला माता मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। रात्रि में मंदिर के सामने सिंघाड़ा एवं मैवा मिष्ठान मिलाकर खीर बनाई

गई एवं देर रात्रि तक खुले आसमान के नीचे रखी गई। इस दौरान मां शीतला भजन मंडली द्वारा शरदोत्सव के भजन गीत गाकर रात्रि करीब 12.30 बजे आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष अनिल पप्पू पशीने, नंदकिशोर कामरी, राजेश कामरी, राजेंद्र कामरी, सुखराम पंडा, सुरेन्द्र बढ़घैया, मेहतर कुचलाहे, कौडुलाल कुचलाहे, चैतराम बढ़मे, सुनील नरताम, विजय मोहारे एवं वार्ड वासियों का सहयोग रहा।

यूरोपीय देशों में हिंसक आंदोलन के पीछे कौन है?

इन दिनों फ्रांस में चल रहा आंदोलन हालांकि मूल रूप से महंगाई और खराब सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ उपजा जन-आक्रोश से शुरू हुआ , जिसे उग्र वामपंथी तत्वों, सोशल मीडिया के जरिए दुष्प्रचार फैलाने वाली विदेशी ताकतों और आगामी चुनावों को देखते हुए राजनीतिक दलों ने अपने-अपने एजेंडे के लिए भुनाना शुरू कर दिया है।यह भी सामने आया है कि इन देशों में आसान आव्रजन नियमों का फायदा उठा घुस आए प्रवासी अराजकता का नंगा नाच कर रहे हैं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों इटली, स्पेन, बेल्जियम और अल्बानिया में भड़की व्यापक हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के पीछे यद्यपि किसी एक निश्चित वैश्विक साजिश के पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन इसमें सामाजिक-आर्थिक कारण, स्थानीय जनाक्रोश का कई राजनीतिक व बाहरी तत्वों द्वारा इस स्थिति का फायदा उठाना शामिल है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, यद्यपि यह दंगे किसी विदेशी ताकत ने शुरू नहीं करवाए हैं, लेकिन रूस समर्थित ऑनलाइन नेटवर्क और एआई टूल्स सोशल मीडिया जैसे टिकटॉक और अन्य प्लेटफॉर्म पर हिंसा और आगजनी के वीडियो को तेजी से वायरल कर रहे हैं। इसे एक तरह का हाइब्रिड वॉरफेयर कहा जा रहा है, जिसका मकसद यूरोपीय देशों में सामाजिक अस्थिरता और सरकारों के खिलाफ असंतोष को और ज्यादा भड़काना है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली व फ्रांस के दक्षिणपंथी नेताओं मरीन लेपेन और जॉर्जिया मेलोनी ने सीधे तौर पर इस हिंसा के लिए यूरोप की उदारवादी अप्रवासी नीतियों और खुली सीमाओं को जिम्मेदार ठहराया है। उनका दावा है कि बाहरी देशों से आए शरणार्थी और प्रवासी इन दंगों और लूटपाट में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, हालांकि स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह संकट मुख्य रूप से आंतरिक आर्थिक नीतियों की विफलता का नतीजा है। आपको बता दें कि 1789 की फ्रांसीसी क्रांति तथा 1830 और 1848 की क्रांतियों के बाद यूरोप के घटनाक्रम को करीब से देखने वाले ऑस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मेटरनिक का 19वीं शताब्दी का चर्चित बयान है कि जब फ्रांस को जुकाम होता है, तो पूरा यूरोप छींकने लगता है। जब फ्रांस में कोई क्रांति या गतिविधि शुरू होती है तो पूरे यूरोप में शुरू हो जाती है। ऐसा ही इस बार हुआ। फ्रांस में छात्रों का आंदोलन शुरू होते ही यूरोप के अन्य 6 देशों में छात्रों के आंदोलन शुरू हो गए हालांकि इनके कारण अलग-अलग हैं तथा हिंसक विरोध-प्रदर्शन स्पेन, इटली, सर्बिया और अल्बानिया में नहीं हुए। फ्रांस में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों से काफी नुकसान हुआ-लोगों को चोटें आईं, इमारतें जलाई गईं, दुकानों में लूटपाट हुई और कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। छात्रों का यह विरोध मुख्य रूप से देश में शिक्षकों की कमी और स्कूलों की जर्जर इमारतों को लेकर था, लेकिन फ्रांस की मैक्रों सरकार ने इन शिकायतों पर लगभग कोई ध्यान नहीं दिया। उल्लेखनीय है कि आज से 6-7 महीने पहले जब छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया था तब भी मुद्दे यही थे। अगले वर्ष फ्रांस में चुनाव आने वाले हैं और मैक्रों को लग रहा था कि वे इस बार भी चुनाव जीत जाएंगे इसलिए उन्होंने इस मुद्दे पर चुप रहना ही बेहतर समझा।परंतु दोबारा सरकार का ध्यान खींचने के लिए प्रदर्शन शुरू होने पर हालात ऐसे बने कि छात्रों के आंदोलन में विभिन्न गैंगों ने घुसपैठ कर ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद तब कहीं जाकर फ्रांस सरकार ने छात्रों की समस्याओं को सुनना शुरू किया।लेकिन, यह सब होने के बाद मैक्रों ने एक भाषण दिया और उसके तुरंत बाद सऊदी अरब चले गए। छात्रों को लगा कि मैक्रों तो हमारी मांगों को लेकर गंभीर ही नहीं हैं तथा बिना कोई समाधान निकाले ही विदेश यात्रा पर चले गए हैं।

राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय नशा माफियाओं की उल्टी गिनती शुरू?

वैश्विक स्तरपर भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध जारी लड़ाई ने 25 अक्टूबर 2026 को एक महत्वपूर्ण मोड़ लिया,जब केंद्रीय गृहमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों के गिरोह के खिलाफ ऑपरेशन ट्राइडेंट की जानकारी सार्वजनिक की।असम, मिजोरम और मणिपुर में 38 स्थानों पर एक साथ की गई कार्रवाई,18 लोगों की गिरफ्तारी और लगभग 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन का पता चलना इस अभियान के प्रमुख परिणामों में शामिल हैं। यह कार्रवाई केवल नशीले पदार्थों की बरामदगी तक सीमित नहीं थी,बल्कि इसके माध्यम से कथित तस्करी नेटवर्क के आर्थिक तंत्र पर भी प्रहार किया गया।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत सरकार का लक्ष्य 31 दिसंबर 2029 तक देश से नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक सफलता हासिल करना है।ऐसे में सवाल उठता है कि क्या केंद्र और राज्यों की एजेंसियों के बीच बढ़ता तालमेल, वित्तीय जांच और अंतरराष्ट्रीय सहयोग इस लक्ष्य को समय से पहले हासिल करने की दिशा में देश को आगे ले जा सकते हैं? इसका उत्तर आने वाले वर्षों की कार्रवाई, नशे की उपलब्धता में वास्तविक कमी और प्रभावित लोगों के पुनर्वास के परिणामोंसे मिलेगा।ऑपरेशन ट्राइडेंट- 38 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई, 18 गिरफ्तार हुए हैं। साथियों,सरकारी जानकारी के अनुसार, 23 अक्टूबर 2026 को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के नेतृत्व में असम, मिजोरम और मणिपुर में समन्वित कार्रवाई की गई।केंद्रीय एजेंसियों तथा संबंधित राज्यों की पुलिस ने संयुक्त प्रयासों के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय बताए गए एक नशीले पदार्थों के नेटवर्क को निशाना बनाया। 25 अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह ने इस अभियान की जानकारी देते हुए इसमें शामिल अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की सराहना की। इस अभियान में सामने आए प्रमुख आंकड़े इस प्रकार हैं- 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 1,424 बैंक खाते फ्रीज किए गए, लगभग 17.82 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त या अटैच की गईं, 12 लाख रुपये नकद बरामदहुए और 500 डेटोनेटर जब्त किए गए। अधिकारियों ने लगभग 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन से जुड़े वित्तीय सुराग मिलने की भी जानकारी दी। इन आंकड़ों को समझते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि संदिग्ध लेनदेन की पहचान, संपत्ति जब्ती और आपराधिक दोषसिद्धि अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाएं हैं। साथियों बात अगर हम भारत-म्यांमार-बांग्लादेश सीमा से जुड़ा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को समझने की करें तो इस मामले का अंतरराष्ट्रीय पहलू इसे और गंभीर बनाता है। गृह मंत्री के अनुसार, संबोधित नेटवर्क भारत, म्यांमार और बांग्लादेश की सीमाओं के पार सक्रिय था तथा कथित तौर पर 'डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर' के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी करता था। पूर्वोत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से जुड़े मार्गों के कारण यहां सीमा सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल का विशेष महत्व है। ऐसे मामलों में केवल खेप पकड़ लेना पर्याप्त नहीं होता। जांच एजेंसियों को यह भी पता लगाना पड़ता है कि तस्करी के पीछे कौन-से वित्तीय स्रोत, बिचौलिये, परिवहन नेटवर्क और धन के लेनदेन जुड़े हैं। यदि जांच के दौरान इन कड़ियों को प्रमाणों के आधार पर उजागर किया जाए, तो अवैध कारोबार को दोबारा खड़ा करना कठिन हो सकता है।यही कारण है कि आधुनिक नशा-नियंत्रण रणनीति में वित्तीय जांच और अंतरराज्यीय समन्वय की भूमिका बढ़ रही है।सिर्फ गिरफ्तारी नहीं,अवैध कमाई पर भी प्रहार नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि एक संगठित आर्थिक अपराध भी है। इसके पीछे होने वाली कमाई काइस्तेमाल नेटवर्क को चलाने, नए संपर्क बनाने और तस्करी की गतिविधियों को जारी रखने में किया जा सकता है। इसलिए लगभग 100 करोड़ रुपये के कथित हवाला लेनदेन की जांच और 1,424 बैंक खातों को फ्रीज किया जाना इस अभियान का महत्वपूर्ण पहलू है। हालांकि, हवाला लेनदेन का सामने आना अपने आप में यह सिद्ध नहीं करता कि हर संबंधित खाते या व्यक्ति ने अपराध किया है। जांच में प्रत्येक लेनदेन, संपत्ति और व्यक्ति की भूमिका का सत्यापन आवश्यक है। कानूनसम्मत कार्रवाई, ठोस साक्ष्य और निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया ही ऐसे अभियानों को स्थायी और विश्वसनीय सफलता में सटीकता से बदल सकती है। साथियों बात अगर हम देशव्यापी अभियान- केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल क्यों जरूरी? इसको समझने की करें तो, नशीले पदार्थों के नेटवर्क किसी एक जिले या राज्य तक सीमित नहीं रहते। एक स्थान पर तैयार या प्राप्त खेप दूसरे राज्य से होकर गुजर सकती है और उससे जुड़ा वित्तीय लेनदेन कहीं और संचालित हो सकता है। इसी कारण राज्यों की पुलिस, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय और अन्य संबोधित एजेंसियों के बीच सूचना साझा करना तथा संयुक्त जांच करना महत्वपूर्ण है।ऑपरेशन ट्राइडेंट इस समन्वित दृष्टिकोण का एक उदाहरण है। इसमें 38 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई और तीन राज्यों की पुलिस तथा केंद्रीय एजेंसियों ने मिलकर काम किया। यह कार्रवाई दिखाती है कि जब अलग-अलग क्षेत्रों से प्राप्त सूचनाओं को एक जांच के अंतर्गत जोड़ा जाता है, तो कथित नेटवर्क की व्यापक तस्वीर सामने लाने में मदद मिल सकती है।लेकिन किसी एक सफल अभियान को पूरे देश में नशे के कारोबार के समाप्त होने का प्रमाण नहीं माना जा सकता। देशव्यापी सफलता के लिए लगातार कार्रवाई, सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी,अदालतों में प्रभावी अभियोजन, वित्तीय अपराधों की जांच और स्थानीय स्तर पर नशे की मांग कम करने के प्रयास भी आवश्यक होंगे।पहले के अभियान और नशे के खिलाफ व्यापक रणनीति भारत में नशीले पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई किसी एक अभियान तक सटीकता से सीमित नहीं है। साथियों सरकार ने वर्ष 2026-2029 के लिए मादक पदार्थ नियंत्रण संबंधी एक दृष्टिपत्र भी प्रस्तुत किया है। इसमें खुफिया जानकारी और अभियान आधारित प्रवर्तन, नशीले पदार्थों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रसायनों तथा सिंथेटिक ड्रग्स पर नियंत्रण, नशे की मांग और उससे होने वाले नुकसान में कमी तथा संस्थागत क्षमता और समन्वय को महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है।ऑपरेशन ट्राइडेंट इस व्यापक रणनीति के अंतर्गत वित्तीय नेटवर्क और कथित अंतरराष्ट्रीय तस्करी की कड़ियों पर कार्रवाई का उदाहरण है। इसके अतिरिक्त, नशामुक्त भारत अभियान जनजागरूकता, समुदाय की भागीदारी और युवाओं तक संदेश पहुंचाने पर जोर देता है। अक्टूबर 2026 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार इस अभियान की पहुंच 35 करोड़ से अधिक लोगों तक बताई गई थी, जिनमें 13.94 करोड़ से अधिक युवा शामिल थे। इसलिए नशे के खिलाफ राष्ट्रीय लड़ाई को केवल छापेमारी और गिरफ्तारी के आंकड़ों से नहीं, बल्कि रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और नशे की उपलब्धता में आने वाले वास्तविक बदलावों से भी सटीकता से मापा जाना चाहिए। साथियों बात अगर हम नशामुक्त युवा- विकसित भारत @ 2047 की मजबूत नींव को समझने की करें तो भारत की युवा आबादी देश की सबसे महत्वपूर्ण मानवीय पूंजी है। जब युवा नशे की लत से प्रभावित होते हैं, तो उनकी शिक्षा, रोजगार, पारिवारिक संबंध और सामाजिक भागीदारी पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों, तनाव और उपचार संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके विपरीत, युवाओं को नशे से बचाने, प्रभावित लोगों को समय पर उपचार दिलाने और उन्हें शिक्षा तथा रोजगार से जोड़ने से समाज और अर्थव्यवस्था दोनों को लाभ मिल सकता है।इसी संदर्भ में नशामुक्त भारत का लक्ष्य विकसित भारत @ 2047 की परिकल्पना से जुड़ता है। यदि युवाओं को स्वस्थ जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसर मिलें,तो वे राष्ट्रनिर्माण में अधिक प्रभावी योगदान दे सकते हैं। नशे के अवैध कारोबार पर कार्रवाई और नशे की समस्या से प्रभावित लोगों को सहयोग देना इस व्यापक उद्देश्य के दो पूरक पक्ष हैं।यह उम्मीद करना स्वाभाविक है कि केंद्र और राज्यों की निरंतर कोशिशों से 2029 के लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति होगी। हालांकि, इस लक्ष्य को समय से पहले हासिल करने की संभावना का आकलन अभी करना जल्दबाजी होगी। इसके लिए लंबे समय तक लगातार और मापने योग्य परिणामों की आवश्यकता होगी। साथियों बात अगर हम उपभोक्ताओं और प्रभावित परिवारों के लिए क्या बदलेगा ? इसको समझने की करें तो नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई से नशीले पदार्थों की आपूर्ति और वितरण नेटवर्क पर दबाव पड़ सकता है। मगर नशे की समस्या से जूझ रहे प्रत्येक व्यक्ति को अपराधी के रूप में देखना इसका समाधान नहीं है। तस्करी और संगठित अवैध कारोबार पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई के साथ-साथ नशे की निर्भरता से प्रभावित लोगों के लिए परामर्श, उपचार और पुनर्वास की व्यवस्था भी जरूरी है।परिवारों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और स्वास्थ्य सेवाओं को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना चाहिए, जहां युवा नशे से दूर रहने के लिए जागरूक हों और समस्या सामने आने पर सहायता लेने में संकोच न करें। रोकथाम और उपचार को मजबूत किए बिना केवल आपूर्ति पर कार्रवाई से दीर्घकालीन परिणाम सीमित रह सकते हैं।31 दिसंबर 2029- लक्ष्य बड़ा, जिम्मेदारी सामूहिक केंद्रीय गृहमंत्री ने नशीले पदार्थों के नेटवर्क को समाप्त करने के संकल्प को दोहराते हुए स्पष्ट किया है कि इस दिशा में कार्रवाई जारी रहेगी। ऑपरेशन ट्राइडेंट के आंकड़े बताते हैं कि सरकार की रणनीति में अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के साथ-साथ उससे जुड़े वित्तीय तंत्र को निशाना बनाने पर भी जोर है।अब इस संकल्प को टिकाऊ सफलता में बदलने के लिए लगातार निगरानी,अंतरराष्ट्रीय सहयोग, राज्यों के बीच समन्वय, पारदर्शी जांच, प्रभावी न्यायिक प्रक्रिया और व्यापक जनभागीदारी आवश्यक होगी। साथ ही, नशे की रोकथाम, उपचार तथा पुनर्वास को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नशे के विरुद्ध निर्णायक अभियान,सुरक्षित भविष्य की उम्मीदऑपरेशन ट्राइडेंट ने 23 अक्टूबर 2026 की संयुक्त कार्रवाई के जरिए यह स्पष्ट संकेत दिया है कि अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ कई एजेंसियां एक साथ काम कर सकती हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत-चीन सीमा पर फिर बढ़ता तनाव राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती

-कांतिलाल मांडोत

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद एक बार फिर गंभीर चिंता का विषय बनता दिखाई दे रहा है। अरुणाचल प्रदेश में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने आने की खबरों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर की ओर से अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर टकराव की स्थिति बने रहने की पुष्टि इस मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। सीमा पर शांति और स्थिरता की उम्मीदों के बीच तनाव का दोबारा उभरना बताता है कि चीन के साथ संबंधों में विश्वास कायम करना अभी भी बड़ी चुनौती है। सितंबर में दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय बातचीत होने के बावजूद सीमा पर गतिरोध का बने रहना कई सवाल खड़े करता है। भारत और चीन एशिया की दो बड़ी शक्तियां हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े अनेक विषय हैं, लेकिन सीमा विवाद द्विपक्षीय संबंधों को बार-बार प्रभावित करता रहा है। चीन की विस्तारवादी नीतियों और सीमावर्ती क्षेत्रों में उसकी गतिविधियों को देखते हुए भारत के लिए सतर्क रहना आवश्यक है। किसी भी देश के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने का अर्थ यह नहीं हो सकता कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों की अनदेखी की जाए। मित्रता और सहयोग की संभावनाएं तभी मजबूत होती हैं, जब दोनों पक्ष एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें।

अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले में स्थित सीमावर्ती क्षेत्र तकसिंग में इस वर्ष जुलाई के अंतिम सप्ताह में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने आने की जानकारी सामने आई। इसके बाद अगस्त में चीनी सैनिकों की गतिविधियां बढ़ने और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तंबू लगाए जाने की खबरों ने चिंता बढ़ाई। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, कुछ तंबू वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगभग छह से सात किलोमीटर भीतर लगाए जाने की बात कही गई है। हालांकि, ऐसे दावों और वास्तविक स्थिति का आकलन आधिकारिक तथ्यों के आधार पर किया जाना चाहिए। सीमा पर तैनात जवानों की गतिविधियों, गश्त के अधिकारों और वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति को लेकर स्पष्टता राष्ट्रीय हित में आवश्यक है। भारतीय सेना ने सीमावर्ती चौकियों पर चीनी कब्जे के आरोपों को खारिज किया है। इसके बावजूद कुछ पारंपरिक गश्ती क्षेत्रों तक पहुंच बाधित होने की शिकायतें चिंता पैदा करती हैं। सीमा पर किसी चौकी का नियंत्रण सुरक्षित होना महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्धारित क्षेत्रों में नियमित गश्त सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर दोनों देशों की धारणाओं में अंतर लंबे समय से विवाद का कारण रहा है। ऐसी परिस्थितियों में यदि एक पक्ष अपनी गतिविधियों के माध्यम से दूसरे पक्ष की गश्त को प्रभावित करता है, तो अविश्वास और तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक ने पुराने हथियारों और सैन्य संसाधनों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता की ओर भी ध्यान दिलाया है। उनके अनुसार, सीमा सुरक्षा बल के पास कुछ हथियार लगभग पचास वर्ष पुराने हैं, जबकि चीन ने अपने सैन्य ढांचे और हथियारों के आधुनिकीकरण पर भारी निवेश किया है। यह स्थिति बताती है कि आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए केवल जवानों की बहादुरी पर्याप्त नहीं है। अत्याधुनिक हथियार, निगरानी प्रणाली, संचार सुविधाएं, सड़कें, पुल और दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के साधन भी उतने ही जरूरी हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करना भारत की सामरिक तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। भारत और चीन के बीच सीमा मामलों को लेकर सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी है। अगस्त में सीमा मामलों पर बैठक और बीजिंग में विशेष प्रतिनिधियों के बीच वार्ता के बाद सितंबर में पूर्वी सेक्टर में सैन्य कमांडर स्तर की बातचीत भी हुई। इसके बावजूद तनाव का बने रहना बताता है कि केवल बैठकें आयोजित करना पर्याप्त नहीं है। बातचीत का वास्तविक परिणाम तभी सामने आएगा, जब सीमा पर शांति स्थापित हो, गश्त से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकले और दोनों पक्ष निर्धारित व्यवस्थाओं का पालन करें। भारत को संवाद के रास्ते खुले रखने चाहिए, लेकिन किसी भी समझौते में राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं होना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी स्पष्ट किया है कि यदि चीनी सैनिक निर्धारित गश्ती व्यवस्था से हटते हैं, तो सीमा पर शांति प्रभावित होती है और इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है। वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर आपसी समझ बेहतर बनाना और गलतफहमियों को दूर करना दोनों देशों के हित में है। हालांकि, समझ और विश्वास तभी टिकाऊ हो सकते हैं, जब उनका आधार पारदर्शिता, पारस्परिक सम्मान और जमीनी स्तर पर जिम्मेदार व्यवहार हो। भारत को अपने कूटनीतिक प्रयासों के साथ सैन्य तैयारियों को भी समान महत्व देना होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री से सीमा की वास्तविक स्थिति देश और संसद के सामने स्पष्ट करने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी चीन के प्रति सरकार की पूर्ववर्ती नीति पर सवाल उठाए हैं। लोकतंत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार है। वहीं, ऐसे संवेदनशील विषय पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय तथ्यों और जिम्मेदार चर्चा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सीमा की स्थिति के बारे में देश को विश्वसनीय जानकारी मिलना आवश्यक है, ताकि जनता का भरोसा बना रहे और राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर अनावश्यक भ्रम न फैले।

लद्दाख में गलवान घाटी की घटना और डोकलाम में हुआ गतिरोध भारत को यह याद दिलाते हैं कि चीन के साथ सीमा विवाद को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में छोटी-सी चूक भी गंभीर परिस्थितियां पैदा कर सकती है। पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ते सामरिक सहयोग को देखते हुए भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति व्यापक दृष्टिकोण से तैयार करनी होगी। दोनों देशों की चुनौतियां अलग-अलग हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर भारत को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। चीन के साथ संबंधों में स्थिरता भारत के हित में है, मगर स्थिरता का आधार एकतरफा भरोसा नहीं हो सकता। भारत को शांति की पहल जारी रखते हुए सीमाओं की सुरक्षा, सैन्य आधुनिकीकरण और कूटनीतिक दृढ़ता पर ध्यान देना चाहिए। सीमा पर तैनात जवानों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने के साथ उनकी आवश्यकताओं का समय पर समाधान होना चाहिए। चीन की गतिविधियों पर सतत निगरानी और किसी भी परिस्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा किसी एक राजनीतिक दल का विषय नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार, विपक्ष और सुरक्षा संस्थानों के बीच समन्वय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। चीन के साथ संवाद जारी रहना चाहिए, लेकिन भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता सर्वोपरि रहनी चाहिए। विस्तारवादी सोच के सामने सतर्कता, दृढ़ता और सामरिक तैयारी ही प्रभावी उत्तर हैं। भारत को ऐसा संतुलन बनाना होगा, जिसमें शांति की संभावनाएं भी बनी रहें और सीमा की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की कमजोरी भी दिखाई न दे।

दिल्ली चलो रैली से कितना बदलेगा सियासी परिदृश्य?

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिक अधिकारों की अभिव्यक्ति का आधार हैं। ऐसे में जब चुनाव प्रक्रिया अथवा मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल उठते हैं, तो उनका महत्व किसी एक राजनीतिक दल या गठबंधन तक सीमित नहीं रहता। यह लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा विषय बन जाता है। इसी संदर्भ में इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग के खिलाफ अपना राजनीतिक अभियान तेज करने की तैयारी की है। गठबंधन की प्रस्तावित दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक जन महाभियोग की घोषणा ने चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक जवाबदेही और विपक्ष की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। वहीं एसआईआर का आशय था कि मतदाता सुचि को संशोधित किया जाये जबकि बार बार सिस्टम की नाकामी साबित सामने आ रही है। ऐसे में इंडिया गठबंधन के दिल्ली चलो रैली से किना सियासी परिदृश्य बदलेगा यह देखने वाली बात होगी ?

इंडिया गठबंधन को ले तो इनके प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रतीकात्मक जन महाभियोग आयोजित किया जाएगा, जबकि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में दिल्ली चलो' रैली होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग को लेकर जनता के सामने अपना पक्ष रखा जाएगा। गठबंधन का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविकता का आकलन संबंधित तथ्यों, दस्तावेजों और चुनाव आयोग के जवाब के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मतदाता सूची तैयार करना और उसे नियमित रूप से अद्यतन रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल हों और अपात्र नाम हटाए जाएं, यह सुनिश्चित करना निर्वाचन व्यवस्था की जिम्मेदारी है। लेकिन इस प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने, गलत तरीके से हटने या किसी अन्य प्रकार की त्रुटि की शिकायत सामने आती है, तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

एसआईआर जैसी प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना हो सकता है, लेकिन उसकी सफलता केवल प्रशासनिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और नागरिकों के भरोसे से तय होगी। यदि किसी मतदाता को अपना नाम हटाए जाने या शामिल नहीं किए जाने की आशंका है, तो उसे आपत्ति दर्ज कराने, दस्तावेज प्रस्तुत करने और समयबद्ध समाधान प्राप्त करने का प्रभावी अवसर मिलना चाहिए। विशेष रूप से गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, बुजुर्गों और उन नागरिकों के लिए व्यवस्था सरल होनी चाहिए, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज जुटाने के सीमित साधन हैं।

इंडिया गठबंधन ने इसी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को अपना प्रमुख मुद्दा बनाया है। अब महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्ष अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ सामने रख पाएगा और क्या चुनाव आयोग प्रत्येक शिकायत का स्पष्ट एवं तथ्यपरक उत्तर देगा? लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप लगाने का अधिकार विपक्ष को है, लेकिन आरोपों की जांच और निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए।

चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसकी विश्वसनीयता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव संपन्न कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुरूप हो। आयोग के प्रति जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है, तो चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता और राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए चुनाव आयोग को विपक्ष की आलोचना को केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय, जहां आवश्यक हो, तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। मतदाता सूची में संशोधन, नाम हटाने की प्रक्रिया, दावों और आपत्तियों के निस्तारण तथा शिकायतों पर कार्रवाई से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है।

दूसरी ओर, किसी संवैधानिक पदाधिकारी पर लगाए गए आरोपों को प्रमाणित मान लेना भी उचित नहीं होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस्तीफे की मांग करना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार है, लेकिन पद से हटाने की प्रक्रिया संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप ही हो सकती है। प्रतीकात्मक जन महाभियोग जनता के बीच राजनीतिक संदेश देने का माध्यम हो सकता है, परंतु वह अपने आप में किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाने की औपचारिक कानूनी प्रक्रिया का विकल्प नहीं है।

रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली इंडिया गठबंधन के लिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने का अवसर भी होगी। चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दे पर विपक्ष विभिन्न दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है। यदि गठबंधन इस अभियान को केवल नारों और आरोपों तक सीमित रखने के बजाय प्रभावित मतदाताओं की शिकायतों, दस्तावेजी साक्ष्यों और सुधार के ठोस सुझावों से जोड़ता है, तो उसे व्यापक जनसमर्थन मिल सकता है।लेकिन विपक्ष के सामने एक चुनौती यह भी है कि जनता के सामने उसकी विश्वसनीयता केवल सरकार या चुनाव आयोग की आलोचना से नहीं बनेगी। उसे यह बताना होगा कि मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर करने के लिए वह कौन-से व्यावहारिक उपाय चाहता है और नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए उसकी स्पष्ट कार्ययोजना क्या है। राजनीतिक दलों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपनी शिकायतों को संबंधित वैधानिक मंचों पर उठाएं और उपलब्ध कानूनी उपायों का उपयोग करें।वहीं, सत्तापक्ष और चुनाव आयोग की ओर से भी अपेक्षा की जाती है कि वे इस मुद्दे को केवल विपक्ष की राजनीति बताकर टालने के बजाय सार्वजनिक विश्वास को मजबूत करने वाले कदम उठाएं। लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा आलोचना से नहीं, बल्कि पारदर्शी कामकाज, जवाबदेही और निष्पक्ष आचरण से मजबूत होती है।

इंडिया गठबंधन की दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रस्तावित प्रतीकात्मक कार्यक्रम का वास्तविक महत्व इस बात से तय होगा कि इससे मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर कितनी सार्थक चर्चा आगे बढ़ती है। केवल भीड़ जुटाना या राजनीतिक आरोपों को दोहराना किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसी तरह, शिकायतों को अनदेखा करना भी लोकतांत्रिक विश्वास के लिए उचित नहीं होगा।

जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़ी प्रत्येक गंभीर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो, प्रभावित नागरिकों को न्याय मिले और चुनाव आयोग अपने निर्णयों तथा प्रक्रियाओं के संबंध में पर्याप्त पारदर्शिता बनाए रखे। विपक्ष को भी अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और राजनीतिक आंदोलन को संस्थागत सुधारों से जोड़ना चाहिए।

लोकतंत्र की मजबूती सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार से नहीं, बल्कि इस विश्वास से तय होती है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत सुरक्षित है और चुनाव प्रक्रिया कानून के अनुसार निष्पक्ष ढंग से संचालित होती है। अंततः चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार—सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।

- सौरभ वार्ष्णेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय अनाज मंडी में निचले भावों पर माँग से चना बढ़त पर रहा। अन्य दलहनों में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्ती रही। तिलहन बाजार पूर्वस्तर पर रहे। किराना जिंसों में व्यापार अच्छा रहा। कीमतें पूर्वस्तर पर रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में घटे भावों पर माँग आने से बाजार पुनः चमक गये। चना आज 7500-7550 रू. क्विंटल पर रहा। अन्य दलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। खाद्य तेलों में पूछपरख सामान्य रही। बाजार पूर्वस्तर पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर 5100-5200 रू. प्रति क्विंटल पर बनी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5100-5200, खोपरा गोला 360-420, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, जावान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारोली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1820-1840, मुम्बई 1840, राजकोट तेलिया 2840, सोया साल्वेंट 1375-1380, सोया रिफाईंड 1440-1450, कपास्या 1520, धूलिया 1510, कड़ी 1510,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1770-1780, मुम्बई पाम 1445, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9100, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 6900-7100, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना काटेवाला बेस्ट 7500-7550, विशाल 7200-7350, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9100-9200, एवरेज 8900-9000, हल्की 8500-8600, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में कारोबारी गतिविधियां अच्छी रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश पूर्वस्तर पर बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 199500, चाँदी (99) 199300, टंच 198700, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 143800,

एलएंडटी टेक्नोलॉजी ने भारत में नोकिया के साथ किया पांच साल का अनुबंध

नई दिल्ली। एजेंसी। एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने भारत में इंजीनियरिंग तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों में सहयोग के लिए नोकिया के साथ पांच साल का अनुबंध करने की सोमवार को घोषणा की। बताया जा रहा है कि इस अनुबंध के तहत एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) की इंजीनियरिंग क्षमताओं और नोकिया के दूरसंचार प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यों को एक साथ लाया जाएगा। हालांकि अनुबंध के आकार या वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया गया। समझौते के तहत, एलटीटीएस उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन तथा उत्पाद सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में नोकिया के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों में सहयोग करेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज इक्विटी बाजार में जोरदार बढ़त रही जिसके कारण प्रमुख सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स मजबूती के साथ बंद हुए। लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी का रुख अपनाया, जिससे बाजार में रौनक लौटी। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई का सेंसेक्स 482.92 अंक की बढ़त के साथ ही 73,606.75 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 153.20 अंक उछलकर 22,753.20 पर पहुंच गया। इस उछाल के कारण पिछले हफ्ते की गिरावट से निवेशकों कुछ हद तक उबर गये हैं। आज निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाले शेयरों में डॉ रेड्डीज लैब्स, बीएसई लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील, मैक्स हेल्थकेयर और एटरनल शामिल रहे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर, एचडीएफसी

लाइफ, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट रही। सेक्टोरल मोर्चे पर भी सकारात्मक माहौल रहा। एफएमसीजी, मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को छोड़कर अन्य सभी सेक्टोरल सूचकांक तेजी पर बंद हुए। फार्मा, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर में मजबूत तेजी दर्ज की गई, जबकि इंफ्रा, आईटी, प्राइवेट बैंक, एनर्जी और रियल्टी सेक्टर में भी बढ़त रही। व्यापक बाजारों में भी तेजी का रुझान रहा, जिसमें निफ्टी मिडकैप सूचकांक और स्मॉलकैप सूचकांक में बढ़त रही। आज बाजार की इस तेजी का कारण कच्चे तेल की कीमतों में नरमी भी रही जिससे बाजार में उत्साह का माहौल रहा। इसके अलावा इसके अतिरिक्त, विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने भी बाजार ऊपर आया है। शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 887.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जो अक्टूबर के शुरुआती दिनों में भारतीय शेयरों से भारी निकासी कुल 48,056 करोड़ रुपये के बाद एक सकारात्मक संकेत था। वहीं इससे पहले आज सुबह अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार कमजोर खुला। महंगे कच्चे तेल और ग्लोबल मार्केट में बिकवाली का दबाव देखने को मिल रहा है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 72500 और निफ्टी 22400 के स्तर तक फिसले।

नवंबर में महंगा हो सकता है रसोई गैस सिलेंडर

नई दिल्ली। एजेंसी। दीवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों से पहले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है, जिसके चलते नवंबर में कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार एचपीसीएल को वर्तमान में प्रति घरेलू सिलेंडर लगभग 245 रुपये का भारी नुकसान हो रहा है, जो नवंबर तक बढ़कर 327 रुपये तक पहुंच सकता है। इस संभावित घाटे की भरपाई के लिए कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। घरेलू एलपीजी की कीमतों में आखिरी बदलाव जून में 29 रुपये की बढ़ोतरी के साथ हुआ था, जबकि वाणिज्यिक सिलेंडरों की कीमतें इसी अक्टूबर में 62.50 रुपये बढ़ी थीं। हालांकि सोमवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव न होने से परिवारों को अस्थायी राहत मिली है। इसके बावजूद, होटलों और रेस्तरां जैसे व्यवसायों के लिए वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतें काफी ऊंची बनी हुई हैं। त्योहारों के दौरान रसोई गैस की खपत में भारी वृद्धि होती है, जिससे यह परिवारों और व्यवसायों दोनों के बजट का एक अहम हिस्सा बन जाता है। वर्तमान में दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू सिलेंडर 942 रुपये में उपलब्ध है, जबकि 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक सिलेंडर 2,810 रुपये में मिल रहा है। हालांकि, कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन एचपीसीएल के बढ़ते घाटे को देखते हुए नवंबर में उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट पर मिलेगा 50 फीसदी ज्यादा लीव इनकैशमेंट

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाले लीव इनकैशमेंट को लेकर आठवें वेतन आयोग में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा गया है, जिसके तहत इसकी मौजूदा सीमा को 300 दिन से बढ़ाकर 450 दिन करने का सुझाव है। यदि यह प्रस्ताव स्वीकृत होता है, तो कर्मचारियों को रिटायरमेंट पर मिलने वाली एकमुश्त राशि में सीधे 50 फीसदी का इजाफा होगा, जो उनके लिए एक बड़ा वित्तीय सहारा साबित होगा। लीव इनकैशमेंट वह सुविधा है जिसके तहत केंद्र सरकार के कर्मचारी अपनी सेवाकाल के दौरान जमा की गई उन छुट्टियों के बदले नकद भुगतान प्राप्त करते हैं, जिनका उपयोग उन्होंने नहीं किया होता है। मौजूदा नियमों के अनुसार, एक केंद्रीय सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्ति के समय अधिकतम 300 दिनों की अर्जित छुट्टी का नकदीकरण कर सकता है। इस भुगतान की गणना कर्मचारी के सेवानिवृत्ति वाले महीने के अंतिम मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) को जोड़कर की जाती है। सबसे खास बात यह है कि यह पूरी राशि आयकर से मुक्त होती है, जिससे कर्मचारी को मिलने वाला शुद्ध लाभ अधिकतम होता है। प्रस्तावित बदलाव से 150 दिन का अतिरिक्त लाभ आठवें वेतन आयोग के लिए चल रहे परामर्श दौर में विभिन्न संगठन और हितधारक लीव इनकैशमेंट की इस अधिकतम सीमा को 300 दिन से बढ़ाकर 450 दिन करने की पुरजोर मांग कर रहे हैं। यदि यह प्रस्ताव मान लिया जाता है, तो कर्मचारी मौजूदा सीमा के मुकाबले 150 अतिरिक्त दिनों की छुट्टियों को नकदी में बदल सकेंगे। यह उनके ग्रेच्युटी और प्रोविडेंट फंड (पीएफ) के साथ-साथ सेवानिवृत्ति के फंड में एक बड़ी वृद्धि होगी। यह बदलाव उन लाखों कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगा जो अपने पूरे सेवाकाल में छुट्टियों का उपयोग करने के बजाय उन्हें बचाकर रखते हैं। इस अतिरिक्त रकम का उपयोग वे अपने भविष्य के निवेश, बच्चों की उच्च शिक्षा, विवाह या होम लोन चुकाने जैसे बड़े वित्तीय उद्देश्यों के लिए कर सकेंगे। जानकारों का मानना है कि यह कदम न केवल कर्मचारियों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन दूसरों की मदद करने, रिश्तों में सद्भाव बनाए रखने और सम्मान पाने का अवसर लेकर आया है। किसी जरूरतमंद के काम आकर आपको मन की शांति मिलेगी और लोगों के बीच आपकी अच्छी छवि भी बनेगी। मन में कुछ नया और बड़ा करने की इच्छा जागेगी, वहीं लंबे समय से अधूरे पड़े कामों को पूरा करने का मौका भी मिलेगा।

वृषभ- आज भाग्य आपका साथ दे सकता है और अचानक कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। यदि किसी करीबी के साथ मनमुटाव चल रहा है, तो बातचीत की पहल करने से रिश्तों में फिर से मिठास लौट सकती है। आपका चंचल और मनमौजी अंदाज दिन को खुशनुमा बनाएगा, लेकिन जरूरी फैसलों में गंभीरता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक होगा। परिवार के साथ यात्रा करने का अवसर मिल सकता है, जो यादगार पलों के साथ रिश्तों को और मजबूत करेगा।

मिथुन- आज का दिन भले ही सामान्य नजर आए, लेकिन सही फैसले लेने पर यह भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। व्यापार करने वालों की मुलाकात किसी प्रभावशाली व्यक्ति से हो सकती है, जिससे आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। हालांकि, आर्थिक मामलों में लापरवाही न करें। जल्दबाजी में लिया गया निवेश आपका पैसा फंसा सकता है, इसलिए शेयर बाजार सहित किसी भी वित्तीय निर्णय से पहले अच्छी तरह विचार करें।

कर्क- आज आपके सामने ऐसे अवसर आ सकते हैं, जो कामकाज में नई उपलब्धियों का रास्ता खोलेंगे। लंबे समय से अटकी हुई कोई व्यापारिक डील पूरी होने की संभावना है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आगे की योजनाओं को गति मिलेगी। रचनात्मक कार्यों और डिजाइनिंग से जुड़े लोगों को कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। व्यापार को नए तरीके से आगे बढ़ाने की आपकी कोशिशें भी सफल होती दिखाई दे रही हैं।

सिंह- आज आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है और मेहनत के लिए सम्मान या प्रशंसा मिलने के संकेत हैं। संतान को करियर या नौकरी के सिलसिले में दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है, इसलिए उसके भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा हो सकती है। भाई-बहनों का सहयोग आपको भावनात्मक मजबूती देगा।

कन्या- आज कामकाज की व्यस्तता बनी रह सकती है, लेकिन सही योजना के साथ आगे बढ़ेंगे तो मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। छोटी-छोटी बातों में उलझने के बजाय अपने बड़े लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। इससे समय और ऊर्जा दोनों का बेहतर उपयोग होगा। सेहत को लेकर लापरवाही न करें और अपनी दिनचर्या को संतुलित बनाए रखें।

तुला- आज दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां आपके अनुकूल होती नजर आएंगी। परिवार में चल रही किसी उलझन को बातचीत और आपसी समझ से सुलझाया जा सकता है। आपकी वाणी आज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, इसलिए अपनी बात सोच-समझकर रखें। सही शब्द रिश्तों में मिठास बढ़ा सकते हैं और गलतफहमी को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज आपको धैर्य और संयम के साथ परिस्थितियों का सामना करना होगा। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से बचें, क्योंकि शांत रहकर लिया गया फैसला अधिक लाभदायक साबित होगा। किसी जरूरतमंद की सहायता करने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को संतुष्टि मिलेगी। यात्रा के दौरान कोई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आने वाले समय में आपके काम आए।

धनु- आज आपके भीतर कुछ नया सीखने और जीवन में बड़ा बदलाव लाने की प्रेरणा जाग सकती है। लंबी दूरी की यात्रा की योजना बन सकती है, जो आपको नए अनुभव और नए लोगों से जुड़ने का अवसर देगी। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं को निखारने और आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। आध्यात्मिक विषयों और ज्ञान की ओर आपका झुकाव बढ़ेगा, जिससे मन को नई दिशा मिलेगी।

मकर- आज आर्थिक मामलों में सावधानी और योजनाबद्ध तरीके से चलना आपके लिए बेहद जरूरी होगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें और किसी भी बड़े फैसले को जल्दबाजी में लेने से बचें। माता-पिता का आशीर्वाद किसी लंबे समय से रुके हुए काम को पूरा कराने में मदद कर सकता है। हालांकि, कुछ लोग आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए अपनी योजनाओं को हर किसी के सामने जाहिर न करें।

कुंभ- आज आपके मन में कुछ ऐसे नए और रचनात्मक विचार आ सकते हैं, जो भविष्य में सफलता की नींव बनेंगे। नौकरी हो या व्यापार, आपकी अलग सोच आपको दूसरों के बीच खास पहचान दिला सकती है। कार्यक्षेत्र में अपने विचारों को सही तरीके से प्रस्तुत करें, क्योंकि आपके सुझावों की सराहना हो सकती है।

मीन- आज नौकरी और करियर से जुड़े मामलों में नई उम्मीदें जाग सकती हैं। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर मिलने की संभावना है, जिससे भविष्य को लेकर उत्साह बढ़ेगा। लंबे समय से अटके कामों में भी धीरे-धीरे प्रगति दिखाई दे सकती है। कार्यक्षेत्र में दूसरों के साथ तालमेल बनाकर चलेंगे तो टीमवर्क के जरिए बड़े लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

शब्दजाल- 8432

शब्दजाल में राजपाल यादव की १० फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

गरम मसाला, वास्तुशास्त्र, क्या कूल है हम, कल हो ना हो, रोड, जंगल, चांदनी बार, वक्त, कंपनी, लाल सलाम

शब्दजाल - 8431 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7366

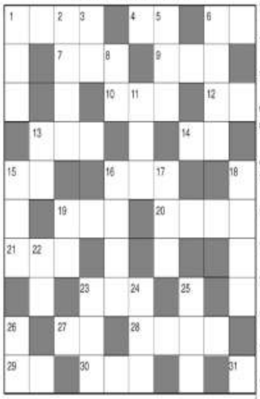

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कहीं ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल को 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'पास ओ बास' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसते हँसते' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरुख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिर गी ए' गीत वाली सलमान, रेखा की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रुकिये तो' गीत वाली शाहरुख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम चिड़ु' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१४. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णमूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तस्वीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रुके रुके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7365

दैनिक पंचांग

27 अक्टूबर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

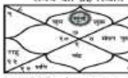

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.39 ब.से
चंद्र	मेष में	धनु	09.55 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	12.00 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.47 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.20 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.50 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.30 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.28 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.42 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.58 बजे से
3.00 से 4.30		कन्या	03.10 बजे से
बजे तक		तुला	06.21 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 300 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शाका संवत्** 1948 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 07.02 बजे तदनन्तर द्वितीया 04.07 बजे रात को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 15.39 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि (अमृक) 10.53 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 07.02 बजे, तैतिल 17.36 बजे तदनन्तर गर 04.07 बजे रात को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 12° 43' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872875 **जूलियन दिन** 2461340.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 15 **विशेष** मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः रास्ते की रुकावट

विद्यार्थियों की एक टोली पढ़ने के लिए रोजाना अपने गाँव से 6-7 मील दूर दूसरे गाँव जाती थी। एक दिन जाते-जाते अचानक विद्यार्थियों को लगा कि उन में एक विद्यार्थी कम है। ढूँढने पर पता चला कि वह पीछे रह गया है। उसे एक विद्यार्थी ने पुकारा, 'तुम वहाँ क्या कर रहे हो?' उस विद्यार्थी ने वहीं से उत्तर दिया, 'ठहरो, मैं अभी आता हूँ।' यह कह कर उस ने धरती में गड़े एक खूँटे को पकड़ा। जोर से हिलाया, उखाड़ा और एक ओर फेंक दिया फिर टोली में आ मिला। उसके एक साथी ने पूछा, 'तुम ने वह खूँटा क्यों उखाड़ा? इसे तो किसी ने खेत की हद जताने के लिए गाड़ा था।' इस पर विद्यार्थी बोला, 'लेकिन वह बीच रास्ते में गड़ा हुआ था। चलने में रुकावट डालता था। जो खूँटा रास्ते की रुकावट बने, उस खूँटे को उखाड़ फेंकना चाहिए।' वह विद्यार्थी और कोई नहीं, बल्कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल थे।

सूडोकु नवताल- 7675

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7674 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8890

बाएँ से दाएँ

1.लाचार,बेबस-3
3.प्राण,जान-3
5.दुर्ग,फोर्ट-2
6.सद्पुरुष-2
8.कवायद-4
10.प्रतिघात,मुआवजा-3
12.कंठ,गला-3
13.लकड़ी-2
14.प्रथम मानव-2
15.धोखेबाज,कपटी-3
17.माजरा,घटना-3
19.कहासुनी,झंझट -4
21.संबोधन-2
23.चावल-2
24.रगड़ना,लगाना-3
25.वादा,प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1.लता,लतिका-2
2.चावल (अंग्रेजी-3)
3.हूर,अप्सरा-3
4.आकाश,व्योम-2
5.शायरी करनेवाला-3
7.योग्य,उपयुक्त-3
8.अदाकार,फनकार-4
9.घोड़ागाड़ी-2
12.बजरंगबली-4
15.माह,मास-3
16.जांघ,जंघा-2
18.धिक्कार,फटकार-3
19.मामूली,तुच्छ-3
20.बहने का भाव-3
22.संस्कृत में 'मेरा'-2
23.होश,आभास-2

शब्द पहेली -8889 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शरद पूर्णिमा पर हुई अमृत वर्षा, जगह-जगह बंटी खीर की प्रसादी

चांदनी रात में खुले आसमान के नीचे रखी खीर, मंदिरों में भजन-जस और पूजन के साथ देर रात तक चला जागरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। शरद पूर्णिमा की धवल चांदनी में रविवार की रात नगर और क्षेत्र आस्था एवं भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। धार्मिक मान्यताओं में शरद पूर्णिमा की रात्रि को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ आकाश में विराजमान होता है और उसकी शीतल किरणों को अमृतमयी माना जाता है। इसी आस्था के चलते खुले आसमान के नीचे खीर रखने और मध्यरात्रि के बाद भगवान को उसका भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा है। 25 अक्टूबर को नगर व क्षेत्र में शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिरों से लेकर चौक-चौराहों और घरों तक खीर तैयार कर चांदनी में रखी गई तथा मध्यरात्रि के बाद भगवान को भोग अर्पित कर प्रसादी का वितरण किया गया। शरद पूर्णिमा पर नगर के विभिन्न देवी-देवालयों में विशेष पूजन-अर्चन के साथ भजन, जस गायन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने देर रात तक जागरण कर भगवान की आराधना की। रात्रि 12 बजे के बाद आरती एवं पूजन कर खीर का भोग लगाया गया, जिसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसादी का वितरण हुआ। नगर के पुराने गुजरी चौक में सिंह वाहिनी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर खीर तैयार कर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। इसी तरह मां लंजकाई मंदिर, नया राम मंदिर, मनेरी फाटक, पुराना राम मंदिर और शीतला माता मंदिर सहित नगर

के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर शरद पूर्णिमा उत्साह के साथ मनाई गई। सुंदरटोला, पूर्वाटोला और दखनीटोला सहित नगर के अन्य स्थानों पर भी श्रद्धालुओं ने परंपरानुसार खीर तैयार की और उसे खुले आसमान के नीचे चंद्रमा की रोशनी में रखा। मध्यरात्रि के बाद पूजन-अर्चन एवं भोग लगाने के पश्चात अमृत रूपी खीर का प्रसाद ग्रहण किया गया। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से प्रसादी वितरण होने से देर रात तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

मां लंजकाई मंदिर में गूंजे भजन और जस

मां लंजकाई मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा पर्व धूमधाम और श्रद्धापूर्वक मनाया गया। मंदिर में स्थानीय भजन मंडली द्वारा भक्ति गीत, भजन एवं जस की प्रस्तुति दी गई। श्रद्धालु देर रात तक माता की भक्ति में लीन रहे। रात्रि 12 बजे के पश्चात ट्रस्ट के सदस्य मनोज दुबे द्वारा माता की आरती कर खीर का भोग अर्पित किया गया, जिसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। शरद पूर्णिमा को लेकर घरों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। अनेक परिवारों ने अपने घरों में खीर बनाकर चांदनी में रखी और मध्यरात्रि के बाद भगवान की पूजा-अर्चना कर परिवार के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस तरह नगर और क्षेत्र में शरद पूर्णिमा की रात भक्ति, आस्था और परंपरा के संगम के बीच हर्षोल्लास से मनाई गई।

आदर्श महिला मंडल ने भजन-कीर्तन और खीर प्रसादी का वितरण कर मनाया शरद पूर्णिमा पर्व

रेखा बिसेन के नेतृत्व में वर्षभर धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों से महिलाओं को जोड़ रहा मंडल, नवरात्रि में डांडिया रास और 56 भोग का भी हुआ था आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 25 अक्टूबर को मां लंजकाई मंदिर ट्रस्ट के अधीन नया राम मंदिर में आदर्श महिला मंडल द्वारा श्रद्धा और उल्लास के साथ पर्व मनाया गया। इस दौरान भजन-कीर्तन से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। मंडल की भजन मंडली ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया। रात्रि 12 बजे के बाद आरती की गई और खीर प्रसादी का वितरण किया गया। आदर्श महिला मंडल

की अध्यक्ष रेखा बिसेन के नेतृत्व में मंडल द्वारा वर्षभर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों के माध्यम से महिलाओं को धार्मिक गतिविधियों से जोड़ने के साथ ही आपसी मेलजोल, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

नवरात्रि में डांडिया रास और 56 भोग का आयोजन

अध्यक्ष रेखा बिसेन ने बताया कि हाल ही में संपन्न शारदेय नवरात्रि के दौरान सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति गुजरी चौक के पंडाल में मंडल द्वारा डांडिया रास, 56 भोग और हल्दी-कुमकुम का भव्य आयोजन किया गया था। इसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए महिलाओं को एक मंच पर लाने और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का प्रयास किया जाता है।

सावन से अधिक मास तक धार्मिक आयोजनों की परंपरा

मंडल द्वारा केवल नवरात्रि और शरद पूर्णिमा ही नहीं, बल्कि सावन मास में हरियाली तीज उत्सव तथा अधिक मास में श्रीरामायण पाठ जैसे कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रहती है। मंडल का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सौहार्द और पारस्परिक सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने होटल व मिठाई दुकानों का किया निरीक्षण

खाद्य पदार्थों के लिए नमूने, एक्सपायरी सामग्री को किया नष्ट

पद्मेश न्यूज। लांजी। त्योहारों के दौरान मिलावटी एवं गुणवत्ताहीन खाद्य सामग्री की बिक्री की आशंका को लेकर दो दिन पूर्व हमारे द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित समाचार का असर देखने को मिला है। खबर प्रकाशित होने के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन बालाघाट

ने मामले को संज्ञान में लेते हुए लांजी एवं आसपास के क्षेत्र में होटल, मिठाई दुकानों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कार्रवाई की। इस दौरान कई प्रतिष्ठानों में गंदगी और अस्वच्छता मिलने पर सुधार नोटिस जारी किए गए, वहीं मिठाइयों सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने गुणवत्ता जांच के लिए एकत्रित किए गए। एक जनरल स्टोर में एक्सपायरी खाद्य सामग्री मिलने पर उसे मौके पर नष्ट कराया गया। उल्लेखनीय है कि आगामी त्योहारों को देखते हुए बाजार में मिठाई, मावा, खोवा, तेल एवं अन्य खाद्य सामग्री की मांग बढ़ गई है। इसी के साथ मिलावट और गुणवत्ताहीन सामग्री की बिक्री की आशंका को लेकर दो दिन पूर्व समाचार प्रकाशित कर खाद्य सुरक्षा विभाग का ध्यान इस ओर आकर्षित किया गया था। समाचार प्रकाशन के बाद विभाग हरकत में आया और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने लांजी क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाया। निरीक्षण में कई प्रतिष्ठानों में अस्वच्छता मिलने, एक्सपायरी सामग्री बरामद होने और बड़ी संख्या में खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाने से यह भी स्पष्ट हुआ कि त्योहारी बाजार में नियमित निगरानी की आवश्यकता है।

नैवेद्यम होटल में गंदगी, खोवा पेड़ा और लड्डू के लिए नमूने

लांजी बस स्टैंड स्थित श्री नैवेद्यम होटल रेस्टोरेंट के निरीक्षण के दौरान किचन एवं स्टोर रूम में गंदगी और अस्वच्छता पाई गई। इस पर प्रतिष्ठान संचालक को सुधार नोटिस जारी किया गया। यहां से खोवा का पेड़ा, मगज के लड्डू तथा उपयोग किए जा चुके कुकिंग ऑयल के नमूने गुणवत्ता जांच के लिए एकत्रित किए गए। बस स्टैंड स्थित होटल शिवराज के किचन की स्थिति स्वच्छ पाई गई, लेकिन स्टोर रूम में गंदगी एवं अस्वच्छता मिलने पर संचालक को सुधार नोटिस दिया गया। यहां से मैदा, कुकिंग ऑयल और खोवा पेड़ा के नमूने लिए गए। इसी क्रम में सुभाष चौक स्थित बीकानेर स्वीट्स से कलाकंद और मिल्क केक के नमूने जांच के लिए एकत्रित किए गए।

जनरल स्टोर से मिली एक्सपायरी सामग्री, मौके पर कराया विनष्टीकरण

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने लांजी बस स्टैंड स्थित ओम जनरल स्टोर्स का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान प्रतिष्ठान में करीब दो हजार रुपये मूल्य की एक्सपायरी खाद्य सामग्री पाई गई। विभाग ने उक्त सामग्री का मौके पर विनष्टीकरण कराया। साथ ही संचालक को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि एक्सपायरी अथवा गुणवत्ताहीन खाद्य सामग्री का विक्रय किसी भी स्थिति में न किया जाए। टीम ने भानेगांव में भी खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की। ठाकरे होटल के किचन में गंदगी एवं अस्वच्छता पाए जाने पर सुधार नोटिस जारी किया गया। यहां से मावा पेड़ा और नमकीन सेव के नमूने जांच के लिए लिए गए। वहीं बीकानेरी राजपुरोहित स्वीट्स से कलाकंद और मिल्क केक के नमूने एकत्रित किए गए। खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि त्योहारों के दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, साफ-सफाई और रखरखाव को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। गुणवत्ताहीन अथवा एक्सपायरी खाद्य सामग्री की बिक्री पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रयोगशाला की रिपोर्ट खोलेगी गुणवत्ता की पोल

निरीक्षण के दौरान एकत्रित सभी खाद्य नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट में नमूने अमानक पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं सुधार नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने अथवा निर्धारित सुधार नहीं किए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध न्यायालयीन कार्रवाई भी की जा सकती है। लांजी एवं भानेगांव में यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश कुमार डोंगरे एवं श्रीमती गीता टांडेकर द्वारा की गई।

नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की पहल तेज

एसडीएम ने कट्टीपार, सतोना, बरगुड़ और देवरबेली पहुंचकर ग्रामीणों से जानी जरूरतें; 14 दिन में तैयार होगी विकास कार्यों की रिपोर्ट

पद्मेश न्यूज। लांजी। लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहे ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और वहां बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रशासन ने मैदानी स्तर पर कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में 26 अक्टूबर को लांजी एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने क्षेत्र के कट्टीपार, सतोना, बरगुड़ और देवरबेली गांवों का भ्रमण किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति और जरूरतों की जानकारी ली। ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले के नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में इन गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए चिन्हित गांवों को चार क्लस्टर में विभाजित कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाओं पर भी रहेगा फोकस

नक्सल प्रभावित रहे गांवों में अधोसंरचना विकास के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर विकसित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसके तहत कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्योद्योग, डेयरी और लघु उद्योग जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं और जनजातीय समुदाय को आजीविका से जोड़ने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ पोषण और जनजागरूकता संबंधी गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। गांवों में वर्तमान में उपलब्ध सुविधाओं और उनकी कमियों का आकलन कर विभागवार कार्ययोजना तैयार की जाएगी। कलेक्टर आदित्य सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित 14 दिनों में आवंटित गांवों का भ्रमण पूरा कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मैदानी भ्रमण और ग्रामीणों से मिले सुझावों के आधार पर आवश्यक विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। प्रशासन का प्रयास है कि कभी नक्सल प्रभाव का सामना कर चुके दूरस्थ गांवों तक बुनियादी सुविधाओं और शासन की योजनाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित हो तथा युवाओं को शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

ग्रामीणों से पूछा-क्या हैं गांव की प्रमुख जरूरतें

अभियान के तहत अधिकारियों को आगामी 14 दिनों तक आवंटित गांवों का भ्रमण कर वहां की वास्तविक स्थिति का मैदानी आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के तहत एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी के नेतृत्व में टीम कट्टीपार, सतोना, बरगुड़ और देवरबेली पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं और गांव के विकास से जुड़ी प्राथमिकताएं जानीं। इस दौरान गांवों में सड़क और पुल-पुलिया, पेयजल, सिंचाई, बिजली, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी भवन सहित अन्य आवश्यक अधोसंरचना और सुविधाओं की जरूरतों को लेकर जानकारी जुटाई गई। प्रशासन का उद्देश्य केवल विभागीय स्तर पर योजनाएं तैयार करने के बजाय ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी वास्तविक जरूरतों के अनुरूप विकास कार्य प्रस्तावित करना है।

शरद पूर्णिमा पर सेवा, भक्ति और लोक संस्कृति का संगम, 28 मरीज मोतियाबिंद उपचार के लिए चयनित

पद्मेश न्यूज। लांजी। लोक आस्था और धार्मिक परंपराओं से जुड़ा शरद पूर्णिमा पर्व ग्रामीण अंचलों में केवल पूजा-अर्चना तक सीमित न रहकर सामाजिक समरसता, सेवा और लोक संस्कृति को सहेजने का माध्यम भी बन रहा है। इसी भावना के साथ ग्राम दीघोरी के आखर चौक में शरद पूर्णिमा का पर्व आस्था और

उत्साहपूर्वक मनाया गया। ग्राम विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में एक ओर जरूरतमंदों के लिए मोतियाबिंद जांच शिविर लगाकर सेवा का संदेश दिया गया तो दूसरी ओर विशाल भंडारे और पारंपरिक जस-भजन मुकाबले के माध्यम से लोक संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं को जीवंत किया गया। देर रात तक चले आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर आखर चौक में आयोजित मोतियाबिंद शिविर में ग्रामीणों की आंखों की जांच की गई। जांच के बाद 28 मरीजों को मोतियाबिंद उपचार के लिए चयनित किया गया। धार्मिक पर्व के साथ स्वास्थ्य सेवा को जोड़कर आयोजित किए गए इस शिविर को ग्रामीणों ने सराहा। शाम के समय विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इसके बाद रात्रि में पारंपरिक दुय्यम जस-भजन मुकाबले का आयोजन हुआ। मुकाबला नैतरा की श्रीमती श्यामा बाई बहेटवार एवं जाम लालबर्रा की श्रीमती अनिता लिल्हारे के बीच हुआ। गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके पश्चात दोनों महिला कलाकारों ने जस-भजन के माध्यम से धार्मिक प्रसंगों और लोक परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। देर रात तक चले जस-भजन कार्यक्रम का ग्रामीणों ने आनंद लिया।

सामाजिक एकता से साकार होगी समग्र ग्राम विकास की कल्पना

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के अध्यक्ष झंकार किरनापुरे ने शरद पूर्णिमा और ग्रामीण लोक परंपराओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक आस्था और लोक संस्कृति हमारी परंपराओं की नींव हैं। इन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी समाज की है। गांवों में इस प्रकार के धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों से आपसी सद्भाव एवं सामाजिक एकता मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता के माध्यम से ही समग्र ग्राम विकास की कल्पना को साकार किया जा सकता है। आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए गांव के विकास की योजना बनानी होगी और सामूहिक प्रयासों से उसे धरातल पर उतारना होगा। महावीर इंटरनेशनल के चेयरपर्सन विशाल राउत ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम में नेत्र जांच शिविर के साथ समय-समय पर विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाना सराहनीय पहल है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ सेवा कार्यों को जोड़ने से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। कार्यक्रम का आयोजन सुभाष उरखेड़े, धनराज बुढ़ावने एवं सुरेन्द्र मंसुरे सहित ग्राम विकास समिति के सदस्यों और ग्रामीणों के सहयोग से किया गया। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सेवा गतिविधियों ने आखर चौक को देर रात तक आस्था और लोक संस्कृति के रंग में रंगे रखा।

कोटेश्वर मंदिर के सामने सिद्ध धूनी दरबार में मनाया शरद पूर्णिमा

पद्मेश न्यूज। लांजी। सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना गया है। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ आकाश में विराजमान होता है और उसकी शीतल चांदनी अमृत के समान मानी जाती है। इस पावन अवसर पर भगवान की आराधना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान करने की परंपरा है। इसी धार्मिक आस्था और श्रद्धा के साथ कोटेश्वर मंदिर के सामने स्थित सिद्ध धूनी दरबार में 25 अक्टूबर की रात्रि शरद पूर्णिमा पर्व मनाया गया। इस अवसर पर दरबार के सेवकों एवं श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ

कर सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। शरद पूर्णिमा के अवसर पर सिद्ध धूनी दरबार में रात्रि के समय धार्मिक कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ की गई। इसके पश्चात दरबार के सेवकों द्वारा सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ किया गया। सुंदरकांड की चौपाइयों और भगवान श्रीराम एवं हनुमानजी की आराधना से धूनी दरबार का वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ में शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित किया। सुंदरकांड पाठ के समापन के पश्चात आरती की गई और उपस्थित श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान पंडित विश्वनाथ तिवारी महाराज, नारायणदत्त छोटू खरगाल, नरेश कुमार डोलस, उमाकांत उपराडे, गोपाल बंटी सिल्हारे, राजेंद्र आसटकर, श्री मेहरबान, श्री ठाकरे, नवीन शिवनकर, लोकेश राजा मानकर, विकास छोटू आसटकर, अमित मुरकुटे, महेंद्र मस्के, मनोज किरनापूरे, साकेत आदमने, बंटी कौशल, फंदू दुरुगकर, शिवराम, रम्भू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

नप के 7 गांव 10 साल से बुनियादी सुविधाओं से वंचित

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव नगर परिषद में शामिल सात गांवों के नागरिक पिछले 10 वर्षों से बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं. कहीं घरों तक पहुंचने के लिए सड़कें नहीं हैं, तो कहीं नालियों और नियमित सफाई का अभाव है. घरकुल योजना की राशि और मकानों के पट्टों का मामला भी लंबित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं. इसके बावजूद जनप्रतिनिधियों और ठेकेदारों की दिवाली जोरदार होने का आरोप राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के गोंदिया जिला ओबीसी आघाड़ी अध्यक्ष तिरथ येटरे ने लगाया है. उन्होंने नगर परिषद के कामकाज पर सवाल उठाते हुए पूछा कि विकास के नाम पर आखिर चल क्या रहा है.

नगर परिषद क्षेत्र के कुछ हिस्सों में नागरिकों के मकान तो हैं, लेकिन घरों तक पहुंचने के लिए पक्की सड़कों का अभाव है. वहीं, गंदे पानी की निकासी के लिए नालियां नहीं होने से नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है. बारिश के दौरान कीचड़ और जलनिकासी की समस्या से लोगों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं. नगर परिषद में शामिल होने के बावजूद नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, तो विकास का लाभ आखिर किसे मिल रहा है, यह सवाल उठाया जा रहा है. जरूरतमंद परिवारों को घरकुल योजना का लाभ और स्वीकृत किस्तें समय पर नहीं मिलने की शिकायतें हैं. इसके अलावा कई नागरिकों के मकानों के पट्टों का मामला भी लंबित होने का आरोप है. अपने घर के अधिकार और आर्थिक सहायता की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को आखिर कब राहत मिलेगी, यह सवाल बना हुआ है.

सफाई के नाम पर कचरे के ढेर

गांवों के विभिन्न हिस्सों में कचरा जमा होने और दुर्गंध से नागरिकों को परेशानी होने की शिकायतें सामने आ रही हैं. कचरे का नियमित संकलन और उचित निपटान नहीं होने से स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं. नागरिकों का कहना है कि स्वच्छता अभियान केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका असर जमीन पर भी दिखाई देना चाहिए.

रोजगार गारंटी के कामों का अभाव

स्थानीय मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रोजगार गारंटी योजना के तहत काम शुरू करना जरूरी है. लेकिन संबंधित क्षेत्रों में काम उपलब्ध नहीं होने की शिकायतों से मजदूरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा होने की बात कही जा रही है. पात्र मजदूरों को काम उपलब्ध कराने और उनकी मांगों पर कार्रवाई करने की आवश्यकता है.

10 साल बाद भी सवाल बरकरार

नगर परिषद में शामिल सात गांवों के नागरिकों को एक दशक बाद भी सड़क, नाली, स्वच्छता, घरकुल, मकानों के पट्टे और रोजगार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. इन शिकायतों पर नगर परिषद प्रशासन को अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए. अब देखना यह है कि प्रशासन इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाता है या नागरिकों को आगे भी बुनियादी सुविधाओं के लिए इंतजार करना पड़ेगा.

आज निकलेगी सत्य साई प्रेम प्रवाहिनी रथयात्रा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सत्य साई संगठन, तिरोड़ा की ओर से सत्य साई प्रेम प्रवाहिनी रथयात्रा का आयोजन मंगलवार, 27 अक्टूबर को किया गया है. यात्रा के माध्यम से प्रेम, शांति और निःस्वार्थ सेवा का संदेश दिया जाएगा.

रथयात्रा दोपहर 3.30 बजे अशोक वार्ड स्थित साई सेंटर, रमेशचंद्र असाटी (साई विला) तथा हनुमान मंदिर से निकलेगी. यात्रा अशोक वार्ड, स्नेहल टॉकीज, नगर परिषद बगीचा, शीतला माता मंदिर, मोहनलाल चौक, पुलिस स्टेशन, आभास झेरॉक्स और चंद्रभागा रोड होते हुए ड्रीम गार्डन पहुंचेगी. आयोजकों ने नागरिकों से रथयात्रा में बड़ी संख्या में शामिल होकर प्रेम, शांति और सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की है.

गोंगले पांढरी में गरीबों को दिया जा रहा कम राशन

ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के गोंगले पांढरी के राशन दुकानदार द्वारा प्राथमिकता परिवारों के लाभार्थियों को मंजूर राशन से दो से तीन किलो अनाज कम दिए जाने का ग्रामीणों ने आरोप लगाया है. इस राशन दुकानदार की जांच कर कार्रवाई करने की मांग ग्रामीणों ने तहसीलदार को दिए गए ज्ञापन में की है. कोरोना महामारी के दौरान देश में लॉकडाउन की स्थिति निर्मित होने के बाद रोजगार के अभाव में जरूरतमंद लोगों को राशन दुकानों के माध्यम से मुफ्त खाद्यान्न वितरण योजना केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई. इसे आगे पांच वर्षों के लिए बढ़ाया गया. लेकिन राशन दुकानदार द्वारा लाभार्थियों को मंजूर राशन से कम वजन का अनाज दिए जाने की शिकायतें दिन-ब-दिन बढ़ रही हैं. गोंगले के राशन कार्ड लाभार्थियों ने हाल ही में तहसीलदार को दी गई लिखित शिकायत के अनुसार राशन दुकानदार द्वारा प्राथमिकता परिवारों के लाभार्थियों को नियमित रूप से परेशान किया जाता है और उनके साथ गड़बड़ी की जाती है. शिकायत के अनुसार उक्त राशन दुकानदार सरकार द्वारा तय वजन से कम वजन का अनाज देता है तथा नियमित रूप से दुकान न खोलने और अनाज का स्टॉक समय पर उपलब्ध न कराने आदि की शिकायतें की हैं. उक्त राशन दुकानदार की उचित जांच कर कार्रवाई करने की मांग ग्रामीणों ने की है.

तीन युवक व वृद्ध महिला ने गटका जहर

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में 3 युवक और वृद्ध ने जहर गटककर खुदकुशी करने का प्रयास किया. जिसमें आमगांव तहसील अंतर्गत ग्राम गोरठा निवासी कार्तिक राजकुमार चुटे (24) ने ग्राम गिधाडी परिसर में जहर गटककर खुदकुशी करने का प्रयास किया. इसके बाद उसे शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में भर्ती किया गया. ऐसी ही दूसरी घटना गोरेगांव तहसील अंतर्गत म्हसगांव में सामने आई. इस घटना में भूपेंद्र लालदास शहारे (40) ने जहर गटककर खुदकुशी करने का प्रयास किया. इसके बाद उसे शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में भर्ती किया गया. इसके अलावा आमगांव तहसील अंतर्गत ग्राम पाऊलदौना निवासी जयवंता नागोराव वाढई (65) ने जहर गटककर खुदकुशी करने का प्रयास किया. इसके बाद उसे शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में भर्ती किया गया. वहीं सड़क अर्जुनी तहसील अंतर्गत ग्राम कोसमतोंडी निवासी उमेश गुरुचरण वैद्य (42) ने जहर गटक लिया. इसके बाद उसे शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में भर्ती किया गया. चारों घटनाओं को लेकर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

मोटरसाइकिल की टक्कर से व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सालेकसा थाने के तहत पानगांव निवासी फिर्यादी नायब धनराज गेंदलाल श्रीभाद्रे (58) अपनी कपड़े प्रेस की दुकान बंद कर ग्राम पानगांव साइकिल से जा रहा था. इसी बीच ग्राम रोंढा गांव के पास अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने अपनी मोटरसाइकिल लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए फिर्यादी की साइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार वानखेडे कर रहे हैं.

फांसी लगाकर युवकी ने की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर थाने के तहत नुरी चौक निवासी आशिफ अलताफ खान (25) ने कैफे में अपने रहने वाले रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. फिर्यादी दीपक चौधरी (25) की शिकायत पर शहर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार कुसराम कर रहे हैं.

मोटरसाइकिल चालक पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। डुग्गीपार थाने के तहत नवेगांवबांध से कोहमारा मार्ग पर छोटा गोंदिया निवासी राहुल राजेश खन्ना (28) अपनी मोटरसाइकिल शराब के नशे चलाते हुए पाया गया. फिर्यादी पुलिस उपनिरीक्षक संजय संतोषवार की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार उईके कर रहे हैं.

हाथठेला चालक पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर में यातायात व्यवस्था बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस ने यादव चौक निवासी एक हाथठेला चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है. आरोपी यादव चौक से बापूजी व्यायामशाला चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर कबाड़ सामग्री रखकर यातायात में बाधा उत्पन्न कर लोगों की जान को खतरे में डाल रहा था. आरोपी का नाम यादव चौक निवासी प्रदीप छुरा (35) बताया गया है. जांच हवलदार राजेश पुराम कर रहे हैं.

पेंशन की लंबित मांगों को लेकर 2 नवंबर को धरना आंदोलन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सेवानिवृत्त शिक्षक, प्रधानाध्यापक, केंद्रप्रमुख, स्वास्थ्य कर्मचारी व शिक्षकेतर कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर जिला पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से 2 नवंबर को दोपहर 1 बजे जिला परिषद कार्यालय के सामने धरना आंदोलन किया जाएगा. संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगों का निराकरण नहीं होने पर आगामी दिनों में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। संगठन के अनुसार, ज्ञापन, चर्चा और पेंशन अदालत के माध्यम से लगातार प्रयास करने के बावजूद कई मांगें अब तक लंबित हैं. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को हर महीने पेंशन मिलने में देरी हो रही है. संबंधित विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से संपर्क करने के बाद भी सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने की शिकायत संगठन ने की है. संगठन की प्रमुख मांग है कि अक्टूबर 2026 की पेंशन दिवाली से पहले 1 तारीख को जारी की जाए तथा भविष्य में हर महीने की पेंशन ई-कुबेर प्रणाली के माध्यम से 1 तारीख को ही जमा की जाए. इसके अलावा मार्च 2026 से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक व कर्मचारियों को उपदान, शिक्षकेतर कर्मचारियों के बकाया लाभ तथा पेंशन के अंशराशीकरण की राशि तत्काल देने की मांग की गई है. जिला पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एल. एफ. गिरहेपुंजे, एस. डी. पटले, नाननबाई बिसेन, डी. टी. कावले, पी. डी. पारधी, सचिव अजय चौरे सहित संगठन के पदाधिकारियों ने सभी सेवानिवृत्त शिक्षक, मुख्याध्यापक, केंद्रप्रमुख, स्वास्थ्य व शिक्षकेतर कर्मचारियों से आंदोलन में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। सेवानिवृत्त शिक्षक, मुख्याध्यापक और केंद्रप्रमुखों के 24 वर्ष के लाभ संबंधी प्रस्ताव मंजूर कर संबंधित तिथि से लाभ देने की मांग भी की गई है. साथ ही 12 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले पात्र शिक्षकों के वरिष्ठ वेतनश्रेणी के लंबित प्रस्ताव मंजूर कर बकाया राशि देने तथा स्वयंघोषित प्रमाणपत्र के आधार पर पात्र शिक्षकों को वरिष्ठ और चयनश्रेणी का लाभ देने की मांग उठाई गई है।

कोजागिरी की चांदनी में तिरोड़ा में सजा काव्य का महाकुंभ

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शरद पूर्णिमा (कोजागिरी) के पावन अवसर पर तिरोड़ा में काव्य और साहित्य का अनूठा उत्सव देखने को मिला. जिला परिषद उत्तर बुनियादी शाला के प्रांगण में भव्य दो दिवसीय स्वास्थ्य महाशिविर व कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया. कोजागिरी की चांदनी और उत्सवी माहौल के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में साहित्यप्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही.

कवि सम्मेलन की अध्यक्षता सांसद राजेंद्र जैन ने की. उद्घाटन राज्य मंत्री व भंडारा जिले के पालकमंत्री डा. पंकज भोयर, विधायक विनोद अग्रवाल तथा कार्यक्रम के आयोजक विधायक विजय रहांगडाले की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ. इस अवसर पर मान्यवरों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. सांसद राजेंद्र जैन ने कहा कि कविता केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि समाज की वास्तविकता, मानवीय संवेदनाओं, प्रेम, प्रकृति, देशभक्ति और सामाजिक चेतना की अभिव्यक्त करने का प्रभावी माध्यम है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कवि सम्मेलन तिरोड़ा और आसपास के क्षेत्र के साहित्यप्रेमियों के लिए एक विशेष अवसर साबित होगा. इस अवसर पर अशोक असाटी, रजनी कुंभारे, तेजराम चव्हाण, पंकज रहांगडाले, दुर्गाप्रसाद ठाकरे, डा. अविनाश जायस्वाल, माधुरी रहांगडाले, तुमेश्वरी बघेले, पवन पटले, छत्रभुज बिसेन, राजेश गुनेरिया, भूमेश्वर रहांगडाले, देवेंद्र तिवारी, उमाभाऊ हारोडे, विजय राणे, अजय गौर, मदन पटले सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

गरबा-दांडिया स्पर्धा में नागपुर के S.K. ग्रुप ने मारी बाजी

विधायक सांस्कृतिक महोत्सव को उत्स्फूर्त प्रतिसाद

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। नवरात्रोत्सव के अवसर पर विधायक सांस्कृतिक महोत्सव के तहत तेजस्विनी लॉन के सामने आयोजित रास गरबा-दांडिया स्पर्धा को नागरिकों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला. प्रतियोगिता में नागपुर के स्.च. दांडिया ग्रुप ने प्रथम स्थान हासिल करते हुए 41 हजार रु. नकद व शील्ड अपने नाम की.द्वितीय पुरस्कार गडचिरोली के स.क्र दांडिया ग्रुप को 31 हजार रु. व शील्ड, तृतीय पुरस्कार चिमूर के ॥.ह. बॉयज ग्रुप को 21 हजार रु. व शील्ड तथा चतुर्थ पुरस्कार साकोली के राजप्रिय ग्रुप को 11 हजार रु. प्रदान किए गए. प्रोत्साहन पुरस्कार यूनिक दांडिया ग्रुप सेंदूरवाफा, विन्स दांडिया ग्रुप अर्जुनी मोरगांव, आराध्य देवी दांडिया ग्रुप नागपुर और लावण्य दांडिया ग्रुप भंडारा को मिला. अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक व पूर्व मंत्री इंजि. राजकुमार बडोले की संकल्पना से आयोजित इस स्पर्धा में गोंदिया सहित नागपुर, गडचिरोली, चिमूर व भंडारा के विभिन्न समूहों ने हिस्सा लिया. हजारों दर्शकों की मौजूदगी में प्रतिभागियों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों से खूब वाहवाही बटोरी. पुरस्कार वितरण नगराध्यक्ष तेजराम मडावी, भाजपा जिला महामंत्री प्रशांत शहारे, महिला अध्यक्ष शीतल गौर, पार्षद महेंद्र वंजारी, हितेश डोंगरे और ज्योती जांभुलकर सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ. प्रतियोगिता का परीक्षण विक्की सय्याम व प्रियंका कोरे ने किया.

छायाचित्र = 26 गोहद्दग 05

शरीर पर चिपकाकर गांजा ले जा रहे दो आरोपी गिरफ्तार

रेलटोली रेलवे स्टेशन के पास एलसीबी की कार्रवाई - मोपेड सहित 1.68 लाख का माल जब्त

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपी शरीर पर प्लास्टिक चिपकाकर गांजा छिपाकर ले जा रहे थे. पुलिस ने उनके पास से 2 किलो 915 ग्राम गांजा, एक मोपेड व अन्य सामग्री सहित कुल 1 लाख 68 हजार 250 रु. का माल जब्त किया है. यह कार्रवाई 25 अक्टूबर की रात गोंदिया के रेलटोली रेलवे स्टेशन से रेस्ट हाउस की ओर जाने वाले मार्ग पर की गई.

पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के निर्देश पर स्थानीय अपराध शाखा की टीम अवैध कारोबार के खिलाफ गश्त कर रही थी. इसी दौरान सूचना मिली कि दो व्यक्ति दोपहिया वाहन से गांजा लेकर बिक्री के लिए जा रहे हैं. सूचना के आधार पर पुलिस ने संबंधित मार्ग पर नाकाबंदी की और कुछ समय बाद पहुंचे दो संदिग्धों को रोककर तलाशी ली. पुलिस के अनुसार, आरोपियों का नाम मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के शिवणघाट निवासी गोमाजी भागन चौधरी (52) व लक्ष्मीचंद बघेले (52) बताया गया है. तलाशी के दौरान दोनों के शरीर पर प्लास्टिक चिपका हुआ मिला. प्लास्टिक खोलने पर उसमें गांजा बरामद हुआ. इसके अलावा उनके पास मौजूद थैलों में रखे तीन टिफिन डिब्बों से भी गांजा मिला. जब्त गांजे की कीमत 1 लाख 45 हजार 750 रु., मोपेड की कीमत 20 हजार रु. और अन्य सामग्री की कीमत 2,500 रु. बताई गई है. दोनों आरोपियों के खिलाफ रामनगर थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें रामनगर पुलिस को सौंप दिया गया. यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के नेतृत्व में स्थानीय अपराध शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक अमरदीप खाडे, सहायक फौजदार राजू मिश्रा, हवलदार तुलसीदास लुटे, महेश मेहर, प्रकाश गायधने, सिपाही राकेश इंदुरकर, कुणाल बारेवार, निखिल मेश्राम, राम खंदारे ने की.

सौंदड़ फ्लाईओवर का ब्रेकर बना हादसों का हॉटस्पॉट

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। मुंबई-कोलकाता राष्ट्रीय महामार्ग क्र. 53 पर सौंदड़ फ्लाईओवर के पास बनाया गया ब्रेकर वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित होने का आरोप लगाया जा रहा है. फ्लाईओवर की एक तरफ से यातायात शुरू होने के बाद यहां बार-बार दुर्घटनाएं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले एक महीने में दो से तीन लोगों की जान जा चुकी है. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और संबंधित एजेंसी कब जागेगी?

14 अक्टूबर को सोलापुर से चीकू लेकर जा रहा ट्रक क्र. एमएच 04 जीसी 9436 सौंदड़ फ्लाईओवर के पास ब्रेकर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. हादसे में चालक नागनाथ कराडे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि क्लीनर अनिकेत उदावडे का पैर टूटने की जानकारी है. इसी स्थान पर कार क्र. एमएच 10 डीजी 2081 के चालक भास्करराव अण्णा ने ब्रेकर के कारण वाहन की गति कम की, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में कार को भारी नुकसान पहुंचा. वाहन चालकों का कहना है कि ब्रेकर के पास अचानक गति कम करने के कारण पीछे से आने वाले भारी वाहनों से टक्कर का खतरा बढ़ जाता है. 24 अक्टूबर की सुबह नागपुर से रायपुर की ओर जा रहे एक ट्रेलर ने ब्रेकर के पास गति कम की. इसी दौरान एक कार को बचाने के प्रयास में पीछे से आ रहे ट्रक क्र. एमएच 40 एके 4084 ने ट्रेलर को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेलर और ट्रक दोनों पलट गए. हादसे में ट्रक को भारी नुकसान पहुंचा. एक ही स्थान पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं से ब्रेकर की बनावट और सुरक्षा उपायों पर सवाल उठ रहे हैं. यहां पर्याप्त संकेतक, रात में दिखाई देने वाले रिफ्लेक्टर और पहले से सावधान करने वाले बोर्ड लगाए गए हैं या नहीं, इसकी जांच की मांग की जा रही है. अब सौंदड़ फ्लाईओवर के पास दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ह्ॠ़ और संबंधित विभाग क्या कदम उठाते हैं, इस पर नागरिकों और वाहन चालकों की निगाहें टिकी हैं।

कृति, वाणी व लेखनी प्रभावी शस्त्र - प्रा. अनिल जोशी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मातृभूमि की रक्षा के लिए जागरूक व संगठित समाज का होना आवश्यक है. कृति, वाणी और लेखनी का प्रभावी उपयोग कर हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखा जा सकता है. यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बौद्धिक प्रमुख प्रा. अनिल जोशी ने अर्जुनी मोरगांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रभात शाखा की ओर से आयोजित विजयादशमी व शस्त्रपूजन उत्सव में व्यक्त किए. कार्यक्रम में तहसील संघचालक पंढरी काशीवार व प्रमुख अतिथि डा. भारत राठोड उपस्थित थे. प्रा. जोशी ने कहा कि समय के साथ आक्रमणों का स्वरूप बदल गया है. आज जीवनमूल्यों का ह्रास और संस्कारक्षम परिवार व्यवस्था का कमजोर होना समाज के सामने बड़ी चुनौती है. इन मूल्यों की रक्षा में मातृशक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है. इसके लिए

पुरुष शक्ति का सहयोग और सहभाग भी जरूरी है. इस अवसर पर डा. भारत राठोड ने संघ के 100 वर्षों के इतिहास, व्यक्तिनिर्माण और राष्ट्रभक्ति के विषय पर मार्गदर्शन किया. कार्यक्रम से पहले दुर्गा चौक से आयोजन स्थल तक गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने पथसंचलन किया. शहर में विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पथसंचलन का स्वागत किया. अतिथियों के हाथों शस्त्रपूजन किया गया. प्रास्ताविक तहसील कार्यवाह देवानंद गजापुरे ने किया. उत्सव में तहसील क्षेत्र के स्वयंसेवक और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

पार्टी की मजबूती के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाएं - सांसद राजेंद्र जैन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, अधिकाधिक महिलाओं से संवाद स्थापित करने और पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। यह आह्वान सांसद राजेंद्र जैन ने किया। वे गोंदिया के रेलटोली स्थित राष्ट्रवादी कांग्रेस भवन में आयोजित पार्टी की महिला जिला कार्यकारिणी की विस्तारित बैठक में मार्गदर्शन कर रहे थे। बैठक में जिलाध्यक्ष प्रेमकुमार रहांगडाले तथा महिला जिलाध्यक्ष रजनी गिर्हेपुंजे प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर नवनियुक्त महिला जिलाध्यक्ष रजनीताई गिर्हेपुंजे का अभिनंदन किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने उन्हें आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

सांसद जैन ने कहा कि स्थानीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने, अधिकाधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ने तथा बूथ समितियों में सक्रिय और उत्साही महिला कार्यकर्ताओं को स्थान देने की आवश्यकता है। सभी पदाधिकारी एकजुट होकर पार्टी संगठन के विस्तार के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सांसद प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व में पार्टी की विचारधारा और नीतियों पर विश्वास रखते हुए कार्यकर्ता संगठित रूप से काम कर रहे हैं। महायुति सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। इन विकास संबंधी योजनाओं और नीतियों की जानकारी महिलाओं तक पहुंचाते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए महिला पदाधिकारी निरंतर प्रयास करें। बैठक में केतन तुरकर, राजू एन. जैन, माधुरी नासरे, डॉ. अविनाश काशीवार, डी. यू. रहांगडाले, यशवंत गणवीर, सुनील पटले, मंजुषा बारसागड़े, सुधाताई रहांगडाले, अश्विनीताई पटले, प्रियाताई हरिनखेड़े, निर्मला मिश्रा, ममता बैस, कीर्ति पटले सहित बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारी उपस्थित थीं।

हरमनप्रीत महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली दूसरी बल्लेबाज बनीं

वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ने के बाद शानदार शतक लगाकर मिताली राज का रिकार्ड तोड़ा है। हरमनप्रीत ने ये शतक जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में लगाया है। हरमनप्रीत अपनी इस पारी के साथ ही भारतीय महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गयी हैं।

हरमनप्रीत ने इस मैच में केवल 101 गेंदों पर ही शतक लगाया। वह 121 गेंदों पर 126 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। इससे साफ है कि कप्तानी का दबाव समाप्त होने से उनकी बल्लेबाज पहले के रंग में आ गयी है।

इस शतकीय पारी के साथ ही हरमनप्रीत ने भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास में एक नई उपलब्धि हासिल की है। यह उनके एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय करियर का आठवां शतक है। इस उपलब्धि के साथ ही हरमनप्रीत ने भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मिताली को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम महिला एकदिवसीय क्रिकेट में 7 शतक हैं। अब भारत की ओर से महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में स्मृति मंधाना 14 शतकों के साथ पहले स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि हरमनप्रीत अब 8 शतकों के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। वहीं मिताली तीसरे स्थान पर आ गई हैं। हरमनप्रीत की यह उपलब्धि भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गई है।वहीं इससे पहले खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले में भी हरमनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन कर 91 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी।

इरफान पठान 42 साल के हुए

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान मंगलवार को 42 साल के होग गये। इस अवसरा पर उन्हें प्रशंसकों और साथ खिलाड़ियों ने बधाई दी है। इरफान ने काफी कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। 27 अक्टूबर 1984 में वडोदार में जन्मे पठान ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कई असाधारण मुकाम हासिल किए। वह टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने और 2007 के टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की जीत में उनकी अहम भूमिका रही।

अपनी असाधारण प्रतिभा और गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की क्षमता के बल पर इरफान ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उन्हें पहले भारत की अंडर-15 टीम में शामिल किया गया, जहाँ उन्होंने अपनी गेंदबाजी से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। इसके बाद, उन्होंने अंडर-19 टीम में भी जगह बनाई और घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाने की राह प्रशस्त की।

इरफान ने टीम इंडिया के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच

ऑस्ट्रेलिया की धरती पर मिला। अपने टेस्ट डेब्यू में भले ही वे कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए पर इसके बाद उनका प्रदर्शन निरंतर बेहतर होता गया। साल 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही उन्होंने अपना वनडे डेब्यू भी किया।

उनके करियर का सबसे बड़ा पल साल 2006 में आया, जब उन्होंने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ कराची में एक टेस्ट मैच में लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर सनसनी मचा दी। यह उपलब्धि उन्हें टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाला पहला भारतीय तेज गेंदबाज बनाती है, जिसने उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज कर दिया।

गेंदबाजी के साथ-साथ, इरफान ने अपनी बल्लेबाजी क्षमता से भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया, जिससे वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभरे। पठान ने भारत के लिए 29 टेस्ट मैचों में 100 विकेट लेने के साथ-साथ 1105 रन भी बनाए। 120 वनडे मैचों के अपने करियर में, उन्होंने 173 विकेट और 1,544 रन बनाए। वहीं, क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप, टी20 में, उन्होंने 24 मुकाबलों में 28 विकेट लिए और 172 रन बनाए।

विराट, रोहित और बुमराह को नहीं मिली जगह

रहाणे ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में धवन, द्रविड, धोनी और सचिन को किया शामिल

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश की घोषणा की है। रहाणे ने अपनी टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर मुरली विजय और शिखर धवन को रखा है। वहीं नंबर तीन पर 'द वॉल' राहुल द्रविड़ को जगह मिली, जबकि चौथे नंबर पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को रखा हैं। रहाणे ने स्वयं अपने को नंबर पांच पर रखा है जबकि टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी गई, जो नंबर छह पर बल्लेबाजी करते हैं। धोनी को कप्तान चुनने का कारण बताते हुए रहाणे ने कहा कि वह उनके पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। हैरानी की बात है कि रहाणे की इस टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और चैतेश्वर पुजारा जैसे दिग्गजों को जगह नहीं मिली है। इसके लेकर रहाणे का कहना है कि उन्होंने केवल उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया है जिनके साथ उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू करियर में खेला है।

वहीं रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की जोड़ी को स्पिन गेंदबाजी और ऑल-राउंडर विकल्पों के रूप में शामिल किया गया, जो अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा को सौंपी है। यह तीनों गेंदबाज उस भारतीय टीम का अभिन्न हिस्सा थे जिसने 2018 के बाद से तेज गेंदबाजी पर विशेष ध्यान देना शुरू किया और विदेशी धरती पर भारत को कई यादगार टेस्ट जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह तिकड़ी अपनी गति, स्विंग और सटीकता के लिए जानी जाती थी।यह स्वाभाविक था कि जब इस एकादश में विराट र रोहित से आधुनिक युग के दो सबसे बड़े नामों को नहीं देखा गया, तो क्रिकेट प्रशंसक और विशेषज्ञ दोनों ही आश्चर्यचकित रह गए। जिसके लिए रहाणे ने कहा कि उन्हीं को इस टीम में रखा गया है जो उनके साथ खेले थे। गौरतलब है कि रहाणे ने इसी साल जुलाई में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। वहीं संन्यास के बाद, विराट ने सोशल मीडिया पर रहाणे की जमकर तारीफ की थी। कोहली ने लिखा था कि रहाणे उनके सबसे पसंदीदा टेस्ट बल्लेबाजी पार्टनर और स्लिप में सबसे सुरक्षित जोड़ीदार थे, और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए शानदार योगदान दिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि मैदान पर भले ही रहाणे ने अपनी विशेष एकादश में कुछ खिलाड़ियों को शामिल न किया हो, लेकिन आपसी सम्मान और भाईचारा हमेशा बना रहता है

मुंबई इंडियंस को फिर विजेता बनाने कमियों को दूर करना होगा -पोलार्ड

मुम्बई । मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच बने वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड ने माना है कि टीम में कुछ कमजोरियों आई है जिन्हें नये सत्र से पहले दूर करने का प्रयास किया जाएगा। पोलार्ड का कहना है कि वह फिर भी टीम को शीर्ष पर पहुंचा चाहते है पर इसके लिए सभी को अपनी कमियों को दूर करना होगा। उन्होंने माना है कि पिछले कुछ सत्र में टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है और अब समय आ गया है कि इन बातों पर ध्यान दिया जाये। पोलार्ड का मानना है कि टीम को दोबारा निडर और दमदार क्रिकेट खेलना खेलना जो कि मुंबई इंडियंस की अब तक की पहचान रही है।पोलार्ड को महेला जयवर्धने की जगह पर कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। पोलार्ड का मुंबई इंडियंस और उसकी सहयोगी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ाव आईपीएल 2010 से ही रहा है।

गौरतलब है कि एक खिलाड़ी के तौर पर पोलार्ड मुंबई इंडियंस के पांच आईपीएल खिताबी अभियानों का अहम हिस्सा रहे हैं। टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में आईपीएल ट्रॉफी जीती थी, जिसमें उनका योगदान असाधारण रहा। इसके अतिरिक्त, वह 2011 और 2013 में मुंबई की चैंपियंस लीग टी20 खिताबी जीत में भी शामिल थे। उन्होंने आईपीएल में कुल 189 मैच खेले हैं, जिसमें 3412 रन बनाए और 69 विकेट अपने नाम किए, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दिखाता है।फ्रेंचाइजी के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में पोलार्ड ने प्रशंसकों से बात करते हुए कहा, एक टीम के तौर पर हमें यह समझना होगा कि हम उतने शानदार नहीं रहे, जितना आप हमें देखना चाहते हैं। बेहतर बनने की दिशा में पहला कदम इस बात को स्वीकार करना है। उन्होंने अपने वफादार प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे आने वाले समय में फिर से वही जुनून और यादगार पल देखना चाहते हैं, जो टीम ने अतीत में दिए हैं। पोलार्ड ने जोर देकर कहा कि टीम को सबसे पहले यह समझना होगा कि वे किसके लिए खेल रहे हैं। अपने प्रशंसकों और शहर के लिए। गौरतलब है कि मुख्य कोच के तौर पर पोलार्ड का पहला काम टीम की समस्याओं को पहचानना और उन्हें दूर करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब व्यक्तिगत हितों से ऊपर टीम को रखा जाएगा और विरोधी टीमों को मुंबई इंडियंस की पुरानी ताकत का एहसास कराया जाएगा। अपने नए पद को खास अनुभव बताते हुए पोलार्ड ने कहा कि अभी तक यह पूरी तरह से उनके दिमाग में नहीं बैठा है कि वह अब मैदान के दूसरी तरफ इस भूमिका में हैं। हालांकि, उनकी जीतने की भूख में कोई कमी नहीं आई है और आग पहले की तरह ही जलती रहेगी, भले ही अब वह मैदान से थोड़ी दूर रहेंगे।पोलार्ड के पास इंग्लैंड की द हंड्रेड प्रतियोगिता में एमआई लंदन के मुख्य कोच के रूप में फ्रेंचाइजी कोचिंग का अनुभव पहले से है। उन्होंने महेला जयवर्धने के साथ काम करने के अनुभव को भी अहमबताया, जिससे उन्हें खेल की नई समझ मिली।

वैभव के भाई आशीर्वाद ने घरेलू क्रिकेट में लगाया शतक

नई दिल्ली। भारतीय टीम के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर गये वैभव सूर्यवंशी के छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी ने घरेलू क्रिकेट में जबरदस्त पारी खेली है। आशीर्वाद ने हाल ही में एक मैच में आक्रामक शतक लगाते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी है। आशीर्वाद ने केवल 87 गेंदों पर नाबाद 107 रन की पारी खेली और अपने बल पर ही टीम को 2 विकेट से यादगार जीत दिला दी। आशीर्वाद ने अपनी इस पारी में 14 चौके और 4 छक्के लगाये। आशीर्वाद के अलावा इस मैच में उनकी टीम के अन्य बल्लेबाज विफल रहे और 20 रनों तक भी नहीं पहुंच पाये। आशीर्वाद की बल्लेबाजी और शतक का जश्न मनाते हुए का वीडियो भी परिवार ने सोशल मीडिया में साझा किया है जो तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, दोनों भाइयों के खेलने का तरीका काफी अलग है। जहां वैभव बाएं हाथ से बल्लेबाजी करने के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं, वहीं आशीर्वाद दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं।

रियल मैड्रिड की ओर 100 गोल करने के बाद बोले एमबाप्पे, ये अभी शुरुआत है

बार्सिलोना। फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे ने यहां ला लीगा फुटबॉल में अपने 100 गोल पूरे कर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। एमबाप्पे ने रियल मैड्रिड की ओर से खेलते हुए एफसी बार्सिलोना के खिलाफ दो गोल कर अपनी टीम को 2-1 से जीत के दौरान ही अपने 100 गोल पूरे किये हैं। इस सफलता के बाद एमबाप्पे ने कहा कि ये तो अभी शुरुआत है आने वाले समय में तो क्लब के लिए कई और गोल होने हैं। उन्होंने अपने 116वें मैच में यह मुकाम हासिल किया, जो उनकी असाधारण खेल क्षमता का प्रमाण है।

रियल मैड्रिड की ओर से 100 गोल पूरे करने के बाद एमबाप्पे ने खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं। सभी जानते हैं कि मुझे गोल करना और इस तरह टीम की सहायता करना पसंद है। उन्होंने इसके साथ ही यह भी जोड़ा कि यह उनके लिए बस एक छोटी सी बात है। साथ ही कहा, सबसे अहम चीज टीम की जीत और पूरी टीम की मेहनत है। इस जीत से टीम का मनोबल बढ़ेगा, और आगे भी कई गोल होंगे, इसलिए यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने एक मजबूत खेल दिखाया और एकजुट होकर प्रदर्शन किया। एमबाप्पे ने कहा कि टीम ने सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरकर अपना पूरा जोर लगा दिया। एमबाप्पे के रियल मैड्रिड की ओर से 100 गोलों में लीग में 67, चैंपियंस लीग में 25, कोपा डेल रे में 4, क्लब विश्व कप में 2, यूईएफए सुपर कप में 1 और स्पेनिश सुपर कप में 1 गोल शामिल हैं।

एसए20 लीग के पांच सत्र में खेलते दिखेंगे कई दिग्गज क्रिकेटर

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के ऑलराउंडर कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा। मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकॉक, मैथ्यू ब्रीज्के, जॉर्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन

की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा।वहीं पिछले सत्र की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में अहम बदलाव किए हैं।

उन्हें शीर्ष क्रम में इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट और ऑस्ट्रेलिया के मैट शॉर्ट जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल गए हैं। कैपिटल्स के पास पहले से ही डेवाल्ड ब्रेविस, शेरफान रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल और कोनोर ईस्टरहुइजेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी और भी जबरदस्त दिख रही है। वहीं इग्लैंड के एक और ऑलराउंडर विल जैक्स अब कैपिटल्स से एमआई केपटाउन टीम में शामिल हो गए हैं। एसए20 लीग के कमिश्नर और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने इन बड़े खिलाड़ियों की मौजूदगी पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मिचेल मार्श, सैम कुरेन और फिल साल्ट जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का लीग में शामिल होना इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है। गौरतलब है कि एसए20 का अगला सत्र 17 जनवरी से शुरू होगा और क्रिकेट प्रशंसकों को लगभग एक महीने तक जोरदार मुकाबले देखने को मिलेंगे। लीग का फाइनल मुकाबला 21 फरवरी को केपटाउन में खेला जाएगा, जहाँ विजेता टीम ट्रॉफी उठाएगी।

पूर्व विश्व चैंपियन हाकिनेन को भारत में फॉर्मूला-1 मुकाबले फिर शुरु होने की उम्मीद

मुम्बई । फॉर्मूला-1 चालक और दो बार के विश्व चैंपियन फिनलैंड के मिका हाकिनेन को उम्मीद है कि भारत में मोटरस्पोर्ट के मुकाबले फिर शुरु होंगे। मिका ने कहा कि भारत के लोग भी फार्मूला-1 रेस देखना चाहते हैं। वहीं भारत सरकार भी देश में फॉर्मूला-1 की वापसी के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है, जिससे इस खेल की देश में वापसी की संभावनाएं बढ़ी हैं। हाकिनेन ने कहा, भारत में कई साल पहले रेस का आयोजन हुआ था और तब से ही लोगों का इसे आपार समर्थन मिला था। वहीं भारत दौरे के बाद बाद मैंने महसूस किया कि भारत में फॉर्मूला-1 के प्रशंसकों की संख्या बहुत बड़ी है। भारतीय इतिहास में दो चालकों की फॉर्मूला-1 में भागीदारी का भी जिक्र किया, जो भारत में रेस आयोजित करने की आवश्यकता को और पुष्ट करता है।

हाकिनेन ने कहा कि भारत में फॉर्मूला-1 रेस का आयोजन केवल एक खेल आयोजन नहीं होगा, बल्कि इससे देश को आर्थिक लाभ भी होंगे। गौरतलब है कि भारत में फॉर्मूला-1 रेस का आयोजन 2011 से 2013 तक लगातार तीन वर्षों में किया गया था। इन सभी तीनों सत्रों में रेड बुल के लिए जर्मनी के सेबेस्टियन वेटल ने विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता था। हाकिनेन जैसे दिग्गज के इस बयान से भारत में इस प्रतिष्ठित मोटरस्पोर्ट की वापसी की बहस और तेज हो गयी है। मिका हाकिनेन ने रेड बुल की असाधारण प्रगति और मैक्स वेरस्टापेन के प्रभावशाली प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि सत्र की शुरुआत के मुकाबले मैक्स अब ज्यादा खुश होंगे। मैं इस बात से प्रभावित हूं कि रेड बुल की टीम ने इतने कम समय में अपने प्रदर्शन और कार के विकास में इतना सुधार कैसे किया। मैक्स एक शानदार ड्राइवर हैं। यह दर्शाता है कि एक पूर्व चैंपियन होने के नाते वे खेल की बारीकियों पर पैनी नजर रखते हैं।

रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2-1 से हराया

बार्सिलोना। स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे के दो गोल की सहायता से रियल मैड्रिड ने ला लीगा फुटबॉल लीग में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी एफसी बार्सिलोना क्लब को 2-1 से हरा दिया। मैड्रिड की यह जीत कैंप नोउ में दर्ज की गई, जिसने टीम के आत्मविश्वास को और बढ़ाया है।मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। 41वें मिनट में रियल मैड्रिड को आखिरकार बढ़त मिली। वान डायोमांडे ने एक बेहतरीन क्रॉस दिया, जो डिफेंडर जेरार्ड मार्टिन से टकराकर किलियन एमबाप्पे के पास पहुंचा। एमबाप्पे ने बिना कोई गलती किए अपने दाएं पैर से गेंद को गोल में पहुंचा दिया, जिससे मैड्रिड ने 1-0 की बढ़त ले ली। इस बढ़त के ठीक दो मिनट बाद बार्सिलोना ने जवाबी हमला किया, लेकिन लामिन यमल करीब से गोल करने में विफल रहे।

दूसरे हाफ में भी रियल मैड्रिड ने अपनी मजबूत रक्षापंक्ति और तेज जवाबी हमलों से बार्सिलोना को लगातार दबाव में बनाए रखा। 56वें मिनट में जोआओ कैंसिलो द्वारा वान डायोमांडे पर एक जोरदार फाउल किया गया, जिसके बाद मैड्रिड के खिलाड़ियों ने रेड कार्ड की मांग की। डायोमांडे को चोट के कारण थोड़े समय के लिए मैदान से बाहर भी जाना पड़ा। इस घटना के पांच मिनट बाद, बार्सिलोना ने मैच में वापसी की, जब राफिन्हा ने शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 88वें मिनट में रियल की एमबाप्पे ने दूसरा गोल दागकर अपनी टीम को फिर बढ़त दिला दी जो अंत तक बनी रही।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज नॉर्टजे के बिना उतरेंगी दक्षिण अफ्रीका

केप टाउन । दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ग्रोइन में हल्की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। नॉर्टजे का बाहर होना अफ्रीकी टीम के लिए बड़ा झटका है। यह सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है और इस मैच में जीतने वाली टीम सीरीज विजेता बनेगी। ऐसे में हुए केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले जाने वाले इस मुकाबले में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। ऐसे में नॉर्टजे जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी अफ्रीकी टीम को खलेगी। नॉर्टजे की जगह पर अभी तक किसी अन्य गेंदबाज को शामिल नहीं किया गया है। इससे टीम के खिलाड़ियों पर दबाव और बढ़ गया है। नॉर्टजे को गकेबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट की पहली पारी में गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। बुधवार को चोटिल होने के बाद वह चौथे दिन सुबह अपने चौथे ओवर के बीच में ही मैदान छोड़कर चले गए थे। इसके बाद स्कैन जांच में उनकी चोट की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें निर्णायक मुकाबले से बाहर रखने का यह कठिन फैसला लिया गया।

नॉर्टजे के लिए यह चोट इसलिए भी निराशाजनक है, क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में लंबे अंतराल के बाद वापसी की थी। डरबन में सीरीज के पहले टेस्ट से पहले उन्होंने साढ़े तीन साल से ज्यादा समय तक टेस्ट नहीं खेला था। निर्णायक टेस्ट में नॉर्टजे की जगह भरने के लिए दक्षिण अफ्रीका के पास कुछ विकल्प मौजूद हैं। तेज गेंदबाजों में गेराल्ड कोएत्जी, ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश और डेन पैटरसन में से किसी एक को मौका मिल सकता है। हालांकि, इन खिलाड़ियों के पास टेस्ट मैचों का काफी कम अनुभव इनकी राह में बाधा बन सकता है। कोएत्जी ने करीब दो साल से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, जबकि बॉश और पैटरसन भी टीम के साथ पहले टेस्ट से मौजूद हैं लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला है।वहीं न्यूलैंड्स की पिच की प्रकृति और टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए, दक्षिण अफ्रीका की टीम बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी को अंतिम ग्यारह में शामिल करा सकती है। पिच की स्थिति स्पिनरों के अनुकूल होने पर यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव साबित हो सकता है। नॉर्टजे जैसे विश्व स्तरीय तेज गेंदबाज की अनुपस्थिति में, दक्षिण अफ्रीका के शेष गेंदबाजी आक्रमण पर अतिरिक्त जिम्मेदारी रहेगी कि वे ऑस्ट्रेलिया के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को नियंत्रित करें और विकेट हासिल करें।दक्षिण अफ्रीका की टीम में कप्तान टेम्बा बावुमा के अलावा मार्कस एकरमैन, डेविड बेडिंघम, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, गेराल्ड कोएत्जी, साइमन हार्मर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन और काइल वेरेन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन नॉर्टजे की जगह किस खिलाड़ी को अंतिम एकादश में शामिल करता है।

दीप्ति ने बनाये दो बड़े रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में अपनी शतकीय पारी के साथ ही दो-दो रिकार्ड बनाये हैं। इस मैच में दीप्ति ने नाबाद 106 रन बनाने के साथ ही अपना दूसरा शतक लगाया। इसके साथ ही दीप्ति छठे नंबर पर शतक लगाने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं। इसके साथ ही दीप्ति महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और मनोज प्रभाकर के साथह ही एक बेहद खास क्लब में भी पहुंच गयी हैं। दीप्ति महिला और पुरुष क्रिकेटरों में भारत की तीसरी ऐसी खिलाड़ी बन गई हैं, जिसने वनडे में 150 से अधिक विकेट लेने के साथ-साथ कम से कम दो शतक लगाये हैं। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो, क्रिकेट इतिहास में दो भारतीय खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर के नाम एकदिवसीयमें 154 विकेट और रिकॉर्ड 49 शतक दर्ज हैं।

नर्मदा में मिले इंदौर के 343 वोटर आईडी कार्ड, कांग्रेस ने लगाया 'वोट चोरी' का आरोप

मंडलेश्वर में घाटों की सफाई के दौरान मिले कार्ड; पुलिस ने जब्त कर शुरू की जांच, कांग्रेस ने एफआईआर और निष्पक्ष जांच की मांग की

इंदौर/खरगोन । खरगोन जिले के मंडलेश्वर में रविवार को नर्मदा नदी के घाट पर 343 वोटर आईडी कार्ड मिलने से हड़कंप मच गया। इंदौर की निस्वार्थ सामाजिक सेवा समिति के सदस्य घाटों की सफाई कर रहे थे, तभी उन्हें नदी किनारे ये कार्ड मिले। पुलिस ने कार्ड जब्त कर जांच शुरू कर दी है। कार्ड पर इंदौर के विभिन्न इलाकों के पते होने की बात सामने आई है। हालांकि, ये कार्ड यहां कैसे पहुंचे और इन्हें किसने फेंका, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है।

मंडलेश्वर की एसडीओपी श्वेता शुक्ला के मुताबिक, सूचना मिलने के बाद राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पंचनामा बनाकर कार्ड जब्त किए। मंडलेश्वर थाना प्रभारी पंकज तिवारी ने 343 वोटर आईडी कार्ड मिलने की पुष्टि की है। प्रशासन ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंदौर के अलग-अलग इलाकों के पते होने की जानकारी

पुलिस के अनुसार, कार्ड पर इंदौर के आस्था पैलेस, श्रद्धा पुरी और आकाश नगर सहित विधानसभा क्षेत्र इंदौर-4 (कोड क्र. 207) से जुड़े इलाकों के पते होने की बात सामने आई है। इन कार्डों को नदी तक कौन और किन परिस्थितियों में लाया, इसकी जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर नदी किनारे बिखरे वोटर आईडी कार्डों का एक वीडियो भी सामने आया है।

~ कांग्रेस ने उठाए सवाल, एफआईआर की मांग ~

मामले को लेकर कांग्रेस ने 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाइक ने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी संख्या में वोटर आईडी कार्ड एक ही जगह कैसे पहुंचे। उन्होंने मामले में विस्तृत जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मध्यप्रदेश कांग्रेस ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर मामला उठाते हुए निर्वाचन आयोग से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एफआईआर दर्ज करने की मांग भी की। पुलिस के मुताबिक, कांग्रेस की ओर से मिली लिखित शिकायत जांच के लिए मंडलेश्वर थाना प्रभारी को भेजी गई है।

~ प्रशासन ने जांच के लिए तहसीलदार को भेजा ~

एसडीएम पूर्वा मंडलोई के मुताबिक, मामले की पड़ताल के लिए तहसीलदार को भेजा गया है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वोटर आईडी कार्ड किसने और किन परिस्थितियों में नदी में फेंके थे।

किसानों के लिए आई खाद कहां जा रही थी? 2 दिन में 2,230 बोरी जब्त

खंडवा में तय ठिकाने के बजाय दूसरे स्थान पर मिले डीएपी से भरे 3 ट्रक; छतरपुर में 730 बोरी नकली खाद पकड़ी

भोपाल/इंदौर। किसानों के लिए भेजी जा रही खाद की सप्लाई में गड़बड़ी और नकली उर्वरक के कारोबार का खुलासा हुआ है। मध्यप्रदेश पुलिस और कृषि विभाग की संयुक्त कार्रवाई में दो दिन में खंडवा और छतरपुर से 2,230 बोरी खाद जब्त की गई। खंडवा में महाराष्ट्र से धारणी भेजी जा रही 1,500 बोरी डीएपी खाद के तीन ट्रक तय गंतव्य के बजाय खंडवा के रिछ्छीखेड़ा गांव में मिले। वहीं, छतरपुर में जांच के दौरान 730 बोरी नकली खाद पकड़ी गई। दोनों मामलों में खाद और वाहनों सहित करीब 67.25 लाख रुपए की सामग्री जब्त की गई है।

खंडवा में परमिट के पते से अलग जगह मिले तीन ट्रक

25 अक्टूबर को खालवा थाना क्षेत्र के रिछ्छीखेड़ा गांव में पुलिस और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने महाराष्ट्र के पंजीयन नंबर वाले तीन ट्रकों की जांच की। प्रत्येक ट्रक में 500 बोरी डीएपी खाद भरी थी।

ट्रांसपोर्ट परमिट के मुताबिक खाद महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले से धारणी स्थित दादाजी कृषि सेवा केंद्र भेजी जा रही थी, लेकिन तीनों ट्रक खंडवा जिले के रिछ्छीखेड़ा में मिले। कृषि विभाग के प्रतिवेदन पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर 1,500 बोरी खाद और तीनों ट्रक जब्त किए। इनकी कुल कीमत करीब 50.25 लाख रुपए बताई गई है।

छतरपुर में लोडर से पकड़ी नकली खाद, गोदाम में भी मिली

छतरपुर के मातगुवां थाना क्षेत्र में पुलिस को सागर-कानपुर नेशनल हाईवे पर खाद से भरे लोडर में नकली उर्वरक ले जाने की सूचना मिली थी। कुर्राहा तिराहे के पास वाहन रोककर जांच की गई। आवश्यक दस्तावेज नहीं मिलने पर कृषि विभाग को बुलाया गया। कृषि विकास अधिकारी ने खाद की जांच के बाद उसे नकली बताया।

पुलिस ने शुरुआती कार्रवाई में 80 बोरी खाद और लोडर जब्त किया। पूछताछ के आधार पर छतरपुर के नारायणपुरा रोड स्थित अमर मंडप गार्डन में जांच की गई, जहां से 650 बोरी नकली खाद और मिली। इस तरह कुल 730 बोरी खाद और लोडर सहित करीब 17 लाख रुपए की सामग्री जब्त की गई।

दोनों मामलों में पुलिस जांच कर रही है। कार्रवाई का उद्देश्य खाद के अवैध परिवहन, कालाबाजारी और नकली उर्वरक के कारोबार पर अंकुश लगाना तथा किसानों तक गुणवत्तापूर्ण खाद पहुंचाना है।

50 लाख रजिस्ट्री का लक्ष्य, 10 दिन में हुई सिर्फ1.75 लाख

भोपाल। गांवों में मकान और भूखंड के मालिकाना हक के दस्तावेज निःशुल्क देने की स्वामित्व योजना मध्यप्रदेश में रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है। सरकार ने एक महीने में 50 लाख रजिस्ट्री करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन पटवारियों के काम शुरू करने के बाद भी आंकड़ा अपेक्षित गति से नहीं बढ़ रहा है। 12 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक करीब 10 दिनों में लगभग 1.75 लाख रजिस्ट्री ही हो सकीं। इस रफ्तार से लक्ष्य तक पहुंचने के लिए लंबा समय लग सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल भी कम प्रगति पर कलेक्टरों को फटकार लगा चुके हैं।

प्रदेश सरकार ने 17 सितंबर को स्वामित्व योजना के शुभारंभ के दौरान एक महीने में 50 लाख निशुल्क रजिस्ट्री का लक्ष्य तय किया था। हालांकि, पटवारियों के रजिस्ट्री प्रक्रिया में शामिल नहीं होने से शुरुआत में ही काम अटक गया।

हाईकोर्ट में सात घंटे चली गिरीबाला सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई

भोपाल। राजधानी भोपाल में अभिनेत्री व मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सोमवार को गिरीबाला सिंह की जमानत याचिका पर करीब 7 घंटे तक चली सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने गिरीबाला सिंह की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस एके निरंकारी की अदालत में दोनों पक्षों के साथ सीबीआई का पक्ष भी सुना गया। ट्विशा शर्मा की मौत के बाद उनकी सास गिरीबाला सिंह और उनके पति समर्थ सिंह को पुलिस ने हिरासत में लिया था। मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। जांच पूरी करने के बाद सीबीआई ने अपनी रिपोर्ट मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में पेश की. इसके बाद गिरीबाला सिंह की ओर से जमानत याचिका दायर की गई थी, जिस पर पिछले कई दिनों से सुनवाई चल रही थी। प्रकरण में सीबीआई की चार्जशीट को लेकर भी अदालत में चर्चा हुई। जांच एजेंसी ने अपनी चार्जशीट में ट्विशा शर्मा को कथित तौर पर मानसिक रूप से परेशान करने और आत्महत्या के लिए उकसाने से संबंधित आरोपों का उल्लेख किया है। हालांकि, बचाव पक्ष के अनुसार, चार्जशीट में दहेज से जुड़े आरोपों का उल्लेख नहीं किया गया है। इसी बिंदु को लेकर भी मामले में कानूनी बहस हुई। गिरीबाला सिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह ने अदालत में पक्ष रखते हुए जमानत देने की मांग करते हुए कहा कि गिरीबाला सिंह की उम्र काफी अधिक है। पूरे मामले की जांच के दौरान उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग नहीं किया और सीबीआई ने जब भी उनसे पूछताछ की, उन्होंने जांच में सहयोग करते हुए सवालों के जवाब दिए। बचाव पक्ष ने अदालत में यह भी तर्क दिया कि गिरीबाला सिंह को जमानत मिलने से मामले की सुनवाई यानी ट्रायल पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। इन दलीलों के आधार पर उन्हें जमानत देने की मांग की गई। सीबीआई की ओर से यह कहा गया कि अभी भी इस मामले में जांच के कुछ बिंदु बाकी हैं, और गिरीबाला का फोरेंसिक जांच के लिए गया हुआ है। वहीं ट्विशा शर्मा के पिता नवनिधि शर्मा की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने जमानत याचिका का विरोध किया।

सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन में 539 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार सिंहस्थ-2028 के भव्य आयोजन को ध्यान में रखते हुए उज्जैन के दीर्घकालिक विकास पर जोर दे रही है। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उज्जैन में 539 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया गया। इनमें अमृत द्वार, पांच्यजन्य द्वार और सिद्धवट क्षेत्र के विकास कार्य भी शामिल हैं। इनका उद्देश्य श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्राचीन काल से रहा है। सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सरकार विभिन्न स्तरों पर व्यवस्थाएं विकसित कर रही है। शहर में विकास कार्यों के कारण जिन दुकानदारों को स्थान छोड़ना पड़ेगा, उन्हें वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराई जाएगी। जिनके मकान प्रभावित हुए हैं, उन्हें पात्रता के अनुसार शासकीय योजनाओं के तहत आवास देने का प्रयास किया जाएगा।

डॉ. यादव ने कहा कि सरकार सभी कार्य पारदर्शिता के साथ पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसान कल्याण वर्ष के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पुरानी जमीन और संपत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री का निर्णय लिया गया है। स्वामित्व योजना के माध्यम से लोगों को संपत्ति का कानूनी अधिकार मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से उज्जैन के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे विकसित करने की संभावनाएं तलाशने को भी कहा, ताकि पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिल सके।

वाल्मीकि धाम के लिए घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने वाल्मीकि धाम में सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला बनाने, रिटेनिंग वॉल सहित अन्य विकास कार्य पूरे करने और धाम के पास स्थित थाने का नाम बदलकर 'वाल्मीकि धाम थाना' करने की घोषणा की।

प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि सिंहस्थ की तैयारियां करीब 30 माह पहले ही शुरू कर दी गई हैं और उज्जैन से चारों दिशाओं में 100 किलोमीटर तक सड़क विकास के कार्य किए जा रहे हैं। उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी ने बताया कि प्राधिकरण के 539 करोड़ रुपये के नए कार्यों का भूमि-पूजन हुआ है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन में लगभग 25 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं।

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया, राज्यसभा सदस्य बालयोगी उमेश नाथ महाराज, नगर निगम सभापति कलावती यादव, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष ओम जैन सहित जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

धार में कार पुलिया में गिरी, आग लगने से 4 दोस्तों की जिंदा जलकर मौत

~ टायर फटने से बेकाबू हुई कार; एक युवक उछलकर बाहर गिरा, गंभीर हालत में इंदौर रेफर ~

इंदौर/धार । मध्यप्रदेश के धार जिले में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में कार सवार चार युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई, जबकि पांचवां युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पांचों दोस्त मंदिर में दर्शन कर लौट रहे थे। इसी दौरान लेबड़-नयागांव फोरलेन पर कार का टायर फट गया। इससे वाहन बेकाबू होकर पुलिया में जा गिरा और उसमें आग लग गई। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 20 किमी दूर रात 11:14 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक, कार में सवार पांच दोस्तों में से एक युवक टक्कर के दौरान उछलकर बाहर गिर गया। बाकी चार युवक कार के अंदर फंस गए। आग तेजी से फैलने के कारण उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और चारों की मौत हो गई।

~ 19 से 24 साल के चार युवकों की मौत ~

जांच अधिकारी कैलाश गामड़ के मुताबिक, मृतकों की पहचान भीम धाकड़ (24), आदित्य तिवारी (22), चेतन धाकड़ (21) और अभिषेक सोलंकी (19) के रूप में हुई है। सभी स्थानीय निवासी थे। घायल युवक तुषार मंडलोई (20) को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है।

~ दमकल ने बुझाई आग, कार पूरी तरह जली ~

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल को बुलाया गया। दमकलकर्मियों ने आग बुझाई, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। चारों युवकों के शव धार जिला अस्पताल भेजे गए हैं, जहां पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

रीवा में प्रस्तावित परमाणु परियोजना के खिलाफ उमंग सिंघार, बोले...ग्रामीणों की सहमति के बिना अनुमति कैसे जारी हुई?

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सोमवार को भोपाल में रीवा के रोझौहीक्क्सरई कला क्षेत्र में टाटा पावर की प्रस्तावित परमाणु परियोजना को लेकर ग्रामीणों के विरोध और ड्रिलिंग की अनुमति पर प्रेस वार्ता को संबोधित किया। श्री सिंघार प्लांट के विरोध में जल सत्याग्रह कर रहे आंदोलनकारियों से एक दिन पहले ही मिलकर आये हैं। उन्हें अपना पूरा समर्थन भी दिया हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस पूरे मामले में पावर प्लांट को लेकर ग्रामसभा ने 3 सितंबर 2026 को सहमति देने से इनकार किया था, इसके बावजूद 23 सितंबर को ह्ह्ष्ट जारी हुई। सरपंच ने 8 अक्टूबर को कथित सहमति पत्र की जांच और ह्ह्ष्ट निरस्त करने की मांग की। सरकार से ग्रामसभा के निर्णय, सुरक्षा मानकों और आवश्यक पर्यावरणीय व भूवैज्ञानिक अध्ययनों पर जवाब मांगा गया है।

1. भाजपा राज में सब बिकाऊ है!

? केंद्र सरकार ने स्ह्ह्ड्ढ.प्क्क 2025 के माध्यम से निजी कंपनियों के लिए परमाणु बिजली संयंत्र स्थापित और संचालित करने का रास्ता खोला है।

? मध्यप्रदेश में भी निजी परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इनमें रीवा में टाटा पावर, कटनी और छिंदवाड़ा में अडानी समूह तथा मंदसौर में बजाज समूह के प्रस्ताव शामिल हैं।

2. एक बार फिर निशाने पर गरीब और आदिवासियों का गांव

? रोझौही और सरई कला क्षेत्र में 1,500 से अधिक परिवार और 5,000 से अधिक लोग रहते हैं। इनमें बड़ी संख्या में आदिवासी, अनुसूचित जाति के परिवार, छोटे किसान और खेतिहर मजदूर शामिल हैं।

? स्थानीय ग्रामीण प्रस्तावित परियोजना का विरोध कर रहे हैं। विरोध-प्रदर्शन के दौरान बुजुर्ग आदिवासी महिला विमला कोल की मृत्यु का भी उल्लेख किया गया है।

3. ग्रामसभा के विरोध के बावजूद ड्रिलिंग की अनुमति कैसे मिली?

? 3 सितंबर 2026 को ग्रामसभा ने ड्रिलिंग की सहमति देने से सर्वसम्मति से इनकार किया। पंचायत ने 5 सितंबर को पत्र क्रमांक 48 के माध्यम से कलेक्टर को इसकी सूचना दी।

? इसके बावजूद 23 सितंबर को ह्ह्ष्ट क्रमांक 147/2026 जारी हुई, जिसमें 4 सितंबर के कथित सहमति पत्र का उल्लेख था।

? 8 अक्टूबर को सरपंच श्रीमती कोमल संजय सिंह ने संभागायुक्त और कलेक्टर से शिकायत कर पत्र की जांच और ह्ह्ष्ट निरस्त करने की मांग की।

? सवाल है—जब ग्रामसभा ने अनुमति नहीं दी, तो प्रशासन ने ड्रिलिंग की अनुमति किस आधार पर जारी की? कथित सहमति पत्र की जांच के लिए क्या कार्रवाई हुई?

4. परमाणु संयंत्र के सुरक्षा मानकों का पालन हुआ या नहीं?

? दस्तावेज़ में श्वक्रक्र के 2014 के सुरक्षा मानकों के तहत परमाणु संयंत्र के आसपास 1, 5, 16 और 30 किलोमीटर के सुरक्षा एवं निगरानी क्षेत्रों का उल्लेख है।

? सरकार स्पष्ट करे कि प्रस्तावित रिएक्टर कहां स्थापित होंगे और इन दायरों में कितने गांव, परिवार, कृषि भूमि तथा वनाधिकार पट्टे आते हैं।

? क्या प्रस्तावित स्थल के आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा और संभावित विस्थापन को लेकर कोई योजना तैयार की गई है?

5. पर्यावरणीय और भूवैज्ञानिक अध्ययन कहां हैं?

? सरकार बताए कि परियोजना के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (श्वढ्ढ), भूकंपीय जोखिम, जल उपलब्धता, आबादी वितरण और विकिरण प्रभाव से संबंधित अध्ययन कराए गए हैं या नहीं।

? क्या आपातकालीन तैयारी और आपदा प्रबंधन योजना तैयार की गई है? यदि हां, तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया?

6. दुनिया की परमाणु दुर्घटनाओं से क्या सबक लिया?

? चेरनोबिल, यूक्रेन (1986) और फुकुशिमा, जापान (2011) की दुर्घटनाओं के बाद बड़े पैमाने पर लोगों को प्रभावित क्षेत्रों से हटाना पड़ा।

? सरकार बताए कि रीवा में प्रस्तावित परियोजना के लिए स्थानीय आबादी, पर्यावरण और आपातकालीन सुरक्षा का आकलन किस आधार पर किया गया है।

सरकार से सवाल

? ग्रामसभा के स्पष्ट विरोध के बावजूद ड्रिलिंग की अनुमति क्यों जारी की गई?

? कथित सहमति पत्र की सत्यता की जांच और ह्ह्ष्ट निरस्त करने की मांग पर क्या कार्रवाई हुई?

? परियोजना के लिए आवश्यक पर्यावरणीय, भूवैज्ञानिक और सुरक्षा संबंधी अध्ययन पूरे हुए हैं या नहीं?

? प्रभावित ग्रामीणों, किसानों और वनाधिकार पट्टाधारकों के हितों की रक्षा कैसे की जाएगी?

जिस प्रदेश में लोग दूषित पानी पीकर मर जाएं, मासूम बच्चे जहरीली कफ सिरप से जान गंवा दें—वहां की सरकार परमाणु बिजली संयंत्र की सुरक्षा की गारंटी कैसे देगी?

24 अक्टूबर 2026 को पन्ना केन बेतवा दौरे के संबंध में मीडिया से चर्चा

* 24 अक्टूबर को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पन्ना पहुँचकर केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों, किसानों और आंदोलनकारियों से मुलाकात की।

* उन्होंने 27 दिनों से अधिक समय से आमरण अनशन पर बैठे अमित भटनागर जी को नारियल पानी पिलाकर उनका अनशन समाप्त करवाया और न्याय की लड़ाई जारी रखने का भरोसा दिलाया।

होटल में अब पहचान छिपाना होगा मुश्किल

- होटल में कौन ठहरा, पहचान असली या नकली बारकोड से होगा सत्यापन

भोपाल । राजधानी के होटलों में गलत नाम-पते या फर्जी पहचान-पत्र के सहारे ठहरने वालों की पहचान करना अब पहले से आसान हो सकता है। भोपाल पुलिस होटल, लॉज और धर्मशालाओं में आने वाले मेहमानों के सत्यापन के लिए 'अतिथि ऐप' आधारित व्यवस्था शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसकी शुरुआत प्रायोगिक तौर पर एमपी नगर थाना क्षेत्र से की जाएगी। योजना सफल रही तो इसे शहर के दूसरे इलाकों में भी लागू किया जा सकता है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर शैलेंद्र सिंह के मुताबिक, इस व्यवस्था के तहत होटलों और ठहरने के दूसरे स्थानों पर विशेष बारकोड उपलब्ध कराया जाएगा। मेहमान को अपने मोबाइल से इसे स्कैन करना होगा। इसके माध्यम से आधार का ऑफलाइन सत्यापन करने की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य पहचान-पत्रों की प्रामाणिकता जांचना और गलत पहचान के सहारे ठहरने वाले लोगों की पहचान में मदद करना है।

अभी होटल संचालक मेहमानों से पहचान-पत्र लेकर उनके विवरण दर्ज करते हैं। लेकिन केवल दस्तावेज की प्रति रख लेने से यह सुनिश्चित नहीं होता कि इस्तेमाल किया गया पहचान-पत्र वास्तविक है या उसमें दी गई जानकारी सही है। नई व्यवस्था में बारकोड के जरिए सत्यापन की प्रक्रिया अपनाने की तैयारी है। इससे पहचान-पत्र की जांच में मदद मिल सकती है और फर्जी दस्तावेज के सहारे ठहरने के मामलों को पकड़ना आसान हो सकता है।

फर्जी पहचान से छिपने वालों पर नजर

होटल में ठहरने वाले व्यक्ति की पहचान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर पुलिस जांच का अहम हिस्सा होती है। अगर कोई आरोपी गलत नाम या फर्जी दस्तावेज के सहारे ठहरता है, तो उसकी तलाश में पुलिस को अतिरिक्त समय लग सकता है। भोपाल में सामने आए ऐसे मामलों ने भी डिजिटल सत्यापन की जरूरत को चर्चा में ला दिया है।

फिलहाल इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर एमपी नगर थाना क्षेत्र से शुरू करने की तैयारी है। शुरुआती चरण में व्यवस्था की उपयोगिता, तकनीकी दिक्कतों और होटल संचालकों को होने वाली परेशानियों का आकलन किया जा सकेगा। इसके बाद जरूरी बदलाव कर इसे दूसरे थाना क्षेत्रों तक बढ़ाने पर फैसला लिया जा सकता है। भोपाल पुलिस की इस पहल का असर इस बात से तय होगा कि बारकोड स्कैन करने की प्रक्रिया कितनी आसान और विश्वसनीय रहती है तथा इससे फर्जी पहचान के मामलों में जांच कितनी प्रभावी होती है।

8,264 उम्मीदवारों के 10वीं में 100 प्रतिशत अंक दर्ज

भोपाल। डाक विभाग की ग्रामीण डाक सेवक भर्ती में 10वीं के अंकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस साल चयनित अभ्यर्थियों में 8,264 उम्मीदवारों के 10वीं में 100 प्रतिशत अंक दर्ज किए गए हैं। चयन सूची में पूर्णांक पाने वाले अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या ने भर्ती प्रक्रिया में दस्तावेजों की सत्यता और सत्यापन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में चयनित 1,450 अभ्यर्थियों में से 1,155 के 10वीं में पूरे अंक दर्ज हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में चयनित 1,687 उम्मीदवारों में से 1,616 ने 100 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद भर्ती में इस्तेमाल की गई अंकसूचियों की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि मध्य प्रदेश में पिछले सात वर्षों के दौरान 10वीं की बोर्ड परीक्षा में केवल 16 विद्यार्थियों ने पूर्णांक हासिल किए, जबकि मौजूदा ग्रामीण डाक सेवक चयन सूची में ऐसे 1,155 नाम शामिल हैं। हालांकि, इन आंकड़ों और अलग-अलग बोर्डों के परिणामों की आधिकारिक पुष्टि स्वतंत्र रूप से होना जरूरी है।

अंकसूचियों में कथित गड़बड़ी की जांच

विभागीय सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कुछ वर्षों से शिक्षा बोर्ड के कर्मचारियों, बिचौलियों और डाक विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से कथित तौर पर संदिग्ध अंकसूचियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, गड़बड़ी सामने आने पर कुछ नियुक्तियों को समाप्त करने की कार्रवाई भी की गई है। जबलपुर डाक सर्किल में बिहार बोर्ड की अंकसूचियों के आधार पर चयनित आठ कर्मचारियों को पिछले महीने बर्खास्त किए जाने का भी उल्लेख किया गया है। इन मामलों में दस्तावेजों की प्रामाणिकता जांच का अहम विषय बनी हुई है।

सीबीआई की कार्रवाई से मामले ने पकड़ा जोर

रिपोर्ट के अनुसार, कथित फर्जीवाड़े के मामले में सीबीआई ने प्रकरण दर्ज किया है। एजेंसी ने 30 सितंबर को मुरैना से मानवेंद्र सिंह सिकरवार, रमाकांत शर्मा, सौरभ शर्मा और प्रदीप खरे को गिरफ्तार किया। इसके अलावा सागर, देवास और टीकमगढ़ से जुड़े चार अन्य लोगों के फरार होने की बात भी रिपोर्ट में कही गई है। हालांकि, आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। ग्रामीण डाक सेवक भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन होती है और इसमें देश के किसी भी राज्य का अभ्यर्थी आवेदन कर सकता है। चयन में 10वीं के अंकों की अहम भूमिका होती है, जबकि नियुक्ति से पहले दस्तावेजों का सत्यापन किया जाता है।

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

शादी का झांसा देकर पतित्यक्ता से दुष्कर्म

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के हट्टा थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर पतित्यक्ता महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की रिपोर्ट पर हट्टा पुलिस ने आरोपी तपेश पिता चेतराम मेश्राम 27 वर्ष ग्राम पाथरी निवासी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी घटना के बाद से फरार है। प्राप्त जानकारी अनुसार पीड़िता 27 वर्षीय महिला मजदूरी करती है। उसके पहले पति से तलाक हो चुका है और उसकी 5 वर्षीय एक बेटी है। इसी दौरान उसकी पहचान एक ही समाज के ग्राम पाथरी निवासी तपेश मेश्राम से हुई। दोनों के बीच करीब 5 वर्षों से प्रेम संबंध थे और मोबाइल पर बातचीत व मिलना-जुलना होता रहता था।पीड़िता का आरोप है कि 23 मार्च 2025 को तपेश ने उसे अपने गांव पाथरी बुलाया और शादी का झांसा देकर उसकी इच्छा के विरुद्ध जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद भी कई बार शादी का वादा कर शारीरिक शोषण करता रहा, जिससे महिला गर्भवती हो गई।लोकलाज के कारण महिला ने शुरुआत में परिजनों को नहीं बताया। जब गर्भ 8 माह का हो गया और पेट दिखने लगा तब छोटी बहन व पिता के पूछने पर उसने आपबीती बताई। इसके बाद परिजन तपेश के घर शादी की बात करने गए। लेकिन उसने शादी से साफ इनकार कर दिया।अंततः परिजनों के साथ पीड़िता हट्टा थाना पहुंची। पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपी तपेश मेश्राम के विरुद्ध धारा 69 भारतीय न्याय संहिता के तहत दुष्कर्म का अपराध दर्ज किया है।मामले की विवेचना जारी है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

किसान सम्मान निधि के नाम पर वसूली ?
13 हजार तक देने के बाद भी पोर्टल पर नहीं चढ़े नाम

किरनापुर तहसील में किसानों से कथित अवैध वसूली के गंभीर आरोप, सीएम हेल्पलाइन और कलेक्ट्रेट में शिकायत के बाद भी नही हुई कार्रवाई, पीड़ितों ने राशि वापस दिलाने और सख्त कार्रवाई की करी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों को आर्थिक राहत देने वाली किसान सम्मान निधि योजना के नाम पर ही यदि किसानों से हजारों रुपये वसूले जाने के आरोप लगें, तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। बालाघाट जिले की किरनापुर तहसील में योजना की सूची में नाम जुड़वाने और दस्तावेजों की एंट्री कराने के नाम पर कथित अवैध वसूली का मामला सामने आया है। पीडित किसानों ने तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक ई-गवर्नेंस प्रबंधक रामशंकर पटले पर एक हजार रुपये से लेकर 13 हजार रुपये तक लेने के आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि रकम देने के बावजूद महीनों बाद भी उनके नाम पोर्टल पर दर्ज नहीं हुए और वे कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर हैं। मामले को लेकर किसानों ने सीएम हेल्पलाईन सहित जिला प्रशासन से शिकायत करते हुए निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और कथित तौर पर वसूली गई राशि वापस दिलाने की मांग की है।

रकम दी, फिर भी नहीं मिला योजना का लाभ

किसानों के आरोपों के मुताबिक, किसान सम्मान निधि योजना के तहत नाम जुड़वाने और दस्तावेजों की ऑनलाइन एंट्री कराने के नाम पर उनसे अलग-अलग रकम ली गई। किसी किसान से एक हजार तो किसी से हजारों रुपये तक लिए जाने का दावा किया गया है। आरोप है कि बड़ी रकम देने के बाद भी संबंधित किसानों का काम पूरा नहीं हुआ। महीनों बीतने के बावजूद पोर्टल पर नाम दर्ज नहीं होने से किसान परेशान हैं। योजना का लाभ पाने की उम्मीद में कार्यालय पहुंचने वाले किसानों को कथित तौर पर बार-बार इंतजार और टालमटोल का सामना करना पड़ रहा है।

पैसों के लेनदेन संबंधी कॉल रिकॉर्डिंग हो रही वायरल

बताया गया कि इस पूरे मामले को लेकर किसानों द्वारा बाबू पटले से लगातार फोन पर संपर्क किया जा रहा था। किसी किसान ने कथित रूप से बाबू की फोन कॉल रिकॉर्ड की है ,जिसमें पैसों के लेनदेन और पैसे वापस करने का उल्लेख है। यहां ऑडियो पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। हालांकि पीएमजी ग्रुप, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस ऑडियो और लगे आरोपों की पुष्टि नहीं करता है। लेकिन यह ऑडियो कॉल रिकॉर्डिंग कथित तौर पर बाबू पटले और किसानों के बीच हुई पैसे के लेनदेन से जुड़ी बताई जा रही है

किसानों ने कार्रवाई पर उठाए सवाल

पीड़ित किसानों का कहना है कि इस मामले की शिकायत पूर्व में बालाघाट कलेक्ट्रेट में भी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अब तक राहत नहीं मिली। किसानों ने जांच की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि शिकायत के बाद भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे संबंधित कर्मचारी की कार्यप्रणाली और विभागीय निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र जांच और संबंधित पक्ष का जवाब सामने आना आवश्यक है।

प्रशासनिक कार्य प्रणाली पर उठे सवाल

किसानों से मिली इन शिकायतो के बाद अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत की जांच कितनी तेजी और निष्पक्षता से करता है और किसानों को कथित वसूली से राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इस पूरे मामले में प्रशासनिक कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए है।बड़ा सवाल ये है कि किसान सम्मान निधि का लाभ पाने के लिए किसानों को कथित तौर पर रकम क्यों देनी पड़ी ? यदि शिकायतें पहले भी की गई थीं, तो उनकी जांच का नतीजा क्या निकला ? इन सवालों के जवाब निष्पक्ष जांच और प्रशासनिक कार्रवाई से ही सामने आ सकेंगे।

किसानों ने की कार्रवाई और राशि वापसी की मांग

मामले में किसान अर्जुन शेंद्रे और महेंद्र मड़ावी सहित अन्य पीड़ितों ने अपनी परेशानी सामने रखते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। किसानों ने बताया कि उन्होंने करीब 6 माह पूर्व सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की है लेकिन उसका निराकरण आज तक नहीं हुआ है। वहीं कलेक्टर ऑफिस में भी लिखित शिकायत कर चुके हैं लेकिन वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिल पाई है।किसानों की मांग है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और जिन किसानों से कथित रूप से पैसे लिए गए हैं, उनकी राशि वापस दिलाई जाए। साथ ही पात्र किसानों के नाम पोर्टल पर दर्ज कराकर उन्हें योजना का लाभ दिलाने की व्यवस्था की जाए, ताकि आर्थिक सहायता के लिए किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

एसडीएम बोले-कराएंगे जांच, दोषी मिले तो होगी वैधानिक कार्रवाई

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान

किरनापुर एसडीएम कमलचंद्र सिंहसार ने मामले को लेकर जांच कराने की बात कही है।उन्होंने बताया कि यह उनके संज्ञान में नही था।शिकायत के आधार पर जांच टीम का गठन कर मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में यदि कोई दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

घर के सामने सार्वजनिक कुएं में मिला 63 वर्षीय बुजुर्ग का शव

सुबह से थे लापता-गांव में मचा हड़कंप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम भजियादंड में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब घर के सामने स्थित सार्वजनिक कुएं में एक 63 वर्षीय बुजुर्ग का शव मिला। मृतक की पहचान महेश पिता मोहनलाल कोटांगले के रूप में हुई है। बुजुर्ग सुबह करीब 5 बजे से घर से लापता थे। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे।तभी घर के सामने कुएं में उनका शव दिखाई दिया। प्रथम दृष्टया कुएं में गिरने से डूबकर मौत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश कोटांगले अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करते थे। वह दो भाइयों में से एक थे। दोनों भाई एक ही मकान में अलग-अलग परिवारों के साथ रहते थे। बताया गया है कि महेश पिछले तीन-चार वर्षों से लकवा और मधुमेह की बीमारी से पीड़ित थे।हालांकि वह चलने-फिरने में सक्षम थे।26 अक्टूबर की सुबह करीब 5 बजे जब महेश घर में दिखाई नहीं दिए तो उनकी बेटी सोनाली ने अपने चाचा दिलीप कोटांगले को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने गांव और आसपास के क्षेत्रों में उनकी तलाश शुरू की लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। परिजन तलाश में जुटे हुए थे। इसी दौरान सुबह करीब 7 बजे घर के सामने स्थित सार्वजनिक कुएं की ओर देखने पर महेश का शव पानी में दिखाई दिया। शव मिलने की खबर फैलते ही गांव में लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आशंका जताई जा रही है कि शौच के लिए जाते समय या कुएं से पानी निकालने के दौरान संतुलन बिगड़ने से महेश कुएं में गिर गए होंगे। पानी में डूबने के कारण उनकी मौत होने की संभावना व्यक्त की गई है। हालांकि, घटना की वास्तविक परिस्थितियों और मौत के कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।घटना की सूचना मिलने पर रामपायली पुलिस ग्राम भजियादंड पहुंची। पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।गांव में घर के सामने स्थित कुएं से बुजुर्ग का शव मिलने की इस घटना से शोक का माहौल है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पिकअप की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक घायल-चालक फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत समनापुर रोड पर आमगांव और समनापुर के बीच तेज रफ्तार पिकअप ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया जबकि पिकअप चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। घायल युवक दुर्गेश पिता साहेबलाल लिल्हारे 31 वर्ष ग्राम आमगांव थाना ग्रामीण थाना नयेगांव निवासी है। जिला जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक दुर्गेश लिल्हारे अपने परिवार के साथ खेती-मजदूरी करता है। रविवार दोपहर करीब 12 बजे वह किसी काम से मोटरसाइकिल से समनापुर जा रहा था। इसी दौरान आमगांव और समनापुर के बीच सामने से तेज रफ्तार में आ रही पिकअप ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दुर्गेश मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़ा।हादसे में दुर्गेश के बाएं घुटने, चेहरे और दाहिने घुटने में चोटें आईं। इसके अलावा उसे अंदरूनी चोटें भी आई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही दुर्गेश का भाई योगेश लिल्हारे मौके पर पहुंचा और घायल को निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट ले जाकर भर्ती कराया। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। जिला अस्पताल पुलिस ने योगेश का बयान लेकर इस मामले को आगे की कार्रवाई के लिए नवेगांव थाना भिजवा दिए हैं।

दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत-युवती सहित चार घायल
नेवरगांव और मंगोली कला के बीच हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-गोंदिया मार्ग पर ग्राम नेवरगांव और मंगोली कला के बीच दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में एक युवती सहित चार लोग घायल हो गए। घटना 25 अक्टूबर की शाम करीब 6:30 बजे यह सड़क दुर्घटना किरनापुर थाना क्षेत्र में हुई। हादसे के बाद सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया।घायलों मे काजल धुर्वे पिता मोहन धुर्वे 24 वर्ष वार्ड नंबर 2 बालाघाट, राज पटेल पिता सोहन पटेल 30 वर्ष बालाघाट,सहसराम कुतराहे पिता गन्नालाल कुतराहे 40वर्ष गन्नालाल कुतराहे पिता सखन कुतराहे 60 वर्ष दोनों ग्राम नेवरगांव थाना किरनापुर निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार काजल धुर्वे बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। 25 अक्टूबर की शाम वह राज पटेल बालाघाट निवासी के साथ स्कूटी से बालाघाट से रजेगांव की ओर जा रही थीं। स्कूटी राज पटेल चला रहे थे।इसी दौरान सहसराम कुतराहे अपने पिता गन्नालाल कुतराहे के साथ मोटरसाइकिल से रंजेगांव की ओर से अपने घर मंगोली कला लौट रहे थे। नेवरगांव और मंगोली कला के बीच दोनों मोटरसाइकिलों की आपस में टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल पर सवार चारों लोग घायल हो गए।हादसे की जानकारी मिलते ही सहसराम कुतराहे के परिवार के सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट